■ प्रदूषण के कारण डिजिटल सुनवाई पर करें विचार सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान की टिप्पणी- 12

■ आरबीआई की डिप्टी गर्वनर पूनम गुप्ता ने कहा-मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं- 12

■ आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, पूरी मानव जाति के लिए अभिशाप - 13

■ भारत की सबसे बड़ी हार दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप- 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी 12:30 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 27 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 3, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

जर्जर पोल ने ली राष्ट्रीय खिलाड़ी की जान

रोहतक के लखनमाजरा स्थित सरकारी स्टेडियम में राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी 16 वर्षीय हार्दिक राठी की उस समय मौत हो गई जब अभ्यास के दौरान उनकी छाती पर बॉस्केटबॉल हूप का लोहे का भारी खंभा गिर गया। सीसीटीवी की फुटेज में दिखा कि हार्दिक हूप तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, हूप से लटकने के दौरान उनके ऊपर खंभा गिर गया। हार्दिक के पिता ने कहा, खंभे की जर्जर हालत के बारे में अधिकारियों को कई बार बताया था लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया।

भारत को मिली मेजबानी, अहमदाबाद में होंगे राष्ट्रमंडल खेल– 2030

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत बीस साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। बुधवार को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में अहमदाबाद को मेजबान के तौर पर औपचारिक मंजूरी मिल गई । पिछले महीने 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट (राष्टमंडल खेल)' के कार्यकारी बोर्ड की ओर से शताब्दी चरण के प्रस्तावित मेजबान के रूप में अहमदाबाद की सिफारिश के बाद 74 सदस्यों की जनरल असेंबली के लिए भारत की बोली पर मुहर लगाना सिर्फ एक औपचारिकता रह गई थी। इससे पहले भारत ने 2010 में दिल्ली में इन खेलों की मेजबानी की थी।

राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड ने मूल्यांकन समिति की देखरेख में एक प्रक्रिया पूरी करने के बाद भारत को मेजबानी देने की की सिफारिश की थी । राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने अफ्रीका के इस शहर के 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए नाम पर विचार करने का फैसला किया।

ग्लासगो में हुई राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में लगी मुहर, नाइजीरिया का दावा खारिज

सौ साल भी पूरे करेंगे राष्ट्रमंडल खेल

राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अपने सौ साल भी पूरे कर रहे हैं लिहाजा यह सत्र विशेष रहने वाला है । भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दौड़ में भी है और अहमदाबाद को ही मेजबान शहर के रूप में पेश किया गया है । भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जहां पिछले एक दशक में खेल ढांचा नए स्तर तक पहुंचा है। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया था।

... इसलिए मजबूत पड़ा अहमदाबाद का दावा

अहमदाबाद ने हाल ही में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन, एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप और फुटबॉल के एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2026 क्वालीफायर की मेजबानी की है। यहां अगले साल एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप और एशिया पैरा-तीरंदाजी कप होगा। इसके अलावा 2029 में विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में होंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल खेल परिसर को इन खेलों के लिए तैयार किया जा रहा है। इनमें नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम भी शामिल है। इसी परिसर में एक जलक्रीड़ा केंद्र और एक फुटबॉल स्टेडियम के साथ इनडोर खेलों के लिए दो मैदान बनेंगे।

"यह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए नए सुनहरे दौर की शुरुआत है। भारत में व्यापकता, युवा शक्ति, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति और अपार खेल जुनून है। हम राष्ट्रमंडल खेलों के अगले सौ वर्षों की शुरुआत मजबूत स्थिति में कर रहे हैं। – **डॉ. डोनाल्ड रुकारे**, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष

"कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने जो भरोसा दिखाया है, उससे हम बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। 2030 खेलों से हम सिर्फ कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 साल पूरे होने का जश्न ही नहीं मनाएंगे, बल्कि अगली सदी की नींव भी रखेंगे। – **पीटी उषा**, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष

ब्रीफ न्यूज

आईएफएफआई के समापन समारोह में शोले का प्रदर्शन रद्द

पणजी। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद 56वां अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) इस सप्ताहांत अपने समापन समारोह में उन्हें एक विशेष श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। आईएफएफआई में 26 नवंबर को शोले का 4 के 'रीस्टोर्ड' (उन्नत) संस्करण का प्रदर्शन किया जाना था लेकिन आयोजकों ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए इसे भी रद्द कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया, सोमवार को धरमजी के निधन की दुखद खबर मिलने के बाद सम्मान स्वरूप फिल्म बाजार के समापन समारोह में एक मिनट का मौन रखा गया।

गुजरात: शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत

गिर सोमनाथ। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के गिर गढडा तालुका में बुधवार सुबह एक शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाद में लड़की का शव बरामद कर लिया गया, जिसे शेरनी ने आधा खा लिया था। वहीं शेरनी को भी पकड़ लिया गया। यह जिला गिर राष्ट्रीय उद्यान का घर है, जो एशियाई शेरों का एकमात्र निवास स्थान है। रेंज वन अधिकारी बी. बी. वाला ने बताया कि उन्होंने बताया कि बच्ची सुबह करीब 10 बजे अपनी मां के साथ बरामदे में खेल रही थी, तभी अचानक जंगल से एक शेरनी निकली और बच्ची को उठाकर करीब एक किलोमीटर जंगल में ले गई।

दिल्ली: स्कूल बंद करने की याचिका पर शिक्षा सचिव तलब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता की बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर स्कूलों को बंद करने के अनुरोध वाली याचिका पर बुधवार को दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय के सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मुद्दे पर वजीरपुर जेजे कॉलोनी एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी और शिक्षा विभाग तथा केंद्र सहित अन्य प्रतिवादियों द्वारा जवाब दाखिल न करने पर नाराज थी।

संवैधानिक कर्तव्य निभाएं नागरिक क्योंकि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव

संविधान दिवस पर मोदी ने महात्मा गांधी के विचारों को याद करते हुए दिया संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नागरिकों से अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाने का आग्रह करते हुए कहा कि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं। संविधान दिवस पर नागरिकों को संबोधित पत्र में प्रधानमंत्री ने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया और सुझाव दिया कि स्कूल-कॉलेज 18 वर्ष की आयु पूरी करके पहली बार मतदाता बनने वालों का सम्मान करते हुए संविधान दिवस मनाएं। प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी के इस विचार को याद किया कि अधिकार कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कर्तव्यों का निर्वहन सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार है। उन्होंने संविधान का मसौदा तैयार करने में राजेंद्र प्रसाद, बीआर आंबेडकर और अन्य लोगों

"हमारे देश ने हमें बहुत कुछ दिया है और इससे हमारे भीतर कृतज्ञता की एक गहरी भावना जागृत होती है, और जब हम इस भावना के साथ जीते हैं, तो अपने कर्तव्यों को पूरा करना हमारे स्वभाव का अभिन्न अंग बन जाता है। अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रत्येक कार्य में अपनी पूरी क्षमता और समर्पण लगाना अनिवार्य हो जाता है।
– प्रधानमंत्री मोदी

के योगदान को याद करने के साथ स्वतंत्रता संग्राम में वल्लभभाई पटेल, बिरसा मुंडा और महात्मा गांधी के नेतृत्व को श्रद्धांजलि दी। मोदी ने कहा, ये सभी व्यक्तित्व और उपलब्धियां हमें अपने कर्तव्यों की प्रधानता की याद दिलाती हैं, जिस पर संविधान के अनुच्छेद 51ए में मौलिक कर्तव्यों पर एक विशिष्ट अध्याय के माध्यम से भी बल दिया गया है। ये कर्तव्य हमें सामूहिक रूप से सामाजिक और आर्थिक प्रगति का मार्गदर्शन देते हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा गांधी हमेशा एक नागरिक के कर्तव्यों पर जोर देते थे। मोदी ने कहा, उनका मानना था कि कर्तव्य का अच्छी तरह से पालन करने से एक समान अधिकार का सृजन होता है और वास्तविक अधिकार कर्तव्य पालन का परिणाम होते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नीतियां और आज लिए गए निर्णय आने वाली पीढ़ियों के जीवन को आकार देंगे। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से आग्रह किया कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए वे अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखें।

संविधान भारत के गौरव का आधार: मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि संविधान देश की पहचान का आधार है और साथ ही औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने तथा राष्ट्रवादी सोच को अपनाने के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज भी है। उन्होंने 'संविधान सदन' (पुराना संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत दुनिया के लिए विकास का एक नया मॉडल पेश कर रहा है और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

कर्तव्य के बिना अधिकार सुरक्षित नहीं: मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान दिवस पर लोकभवन में बुधवार को संविधान की उद्देशिका का सशपथ पाठन कराया। इस दौरान योगी ने कहा कि स्वतंत्रता की वास्तविक कीमत विस्मृत की जा रही है, क्योंकि हमने स्वाधीनता की लड़ाई को आंखों से नहीं देखा। हमने क्रूर यातनाओं को नहीं सहा। परिणामस्वरूप हर व्यक्ति केवल अधिकार की बात करता है।योगी के अनुसार, अधिकार तब सुरक्षित होते हैं, जब व्यक्ति कर्तव्यों के निर्वहन की आदत डाले। कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता।

खीरी के सोती साइफन में गिरी कार, बहराइच के पांच लोगों की मौत

संवाददाता,लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: लखीमपुर खीरी जिले में मंगलवार देर रात भीषण हादसा हो गया। पढुआ थाना क्षेत्र में पारस पुरवा गांव के पास शारदा नहर के किनारे मोड़ पर अनियंत्रित हुई कार रेलिंग तोड़ते हुए सोती नदी के साइफन में जा गिरी। इस हादसे में कार में सवार पांचों लोगों की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल हुए चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, उसकी हालत भी नाजुक बताई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

हादसा मंगलवार की रात करीब 12 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक घटना में जान गंवाने वाले लोग बहराइच जिले के थाना सुजौली क्षेत्र में स्थित गिरिजापुरी बैराज के कर्मचारी सर्वेश की भतीजी की शादी में शामिल होने लखीमपुर आए थे। शादी में शामिल होकर कार से बहराइच लौट रहे थे। ढखेरवा-गिरजापुरी बैराज मार्ग पर शारदा नहर पर बने सुतिया साइफन के पास मोड़ पर कार अचानक बेकाबू होकर साइफन की रेलिंग तोड़ते हुए

सायफन के पानी में पड़ी कार।

- **ढखेरवा-गिरजापुरी हाईवे पर मंगलवार रात हुआ भीषण हादसा**
- **शादी में शामिल होकर लौट रहे थे पांचों, चालक की भी हालत गंभीर**

करीब 30 फुट नीचे पानी में जा गिरी।

सूचना पर तमाम ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार के गेट तोड़कर सभी को रस्से के सहारे बाहर निकाला और सीएचसी रमियाबेहड़ भेजा, जहां डॉक्टरों ने जितेंद्र (23), घनश्याम (25), लालजी मल्लाह (45), अजीमुल्ला (45), सुरेंद्र (56) को मृत घोषित कर दिया। ये सभी बहराइच के सुजौली के निवासी थे। कार चालक सूरज उर्फ बब्बू (28) की हालत गंभीर है।

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, मोहाली में लॉरेंस विश्नोई गैंग के चार गुर्गे गिरफ्तार

मोहाली, एजेंसी

- **अंबाला हाईवे पर हुई मुठभेड़ में दो को लगी गोली, सात पिस्टल व 70 कारतूस बरामद**

पंजाब एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने एसएएस नगर (मोहाली) पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में डेरा बस्सी-अंबाला राजमार्ग पर स्टील स्ट्रिप्स टावर्स के पास बुधवार दोपहर गोलीबारी के बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के विदेशी गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के चार गुर्गों की गिरफ्तारी के साथ एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया है। मुठभेड़ में इनमें से दो को गोली भी लगी है। इनसे .32 कैलिबर की सात पिस्टल और 70 कारतूस बरामद किए गए हैं।

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान राजपुरा, पटियाला के ढकनसू कलां निवासी हरविंदर सिंह उर्फ भोला उर्फ हनी और लखविंदर सिंह तथा राजपुरा, पटियाला निवासी मोहम्मद समीर और रोहित शर्मा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये लोग अपने विदेशी आकाओं के निर्देश पर काम कर रहे थे और ट्राइसिटी एवं पटियाला क्षेत्र में लक्षित हमलों की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। आतंकवादियों की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई कर घेराबंदी की थी।

दो करोड़ से ज्यादा आधार नंबरों को निष्क्रिय किया गया

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार के डेटाबेस को निरंतर सटीक बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मृत व्यक्तियों के दो करोड़ से अधिक आधार नंबरों को निष्क्रिय कर दिया है।

आधिकारिक सूचना के अनुसार यूआईडीएआई ने भारत के महापंजीयक (आरजीआई), राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम आदि से मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के बाद यह कार्रवाई की है। यूआईडीएआई मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के लिए वित्तीय संस्थानों और अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग करने पर भी विचार कर रहा है। नियमों के अनुसार किसी भी व्यक्ति को आधार संख्या कभी दोबारा आवंटित नहीं की जाती है।

दिल्ली में मामूली सुधार होते ही हटा ग्रैप- 3 दफ्तरों में 50% स्टाफ की बाध्यता खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

- **राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता की हालत अब भी बेहद खराब**

वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार होते ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में लागू किए गए चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (ग्रैप)-3 के तहत लागू सभी प्रतिबंध हटा दिए। इसी के साथ दिल्ली में दो दिन पहले लागू की गई सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने समेत सभी पाबंदियां भी खत्म हो गई हैं।

दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई बुधवार को 327 रहा और भारत मौसम विभाग तथा भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूर्वानुमान के अनुसार हवा की गुणवत्ता अब भी 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रहने की आशंका है। इसके बावजूद सीएक्यूएम ने कहा कि 21 नवंबर को अधिसूचित संशोधित ग्रैप के चरण-1 और चरण-2 के तहत लागू प्रतिबंध एनसीआर में जारी रहेंगे और उनका कड़ाई से पालन कराया जाएगा ताकि प्रदूषण का स्तर दोबारा न बढ़ सके। सीएक्यूएम के आदेश में कहा गया है कि ग्रैप पर उप-समिति ने वायु गुणवत्ता की स्थिति की समीक्षा की और इसमें सुधार देखा। इसके बाद 11 नवंबर के आदेश वापस लिए गए, जिसके तहत चरण-3 के प्रतिबंध लागू किए गए थे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ग्रैप-3 की पाबंदियां हटा दी गई हैं और ग्रैप-2 लागू किया गया है।

दिल्ली विस्फोट : उमर को पनाह देने वाला फरीदाबाद का शख्स गिरफ्तार

बड़ी कामयाबी

- **विस्फोट से पहले उमर को जरूरी साजोसामान भी कराया था मुहैया**

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लाल किले के पास विस्फोटक से भरी कार चलाने वाले डॉ. उमर उन नबी को पनाह देने के मामले में फरीदाबाद के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एजेंसी के मुताबिक शोएब नाम के इस शख्स ने विस्फोट

करने से डॉ. उमर को साजोसामान भी मुहैया कराया था। साथ ही सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा था।

आत्मघाती हमवलावर के तौर पर पहचाना गया डॉ. उमर उस कार को चला रहा है जिसमें गत 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के बाहर विस्फोट हुआ था और इस विस्फोट में 15 लोगों की जान चली गई थी। एनआईए के आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि एजेंसी ने हरियाणा के फरीदाबाद के धौज निवासी शोएब को दिल्ली आतंकी बम विस्फोट से पहले आतंकवादी उमर उन नबी" को साजो-सामान मुहैया कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। शोएब एनआईए के हाथों गिरफ्तार किया गया इस मामले में सातवां आरोपी है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से उजागर किए गए एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा है।

आत्मनिर्भर भारत

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया भूरणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णय

दुर्लभ चुंबक विनिर्माण के लिए 7280 करोड़ की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने बुधवार को दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबकों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 7,280 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इस कदम से देश को चीन पर निर्भरता को कम करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में 'ठोस दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबकों के विनिर्माण की प्रोत्साहन योजना' को स्वीकृति प्रदान की गई। यह खनिज इलेक्ट्रिक वाहन,

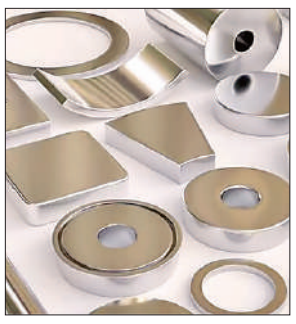

नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, वैमानिकी और रक्षा जैसे कई क्षेत्रों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह योजना दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबक के विनिर्माण को बढ़ावा देगी। इसका उद्देश्य 6,000 टन प्रति सालाना क्षमता सृजित करना है। यह योजना एकीकृत विनिर्माण सुविधाओं के निर्माण में सहायता करेगी। इसमें दुर्लभ खनिज ऑक्साइड को धातुओं में, धातुओं को मिश्र धातुओं में और मिश्र धातुओं को तैयार चुंबकों में परिवर्तित करना शामिल है।

पुणे मेट्रो के विस्तार के लिए 9,858 करोड़ रुपये

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने 9,858 करोड़ रुपये की लागत से पुणे मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के तहत लाइन 4 (खराडी-हडपसर-स्वारगेट-खड़कवासला) और लाइन 4ए (नल स्टॉप-वारजे-माणिक बाग) को मंजूरी दी गई। मंत्री ने बताया कि लाइन 2ए (वनाज-चांदनी चौक) और लाइन 2बी (रामवाड़ी-वाघोली/विट्ठलवाड़ी) को मंजूरी मिलने के बाद, दूसरे चरण के तहत स्वीकृत यह दूसरी बड़ी परियोजना है। सरकार ने कहा कि इस नवीनतम मंजूरी के साथ, पुणे मेट्रो का नेटवर्क 100 किलोमीटर से आगे बढ़ जाएगा। कुल 28 'एलिवेटेड' स्टेशनों के साथ 31.636 किलोमीटर लंबी, लाइन 4 और 4ए पूर्व, दक्षिण और पश्चिम पुणे में आईटी केंद्रों, वाणिज्यिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और आवासीय समूहों को जोड़ेगी।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार,27 नवंबर 2025

शाहजहांपुर

श्रीराम कथा समापन के मौके पर मौजूद श्रद्धालु। ● अमृत विचार

श्री राम के राजतिलक के साथ कथा का समापन

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार : 21 कुण्डीय श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञाचार्य ने पूर्ण आहुति के साथ एवं श्री राम कथा के नौ दिवसीय कथा में श्री राम का राजतिलक के साथ समापन किया गया। समापन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया।

राम कथा के अंतिम दिन कथा व्यास श्री स्वामी गोविंदाचार्य जी महाराज ने रावण वध और राम के राज्याभिषेक का प्रसंग सुनाया। कार्यक्रम के अंत में यज्ञ में श्रद्धालुओं ने आहुतियां डाली। इस दौरान भक्तों ने यज्ञशाला की परिक्रमा की। तमाम लोगों ने कथा व्यस श्री गोविंदाचार्य से दीक्षा भी प्राप्त की। कथा के उपरांत शाम 6:00 बजे से विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। 21 कुंडीय श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ में पूर्ण आहुति में डा.प्रमोद मिश्रा, सभासद राधा रमण मिश्रा, सोनू खन्ना, सभासद स्वाति खन्ना, सुरेंद्र राठौर, अमर सक्सेना सहित तमाम लोगों ने हिस्सा लिया और पूर्ण आहुतियां दी।

एसपी ने रोजा में की गश्त

शाहजहांपुर, अमृत विचार: एसपी राजेश द्विवेदी ने रोजा पुलिस के साथ क्षेत्र में पैदल गश्त की। उन्होंने क्षेत्र में भ्रमण करके लोगों से सुरक्षा संबंधी संवाद किया। एसपी ने निर्देश दिए कि नियमित पैदल गश्त की जाए एवं रात्रिकालीन पेट्रोलिंग अनिवार्य रुप से की जाए। संदिग्ध व्यक्तों, वाहनों और वस्तुओं पर सतर्क निगरानी रखी जाए, बाजारों में यातायात सुचारु रखा जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि बीट स्तर पर पुलिस की सक्रियता बढ़ायी जाए। उन्होंने नागरिकों को सलाह दी कि किसी भी आपात स्थिति में 112 पुलिस हेल्पलाइन पर शीघ्र सूचना दे।

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार
के छठवें स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

इकरार खान
समाजसेवक
ग्राम पंचायत इस्लामगंज
अल्हागंज, शाहजहांपुर

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

यश मेडिकल स्टोर
हमारे यहां प्रतिष्ठित कंपनियों की दवाइयां उचित रेट पर थोक व फुटकर मिलती हैं।
प्रो0 यशपाल सिंह
मेन मार्केट, अल्हागंज शाहजहांपुर
संरक्षक- महेश पाल सिंह सोमवंशी

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
नगर पंचायत निगोही, जनपद शाहजहांपुर
अपील
1. नगर में खुले में कूड़ा न डालें तथा गीला सूखा कूड़ा अलग-अलग कर नीले और हरे रंग के डस्टबिन में ही डालें।
2. खुले में शौच/पेशाब न करें।
3. प्लास्टिक का उपयोग न करें और न करने दें।
4. संचारी रोग की रोकथाम हेतु साफ-सफाई रखें तथा अपने आस पास वर्षा का पानी जमा न होने दें।
5. जरुरत से ज्यादा जल व्यर्थ न करें।
अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत निगोही शाहजहांपुर
अध्यक्ष नगर पंचायत निगोही शाहजहांपुर

अमृत विचार के छठवें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सुप्रिया पटेल
ग्राम पंचायत अधिकारी
डॉ. उमेश कुशवाहा
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत नयागांव गुलड़िया जलालाबाद, शाहजहाँपुर

अमृत विचार के छठवें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सादिक अली खां
एडवोकेट/पूर्व चेयरमैन
नगर पालिका परिषद
जलालाबाद, शाहजहाँपुर

अमान अली खां
एडवोकेट

अमृत विचार के छठवें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

साधन सहकारी समिति
पिटारमऊ, जलालाबाद, जिला-शाहजहाँपुर।

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार
के 6वें
स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
DTDC
Delivering Value

जलालाबाद फोर्स ट्रैक्टर्स एण्ड ई-रिक्शा
मो0- 9651453238
फर्रूखाबाद रोड याकूबपुर जलालाबाद, शाहजहाँपुर

Daksh Institute™
An ISO 9001:2015 Certified Organisation
रा.इ.सू.प्रौ.सं NIELIT
Daksh Institute
Certified with NIELIT: 'O' Level and CCC

Courses Offered
Web Administrator
Web Developer & Designer
PGDCA
Tally Prime with GST Accounting
Typing (Hindi/English)
C/C++ Language
IGD Bombay Art
Contact Us
05843-255015, +91-9208168944
dakshinstitute11@gmail.com, dcc.jbd@gmail.com
www.dakshinstitute.org
Moh. Pratap Nagar, Khandhar road, Near Mandi Gate, Jalalabad, Shahjahanpur, Uttar Pradesh - 242221
दक्ष इंस्टीट्यूट, मण्डी समिति के सामने खण्डहर रोड जलालाबाद, शाहजहाँपुर

न्यूज ब्रीफ

कमरे में फंदे से लटका मिला युवक का शव

तिलहर, अमृत विचार : कस्बे के मोहल्ला पक्का कटरा में मंगलवार देर रात युवक का शव फंदे से लटकता मिला। युवक की मौत से परिजनों का रो रोकर बुराहाल है। कस्बा के मोहल्ला पक्का कटरा निवासी गंगाराम के 35 वर्षीय पुत्र विनीत का शव रात में घर के कमरे में मिला। परिजन उसे सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। चर्चा है कि विनीत किसी बात से आहत होकर घर के एक कमरे में कुंडे से साड़ी की चुन्नी के सहारे फांसी पर झूल गया था। अपराध क्राइम इंस्पेक्टर दिनेश कुमार ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवक ने फंदे पर लटक कर दी जान

कांट, अमृत विचार : कांट थाना क्षेत्र के गांव प्रहलादपुर निवासी 37 वर्षीय राम स्वरुप ने मंगलवार की रात मकान के बरामदे में कुंडे से साड़ी का फंदा गले में डालकर जान दे दी। परिवार वालों ने उसका शव सुबह लटका हुआ देखा। परिवार वालों ने बताया कि मृतक राम स्वरुप पंजाब में काम करता था। पांच दिन पहले बड़ी बेटी के साथ घर पर आया था। मंगलवार को वह बेटी को ससुराल जैतापुर पहुंचाकर घर पर आया था।

यात्री को ट्रेन में पड़ा हार्ट अटैक, मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस के एसी कोच में सफर कर रहे एक यात्री की मौत हृदयगति रुक गई। रेलवे डॉक्टरों ने यात्री को राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी वजह से ट्रेन स्टेशन पर करीब 25 मिनट खड़ी रही। वाराणसी निवासी संजय सिन्हा (57) की बेटी की शादी बरेली में थी। वह बरेली में बेटी की शादी के लिए आए थे। शादी के बाद वह परिवार सहित मंगलवार को बरेली से वाराणसी काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस के कोच एम-1 के बर्थ नंबर 59 पर थे। बरेली से ट्रेन चलने के कुछ ही देर बाद उनके सीने में दर्द होने लगा। कुछ देर बाद वह बेहोश हो गए। परिजनों ने इसकी जानकारी टीटीई को दी। शाहजहांपुर पहुंचने पर रेलवे के अस्पताल के डॉक्टर पहुंचे। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल भेज दिया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि परिवार वाले उसका शव लेकर चले गए है। उनको हार्ट अटैक पड़ा था।

ऑनर किलिंग : शेरू ने की थी बहन मैना की हत्या

मंगलवार सुबह खेत में पड़ा मिला था का शव, शेर सिंह ने कबूल किया गुनाह, पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

संवाददाता, सेहरामऊ दक्षिणी/ शाहजहांपुर

अमृत विचार: पुलिस ने मैना देवी हत्या कांड का खुलासा कर दिया है। उसका हत्यारा कोई नहीं सगा भाई निकला है। बहन की जिद से नाराज होकर शेरू ने मौत के घाट उतार दिया। पूछताछ में आरोपी भाई ने बताया कि उसकी बहन किसी युवक से फोन पर बात करती थी। वह चाहती थी कि अपनी पसंद के लड़के से शादी करे। समझाने पर भी नहीं मानी तो सम्मान की खातिर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपी भाई को जेल भेज दिया।

मैना (फाइल फोटो)

सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के गांव इटौरिया में मंगलवार सुबह खेत में मैना का शव मिला था। मैना के हत्यारोपी भाई शेरू उर्फ शेर सिंह को पुलिस ने मंगलवार रात करीब 8 बजे गांव के बाहर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी शेरू के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बांका, एक दुपट्टा हरे रंग, पांच खून से सने सिक्के, अभियुक्त के खून से सने कपड़े बरामद किए

पुलिस हिरासत में हत्यारोपी शेरू। ● अमृत विचार

मृतका के पिता मदनपाल की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी शेरू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार कर ली है।
-राजेश द्विवेदी, एसपी

- कहा कि बहन अपनी मर्जी से करना चाह रही थी शादी, समझाने पर भी नहीं मानी
- किसी से करती थी फोन पर बात, बांका, खून से सने कपड़े पुलिस ने किए बरामद

है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके पिता ने उसकी शादी कई जगह तय करने का प्रयास किया, लेकिन उसकी बहन बार-बार मना कर देती थी। मैना मोबाइल से किसी से बराबर बात करती थी।

कई बार पूछने के बाद भी उसने नहीं बताया कि वह किससे बात करती है। मैना की इन हरकतों से उसके पिता मदनपाल और मां भी परेशान रहते थे। उसने अपनी बहन को कई बार समझाया कि शादी कर ले, लेकिन नहीं मानी। कहने लगी कि अपनी मर्जी से शादी करेगी।

तीन डॉक्टरों के पैनल ने किया पोस्टमार्टम

सेहरामऊ दक्षिणी पुलिस ने मृतका मैना देवी का पोस्टमार्टम पैनल से कराया। दो पुरुष डाक्टर और एक महिला डाक्टर ने पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्ट रिपोर्ट में उसके गले बांका के करीब छह प्रहार थे, लेकिन उसकी गर्दन अलग नहीं थी। उसके शरीर में अन्य जगह भी चोट के निशान थे। फिलहाल पुलिस ने शेरू को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। लेकिन मैना की हत्या के बाद क्षेत्र में इस कांड की चर्चाएं होने लगी हैं। लोगों का कहना है कि सम्मान के लिए किसी भाई को इस हद तक नहीं जाना चाहिए कि हत्या ही कर दे।

योजना बनाकर की हत्या

शेरू ने बताया कि कई बार समझाने के बाद भी मैना शादी करने को तैयार नहीं हुई। तब उसे लगा कि कहीं मैना अपनी मर्जी से भाग कर शादी न कर ले। यदि ऐसा हुआ तो समाज में उसका सम्मान नहीं रह जाएगा। इसके बाद उसने योजना बनाई। योजना के मुताबिक वह घर से बांका एक जोड़ी कपड़े और बहन का मोबाइल खेत पर ले गया। खेत पर पहुंचने के कुछ देर बाद मोबाइल देने के बहाने उसने मैना को बुला लिया। जब मैना वहां पहुंची तो वह उसे समझाने लगा। लेकिन मैना ने उसकी बातों पर ध्यान नहीं दिया बल्कि अपनी बात पर अड़ी रही। इस पर उसे गुस्सा आ गया और उसने मैना की गर्दन पर बांका से कई बार किए। कुछ देर में मैना ने दम तोड़ दिया। हत्या के बाद वह वहां से चला गया।

बेटी की चीखें सुनता रहा मदनपाल

बेटे के खिलाफ पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके छोटे बेटे शेरू ने बेटी की हत्या की है। शेरू ने मैना को खेत पर बुलाकर बांका से काट दिया। जिस वक्त वह मैना की हत्या कर रहा था। उस वक्त उसकी बेटी चिल्ला रही थी। कुछ देर चीखने के बाद वह शांत होकर गिर गई। इसके बाद शेरू वहां से भाग गया। बताया कि शेरू ने उन्हें भी गाली दी थी। मदनपाल की तहरीर पर पुलिस ने शेरू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली और उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। हालांकि मदनपाल नहीं चाहता था कि हत्या का राज खुले। पुलिस को पूछताछ में मंगलवार को उसने बताया था कि उसे नहीं पता कि बेटी की हत्या कैसे हुई। पूछताछ में उसने यह भी कहा था कि हो सकता है कि बेटी ने आत्महत्या की हो। हालांकि पुलिस को शव मिलने के बाद से ही उसके परिजनों पर शक हो गया था।

पति समेत चार के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज

रोजा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव सरही निवासी वरुणा मिश्रा ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसकी शादी कई साल पहले धर्मेंद्र कुमार निवासी नगवा थाना बेनीगंज जिला हरदोई के साथ हुई थी। उसको पता चला कि उसके पति का पूर्व में विवाह गुड्डी मिश्रा से हो चुका है। शादी के कुछ साल बाद पति और उसके परिवार वाले दहेज के लिए उसको प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि उसके पति ने उसका सारा जेवर बेचकर शराब पी ली और पहली पत्नी पर खर्च कर दिया। कई माह पूर्व उसके पति और अन्य लोगों ने उसे मारा पीटा और छोटी पुत्री काव्या के साथ घर से निकाल दिया। वह मायके में रह रही है। ससुराल वालों ने कहा कि मायके से एक लाख रुपये लेकर आना। पीड़िता ने बताया कि थाना पर तहरीर दी और पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया पति धर्मेंद्र कुमार समेत चार के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

विहिप ने कलेक्ट्रेट परिसर में किया धरना प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद के महानगर अध्यक्ष अभिनव ओमर के नेतृत्व तमाम पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने मस्जिद पर लगे लाउडस्पीकर की आवाज को कम कराने कराने की मांग की है। अवैध रूप से सरकारी जमीनों पर धार्मिक स्थल बनाए जा रहे हैं, उनको रोका जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि मांग पूरी नही हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञापन सौंपते विहिप कार्यकर्ता।

पदाधिकारियों ने ज्ञापन देकर कहा कि मस्जिदों के लाउडस्पीकर की आवाज प्रशासन द्वारा कम कराई गई थी, जो कुछ समय तक कम रही, परंतु गत कुछ दिनों से पुनः मस्जिदों के लाउडस्पीकर की आवाज तीव्र गति से संचालित की जा रही है। एक समुदाय द्वारा अवैध रूप से धार्मिक स्थलों का निर्माण विस्तारीकरण किया जा रहा है। चाइनीज मांझा की बिक्री पर रोक संबधित तमाम मांगे की। इस मौके पर ज्ञापन देने वालों में महानगर अध्यक्ष अभिनव ओमर, विभाग मंत्री अशनील सिंह, प्रांत सह संयोजक प्रियम चौहान, जिला मंत्री धर्मेंद्र सिंह, राहुल कनौजिया, प्रान्त मिलन प्रमुख हरीश, प्रदीप प्रजापति, विभाग सह संयोजक अंकित मिश्रा, श्रीओम गुप्ता, संयोजक हर्षित गुप्ता, दुर्गा वाहिनी सह संयोजिका प्रीति शुक्ला, सरिता प्रचार प्रमुख अनुभव गुप्ता, मिनाक्षी पाठक, भीम प्रकाश गौतम, विकास प्रजापति आदि रहे।

बीएलओ को डीएम ने किया सम्मानित

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में अच्छा कार्य करने वाले बीएलओ को कलेक्ट्रेट स्थित बिस्मिल सभागार में मोबाइल फोन एवं नगद धनराशि देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने लाटरी के माध्यम से 25 नवंबर तक शत-प्रतिशत डिटाइजेशन कार्य करने वाले तीन बीएलओ 20-20 हजार, 75 प्रतिशत कार्य करने वाले छह बीएलओ को 10-10 हजार रुपए के मोबाइल फोन देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही 50 प्रतिशत से ऊपर कार्य करने वाले 10 बीएलओ को पांच-पांच हजार रुपये दिए गए।

25 नवंबर तक 100 प्रतिशत कार्य 141 बीएलओ ने किया है।

बीएलओ को सम्मानित करते डीएम।

जिसमें से लॉटरी के माध्यम से कुल 03 बीएलओ ददरौल विधानसभा के महेंद्र, जलालाबाद से दुर्गेश चंद्र पांडे एवं अरुण कुमार सिंह को 20-20 रुपए के मोबाइल फोन दिए। 75 प्रतिशत कार्य करने कार्य करने वाले 221 बीएलओ में से लॉटरी के माध्यम से कटरा की बबीता देवी, राजरानी, तिलहर से कमलेश कुमारी, रेखा रानी, पुवायां से अनुराधा, ददरौल से नेतरामसहित 06 बीएलओ को 10-10 हजार रुपए के मोबाइल फोन दिए गए। 50 प्रतिशत कार्य करने वाले 622 बीएलओ में से लॉटरी के माध्यम से तिलहर से धनदेवी, कटरा से अरविंद कुमार, अमर सिंह, सुरदीप, पुवायां से पूजा देवी, वरुण कुमार, जलालाबाद से मिथिलेश कुमारी, मुनेंद्र, ददरौल से रमाकांत एवं सरोज कुमारी करे 5-5 हजार का धनराशि देकर पुरस्कृत किया गया। डीएम ने कहा कि 30 नवंबर शत-प्रतिशत डिटाइजेशन कार्य करने बीएलओ को इसी तरीके से सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बरात में पहुंच गई प्रेमिका तो दुल्हन ने किया शादी से इंकार

संवाददाता शाहजहांपुर/निगोही

- स्टेज पर फोटो लेकर पहुंच गई युवती, वर पक्ष ने सामान लौटाया

अमृत विचार: निगोही क्षेत्र में एक बरात घर में शादी समारोह में दूल्हे की प्रेमिका पहुंच गयी। प्रेमिका ने बारात में हंगामा शुरु कर दिया। इसके बाद दुल्हन ने शादी करने से मना कर दिया।

निगोही क्षेत्र में एक बारात घर में सोमवार की रात नौ बजे बारात धूमधाम से पहुंची थी। कन्या पक्ष ने दरवाजे पर बारातियों का स्वागत किया। जयमाला की तैयारी होने लगी। दूल्हे को स्टेज पर ले जाया गया। इस दौरान दूल्हे के मोबाइल पर करीब पांच बार फोन आए। दूल्हे ने देखा कि किसकी काल है और काल देखकर बार-बार काट देता था। यह फोन दल्हे की प्रेमिका का आ रहा था। जयमाला से पहले दूल्हे के गांव की एक युवती स्टेज पर आ गयी। उसका कहना था कि दूल्हा उसका प्रेमी है और उसने शादी करने की बात कही थी। युवती ने अपने साथ की तस्वीरें दिखायीं। यह देखकर दूल्हा खामोश खड़ा रहा। दुल्हन को जानकारी हुई तो वह मंच पर आयी और शादी करने से मना कर दिया। तिलक में जो दहेज चढ़ा था, वर पक्ष वालों ने वापस कर दिया। दूल्हा बिना शादी किए वापस लौट गया।

खुटार सीएचसी पर मिलीं अव्यवस्थाएं

संवाददाता खुटार /शाहजहांपुर

अमृत विचार : जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विवेक मिश्र अचानक खुटार सीएचसी पहुंच गए। उन्होंने सभी डॉक्टरों से मरीजो के बारे में जानकारी ली। उसके बाद उन्होंने सीएचसी का निरीक्षण किया। सीएचसी में गंदगी देख सीएचसी प्रभारी डॉ. संजीव कुमार को कड़ी फटकार लगाई और साफ सफाई के कड़े निर्देश दिए।

खुटार सीएचसी का किया औचक निरीक्षण करते सीएमओ व डिप्टी सीएमओ।

- सीएमओ ने किया निरीक्षण प्रभारी को लगाई फटकार

निरीक्षण करते समय उन्होंने प्रसव कक्ष ओपीडी, मरीज कक्ष, लैब कक्ष, इमरजेंसी कक्ष, पंजीकरण कक्ष, ऑफिस कार्यालय का रखरखाव, बीसीपीएम कक्ष, आयुष्मान कक्ष का बारीकी से निरीक्षण किया। जहां पर कक्ष में साफ सफाई न मिलने पर व मरीज को कक्ष में बैठने की सही सुविधा न मिलने पर अधीनस्थों को फटकार लगाई। उसके बाद उन्होंने सीएचसी में समस्त रजिस्टरों को चेक किया व ड्यूटी रजिस्टर चेक करते समय दो वार्ड बॉय अनुपस्थित मिले। जिसमें आकाश कुमार व रवि कुमार सीएमओ ने जब दोनों वार्ड बॉय के अनुपस्थित होने की जानकारी ली। जिस पर सीएचसी प्रभारी डॉक्टर संजीव कुमार ने सीएमओ को बताया कि दोनों वार्ड बॉय रात में ड्यूटी पर थे इसलिए वह नहीं आए हैं। जबकि डॉ विनोद कुमार एक माह की छुट्टी पर चल रहे हैं। उसके बाद सीएमओ डॉक्टर विवेक मिश्र सिलुहा गांव पहुंचे। वहां पर उन्होंने टीकाकरण कक्ष का निरीक्षण किया वहां भी गंदगी मिलने पर अधीनस्थों को कड़ी फटकार लगाते हुए कार्रवाई की चेतावनी दी। उधर सीएमओ के निरीक्षण के उपरांत डिप्टी सीएमओ डॉक्टर बीपी श्रीवास्तव ने भी सीएचसी का निरीक्षण किया। उन्होंने भी सीएचसी में साफ सफाई के निर्देश दिए।

प्रेमिका के परिजनों ने प्रेमी को धुना

शाहजहांपुर, अमृत विचार : चौक कोतवाली क्षेत्र में भविष्य के सपने बुन रहे प्रेमी-प्रेमिका पर हिंदूवादी संगठनों की नजर पड़ गई। दोनों को पकड़ लिया और उनके मोबाइल चेक किए। युवक के मोबाइल में युवती के कुछ आपत्तिजनक वीडियो मिल गए। इसके बाद संगठन के पदाधिकारियों ने युवती के परिजनों को सूचित कर दिया। मौके पर पहुंची युवती की मां ने प्रेमी के चेहरे पर थप्पड़ों और चप्पलों की बरसात कर दी। घटना स्थल पर मौजूद कुछ तमाशबीनों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

चौक कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार की शाम प्रेमी-प्रेमिका एक स्थान पर बैठे बात चीत कर रहे थे। इतने में हिन्दूवादी संगठनों के लोग पहुंच गए और दोनों से पूछताछ करने लगे। संगठन के लोगों ने दोनों का मोबाइल चेक किया। आरोप है कि युवक के मोबाइल में युवती के कुछ वीडियो भी मिले हैं। लोगों ने युवक की पिटाई की। युवती के परिवार वालों को फोन करके मौके पर बुलाया। युवती के माता-पिता मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ने युवक की चप्पलों से पिटाई की।

प्रेमी जोड़े के पीछे पड़े परिजन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रोजा क्षेत्र के मोहल्ला आदर्शनगर कालोनी का युवक दिल्ली में अपने मामा के यहां रहकर नौकरी करता था। उसका दिल्ली में रह रही एटा की युवती से प्रेम-प्रसंग हो गया। युवक ने अपने परिवार वालों से कहा कि वह दिल्ली में एक युवती से प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है। परिवार वालों ने शादी करने से मना कर दिया। गत दिनों युवती को लेकर यहां आ गया। अजीजगंज में एक कमरा किराए पर ले लिया। उसने युवती से मंदिर में शादी कर ली। मंगलवार की दोपहर युवक के परिजन कमरे के बाहर गए और हंगामा शुरु कर दिया। परिजन बेटे को युवती के साथ रहने का विरोध कर रहे थे। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार मौके पर पहुंचे और दोनों लोगों को थाना पर ले आयी।

डीएम ने रेसियो सुधारने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर,

अमृत विचार: जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैंकर्स समिति की तिमाही की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित बिस्मिल सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिले का क्रेडिट डिपॉजिट सही होने पर जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया। उन्होंने निर्देश दिए कि यह अनुपात भारतीय रिजर्व बैंक के मानकों के अनुरूप और बेहतर किया जाए। विशेष रूप से बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक एवं इंडियन बैंक सहित अन्य बैंकों को अपना सी डी रेसियो सुधारने के लिए निर्देश दिए।

बैंकर्स समिति की तिमाही की बैठक में निर्देश देते डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह।

डीएम ने निर्देश दिए कि सभी पात्र नागरिकों का जनधन बैंक खाता खोलना, उन्हें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना से जोड़ना, साथ ही सभी खातों में के वाई सी एवं नामांकन पूर्ण कराना आवश्यक है। ताकि प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सुरक्षा का कवच प्रदान किया जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सीएम युवा तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में नवम्बर से पीछे चल रहे बैंक अपने लक्ष्यों की प्राप्ति जल्द से जल्द सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त एग्रीकल्चर इनप्रास्ट्रक्चर फंड में लंबित आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण करने हेतु भी बैंकों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अपराजिता सिंह, भारतीय रिज़र्व बैंक के एल डी ओ संदीप मिश्रा आदि रहे।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

शाहजहांपुर

संविधान दिवस पर दिलाई एकता, अखंडता की शपथ

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस लाइन, सीओ कार्यालय समेत स्कूल-कॉलेजों में मनाया गया संविधान दिवस

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : संविधान दिवस के मौके पर शहर में कई स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। एसपी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में एसपी राजेश द्विवेदी ने पुलिस कर्मियों व अन्य लोगों को एकता व अखंडता की शपथ दिलाई। इससे पूर्व उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

एसपी राजेश द्विवेदी ने कहा कि भारतीय संविधान हमारा सर्वोच्च मार्गदर्शक है। पुलिस का प्रत्येक कार्य तथा प्रत्येक कदम संविधान की भावना के अनुरुप होना चाहिए। न्याय, समानता, स्वतंत्रता, बंधुता- यही हमारी कार्यशैली की आधारशिला है। संविधान की प्रस्तावना, मौलिक कर्तव्यों, संविधान के निहित आदर्शो तथा मूल्य एवं उद्देशिका के बारे में अवगत कराया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं संवैधानिक मर्यादाओं की रक्षा हेतु शपथ दिलाई। इस अवसार सीओ सिटी, नवागत सीओ, एसपी कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे। इधर पुलिस लाइन में एएसपी ग्रामीण भंवरे दीक्षा, अधिकारियों और कर्मचारियों ने डा भीमराव अंबेडर के चित्र पर माल्यार्पण किया। एएसपी ग्रामीण ने कर्मचारियों को एकता एवं अखण्डता की शपथ दिलायी। इस अवसर सीओ लाइन, प्रतिक्षार निरीक्षक आदि स्टाफ मौजूद रहा। सीओ तिलहर, सीओ जलालाबाद, सीओ पुवायां और थानों में संविधान दिवस मनाया गया।

संविधान दिवस पर एकता और अखंडता की शपथ दिलाते एसपी राजेश द्विवेदी।

हम शपथ लेते हैं कि संविधान का पालन हमेशा करेंगे

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सरदार पटेल हिंदू इंटर कॉलेज में 77 वें संविधान दिवस पर सभी शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा संविधान की उद्देशिका की शपथ ग्रहण की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य संजय कुमार कपूर ने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान है। हमें अपने मौलिक अधिकारों के प्रयोग के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए। गणित प्रवक्ता अतुल कुमार श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर इतिहास प्रवक्ता राम सिंह ने सभी शिक्षकों व छात्रों को संविधान की उद्देशिका की शपथ ग्रहण कराई। कार्यक्रम में सभी शिक्षक व छात्र मौजूद रहे।

गोष्ठी में संविधान के प्रति किया जागरूक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : स्वामी शुकदेवानंद लॉ कॉलेज में राष्ट्रीय संविधान दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय संविधान और सामाजिक न्याय की अवधारणा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं परिचय के साथ हुआ। मुख्य अतिथि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ओम प्रकाश मिश्र ने कार्यक्रम में उपस्थित विधि एवं राजनीति विज्ञान के छात्रों को संविधान की प्रस्तावना का शपथ ग्रहण कराया और प्रत्येक नागरिक के लिए संवैधानिक मूल्यों के पालन की जिम्मेदारी पर बल दिया। डॉ. आदित्य सिंह ने भारत में सामाजिक न्याय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए इसकी अवधारणा की उत्पत्ति को प्राचीन सामाजिक संरचनाओं से लेकर आधुनिक सामाजिक सुधार आंदोलनों तक विस्तृत रूप से समझाया। डॉ. जय शंकर ओझा ने सामाजिक न्याय के क्रियान्वयन तथा मौलिक अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णयों का प्रस्तुतीकरण किया। लीगल एंड क्लीनिक के संयोजक डॉ. अनिल कुमार शाह ने विचार व्यक्त किए। संविधान दिवस के उपलक्ष्य में नि:शुल्क विधिक सहायता केन्द्र की तरफ से संविधान ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया था। जिसमें प्रथम स्थान पर यशस्वी राजानी, द्वितीय स्थान पर विशाल राठौर, तृतीय स्थान पर कुणाल अग्रवाल रहे। इनको मुख्य अतिथि ने संविधान की पुस्तक और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। संचालन डॉ. दीप्ति गंगवार ने किया। कार्यकम में डॉ. प्रेम सागर, डॉ. अमित यादव, डॉ. अमरेन्द्र सिंह, सचिन कुमार, अजीत कुमार, विजय सिंह, मृदुल शुक्ल, श्री अरविंद कुमार, डॉ. ज्योत्स्ना गुप्ता, प्रदीप सिंह, प्रियंक वर्मा, चंद्रशेखर मिश्रा, सुश्री रूपल मिश्रा आदि का सहयोग रहा।

सपा के जिला कार्यालय पर मनाया गया संविधान दिवस

शाहजहांपुर, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर संविधान दिवस संविधान मान स्तंभ रखकर यहां बिजलीपुरा स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर मनाया गया। इस मौके पर आयोजित गोष्ठी में जिलाध्यक्ष तनवीर खां ने कहा कि आजाद भारत देश के इतिहास का 26 नवंबर सबसे महत्वपूर्ण और खुशी का दिन है। 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ था। जिसको 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था। इसका श्रेय बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर को जाता है। पूर्व मंत्री अवधेश कुमार वर्मा ने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर सपा प्रदेश सचिव विजय सिंह, रामसूरत यादव, सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश प्रमुख महासचिव सैयद रिजवान अहमद, सपा महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव गायत्री वर्मा, अतिउल्ला सिद्दीकी, चौधरी रामकुमार भोजवाल, सपा युवज़न सभा के राष्ट्रीय सचिव पार्थ यादव, पूर्व सभासद दुर्गेश कुमार गुप्ता, जाफरीन, डॉ जफर, हफ़ीज़ अंसारी आदि मौजूद रहे।

तिलहर कोतवाली परिसर में संविधान की शपथ दिलातीं सीओ ज्योति यादव। ● अमृत विचार

संविधान दिवस पर डॉ. भीमराव आंबेडकर को किया नमन

तिलहर, अमृत विचार : तिलहर कोतवाली परिसर में बुधवार को संविधान दिवस धूमधाम से मनाया गया। सीओ ज्योति यादव ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरुआत की। सीओ ने कहा कि बाबा साहब द्वारा रचित भारतीय संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान है, जो हर नागरिक को समान अधिकार और कर्तव्य प्रदान करता है। इस दौरान उन्होंने संविधान का पालन कराने की शपथ पुलिस कर्मियों को दिलाई। कार्यक्रम में क्राइम इंस्पेक्टर दिनेश कुमार, दरोगा मारूफ, सौरभ शर्मा, गौरव कुमार, प्रमोद कुमार, कांस्टेबल अनिल कुमार, महिला कांस्टेबल काजल रहे।

छात्रा को किया अगवा, रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बेटी के अगवा कर ने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित ने बताया कि उनकी बेटी अपनी से कोचिंग जाने की बात कहकर घर से निकली थी। शाम चार बजे तक वापस आने की बात कही थी। शाम सात बजे तक बेटी वापस नहीं आई तो उन लोगों ने तलाश किया। पीड़ित पिता का आरोप है कि बेटी को जलालाबाद निवासी तरून और मिर्जापुर निवासी गोलू ले गए हैं।

सरदार पटेल कॉलेज में पुरातन छात्र सम्मेलन संपन्न

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सरदार पटेल हिंदू इंटर कॉलेज में बुधवार को छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रधानाचार्य संजय कुमार कपूर की। इस अवसर पर सभी पुरातन छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए।1963 में इंटर पास आउट ओएनजीसी में सीएमडी पद पर रहे बृजेश चंद्र शुक्ला ने कहा कि सरदार पटेल हिंदू इंटर कॉलेज बरेली मंडल का गुणवत्ता युक्त शिक्षा के लिए प्रसिद्ध रहा है। समारोह में पूर्व छात्र रूपक श्रीवास्तव धीरज कुमार प्रजापति, प्रिंस गुप्ता, डॉ विकास पांडे, नागेंद्र सिंह, चंदन गुप्ता, श्याम बल्लभ गुप्ता, नीतीश कुमार, मधु रतन श्रीवास्तव, शिक्षक संजय अग्निहोत्री, रामकुमार मौर्य, सुशील कुमार, बुधपाल सिंह, विशाल चंद्र, अक्षय सक्सेना, शहजाद खान, रवि कुमार, सुशील कुमार आदि ने विचार व्यक्त किये। संचालन इतिहास प्रवक्ता राम सिंह ने किया।

विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के मॉडलों में दिखी प्रतिभा

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों के मॉडल्स देखते मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

संवाददाता, तिलहर

● अच्छे मॉडल प्रस्तुत करने वाले छात्रों को किया सम्मानित

अमृत विचार : एलबीजेपी इंटर कॉलेज में बुधवार को विद्यालय स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य बृज पाल, मुख्य अतिथि शिव मुरारी सहाय (अध्यक्ष प्रबंध समिति), गौरव सहाय (प्रबंधक), सत्य पाल गंगवार उपाध्यक्ष प्रबंध समिति एवं शैक्षिक निदेशक डॉ. दिवाकर शर्मा ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि शिव मुरारी सहाय ने कहा कि आज का दौर विज्ञान और तकनीक का है। विज्ञान प्रदर्शनी से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। विशिष्ट अतिथि गौरव सहाय, प्रेम शंकर सक्सेना, भौतिकी प्रवक्ता डॉ. अनिल कुमार ने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर प्रधानाचार्य बृज पाल ने कहा कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक मनोवृत्ति विकसित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष यह आयोजन किया जाता है। विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने तकनीक, स्वचालित प्रणालियाँ, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, सड़क सुरक्षा, आधुनिक सिंचाई पद्धति, इको-फ्रेंडली कार, डीएनए आधारित मॉडल सहित कई विषयों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निर्णायकों व अतिथियों ने छात्रों की मेहनत और प्रतिभा की सराहना की। निर्णायक मंडल में प्रेम शंकर सक्सेना, सुरेंद्र पाल एवं आर.वी. एम इंटर कॉलेज के प्रवक्ता सुरेश कुमार शामिल रहे। विजेता छात्रों को प्रमाणपत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन भारत भूषण ने किया। जबकि संचालन आशीष कुशवाहा एवं डॉ. अनिल कुमार ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में रविन्द्र यादव, अशोक कुमार, डॉ. ललित कुमार, धीरेन्द्र कुमार, दिनेश कुमार आदि मौजूद रहे।

शहीद उद्यान में बच्चों ने किया आजादी के नायकों को नमन

शहीद उद्यान में भ्रमण के लिए पहुंचे आल सेंट्स स्कूल के बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : ऑल सेंट्स स्कूल, शाहजहांपुर के बच्चों ने आज शहीद उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण किया। बच्चों ने स्मारकों के बारे में जानकारी ली।

खेल-कूद में मस्ती की और देश के वीर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। प्रधानाचार्या साक्षी रस्तोगी ने कहा कि शहीद उद्यान का यह दौरा बच्चों में देशभक्ति, कृतज्ञता और इतिहास की समझ विकसित करने के उद्देश्य से कराया गया है। हमारे विद्यार्थी राष्ट्र-निर्माण के भाव को समझें, यही हमारा प्रयास है। डायरेक्टर सचिन बाथम ने कहा कि हमारे बच्चों को देश के सच्चे नायकों के बारे में जानना बहुत आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों के प्रयासों की भी सराहना की। भ्रमण के बाद बच्चों को स्वादिष्ट व्यंजन भी दिए गए। छात्रों ने शहीदों अमर रहें के नारे लगाते हुए स्मारकों पर पुष्प अर्पित किए और दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। शुभा, श्रेस्थि, प्रिया, सोनाली, समन, अंजलि, प्रियंका, नेहा, मेघा, इरम, अज़ीम आदि मौजूद रहे। रूबी, शरद और अश्विनी का विशेष योगदान रहा।

महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर किया जागरूक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सीएमओ कार्यालय परिसर में बुधवार को इंडिया रेडक्रास सोसाइटी कार्यालय पर महिला सशक्तिकरण मिशन के क्रम में विश्व महिला हिंसा उन्मूलन दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय वर्मा ने की।

इस मौके पर रेडक्रॉस के सचिव डॉ. विजय जौहरी ने बताया कि जन जागरूकता बढ़ाने के लिए 25 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के रूप में घोषित किया गया है। रेड क्रॉस का मानना है कि महिला हिंसा एक गंभीर मानवीय समस्या है। जिसका समाधान करने के लिए यौन और लिंग-आधारित हिंसा को रोकने और उसका जवाब देने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। सेंट्रल बार ऐसोसिएशन शाहजहांपुर के अध्यक्ष अजय वर्मा ने विचार रखे। बैठक में शीशराम यादव , पवन सक्सेना, अम्ब्रीश सक्सेना, विपिन सक्सेना, सूरज तिवारी, शोएब अंसारी रहे।

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल
डा. प्रदीप कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डा. ओमवती — एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. अहमद अली अंसारी — एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास — एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डा. कुन्दन कुमार — एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन
डा. अमन अग्रवाल — एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी — एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डा. निशान्त गुप्ता — एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. प्रिया सिंह — एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. रहबर इदरीश — बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ
डा. राजा गुप्ता — बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.
उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा 24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध 24/7 EMERGENCY SERVICES
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

ब्रीफ न्यूज

यात्रियों के लिए मुसीबत बना खंभा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर एक पर स्वास्थ्य निरीक्षक कार्यालय के सामने बिजली का खंभा लगा है। इस खंभे का कोई औचित्य नहीं है। प्लेटफार्म के बीच में लगा खंभा लोगों को आवाजाही में दिक्कत पैदा करता है। यात्रियों ने बताया कि खंभे पर बिजली के तार नहीं है तो इस खंभे को हटा देना चाहिए। रात के समय बिजली चली जाने पर यात्री घायल हो सकता है। लोगों ने खंभा हटवाने की मांग स्टेशन अधीक्षक से की है।

राजकीय बालगृह में संविधान दिवस मनाया

शाहजहांपुर, अमृत विचार : स्वामी शुकदेवानंद लॉ कॉलेज के तत्वाधान में राजकीय बालगृह (बालक) नवादा इन्दपुर में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मंच पर मुकेश सिंह परिहार परामर्शदाता परिवार न्यायालय, एडवोकेट मुनीश सिंह परिहार सदस्य न्यायपीठ बाल कल्याण समिति, डॉ अनिल कुमार शाह संयोजक लीगल एड क्लीनिक, रामविनय यादव अधीक्षक रहे।मुकेश सिंह परिहार ने बालकों को संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठ कराया और अनुच्छेद 24 में वर्णित बालकों के अधिकार को समझाया। कुंवर मुनीश सिंह परिहार व डॉ अनिल कुमार शाह ने कहा कि हमारा संविधान सर्वोच्च विधान है। डॉ राम विनय यादव ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के आयोजन में प्रदीप कुमार, सुतीक्षण कुमार, कुलदीप सिंह, श्रीमती शोभा, संजीव कुमार, विनय कुमार, आशीष कुमार का सहयोग रहा।

श्रम कानून के विरोध में तीसरे दिन भी गरजे दवा व सेल्स प्रतिनिधि

प्रधानमंत्री के नाम कलेक्ट्रेट में अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन, रैली निकालकर किया जोरदार प्रदर्शन, कानून वापस लेने के लिए लगाए नारे

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : श्रम संहिता को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। उत्तर प्रदेश मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन की जिला इकाई ने प्रांतीय आह्वान पर तीसरे दिन रैली निकाली और जोरदार प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अपूर्वा सिंह को सौंपा। सभी ने बताया कि यह कानून उद्योगपतियों के हित में बनाया गया है। इससे मजदूरों को अहित होगा। इसके अलावा राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक के जिला अध्यक्ष पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में नए श्रम कानून को लेकर विरोध जताया गया। इंटक के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। उन्होंने मांग की है कि यदि कानून वापस न लिया गया तो वे लोग उग्र आंदोलन चलाएंगे।

संगठन के सभी साथी प्रातः 10 बजे शहीद उद्यान पर एकत्रित हुए और संगठन के आवाहन पर सभी साथियों ने काला रिबन बांधकर केंद्र सरकार द्वारा 21 नवंबर को लागू श्रम संहिताओं का विरोध किया। सभी कामरेड एकत्रित होकर नारेबाजी करते हुए रैली निकालकर सदर बाजार होते हुए कचहरी कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन दिया। प्रदर्शन के दौरान अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा ने कहा कि आज की मौजूदा दौर में केंद्र सरकार के द्वारा जिस तरीके से इन नई श्रम संहिताओं को लागू किया गया है। श्रमिक अधिकारों को खत्म करने वाला और पूंजीपतियों को खुली छूट देने वाला है। सेल्स प्रमोशन एम्पलाई एक्ट पर प्रभाव से सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों पर सबसे अधिक नकारात्मक असर पड़ेगा। नियुक्ति पत्र का प्रावधान खत्म कर दिया गया है। सचिव चुन्नू लाल तिवारी ने कहा कि वेतन वृद्धि का प्रावधान खत्म कर दिया गया है। छुट्टियों के प्रावधान खत्म किए जाने की संभावना है। अन्य 10 उद्योगों के सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों पर भी असर पड़ेगा। उसी को लेकर आज अपने सेल्स प्रमोशन एम्पलाई एक्ट को बचाने के लिए नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और अपनी मांगों के समर्थन में पुरजोर विरोध प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने वालों में अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा, सचिव चुन्नू लाल तिवारी, कोषाध्यक्ष विकास तिवारी, पूर्व अध्यक्ष प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुरारी दीक्षित, विशाल, सुधांशु मिश्रा, अरविंद सिंह, उपेंद्र वर्मा, सचिन पाठक, आशुतोष अग्निहोत्री, संजीव गुप्ता, मुकेश मिश्रा, अनूप शर्मा, दलजीत, सचिव जितेंद्र सिंह, मोहित तिवारी, मोहम्मद आरिफ, तौहीद आलम, अविरल त्रिवेदी, अतुल शर्मा, राहुल सारस्वत, संदीप यादव, राघवेंद्र सिंह यादव, अजीत सिंह, उपदेश सिंह, सूरज मिश्रा, रजत मिश्रा, अच्युतम वैश्य, राधेश्याम शर्मा, अमन मिश्रा, आशीष गुप्ता, विश्वास मिश्रा, असलम खान, रवि मिश्रा, संकेत जौहरी, पंकज मिश्रा, सत्यम शर्मा, अनुज त्रिपाठी, अभिषेक त्रिपाठी, कृष्णा मिश्रा, विकास सिंह, सौरभ कुमार, इश्तियाक खान आदि दवा प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अंत में सभी का आभार मुरारी दीक्षित ने व्यक्त किया।

नई श्रम संहिता के विरोध में रैली निकालते दवा एवं सेल्स प्रतिनिधि एसोसिएशन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

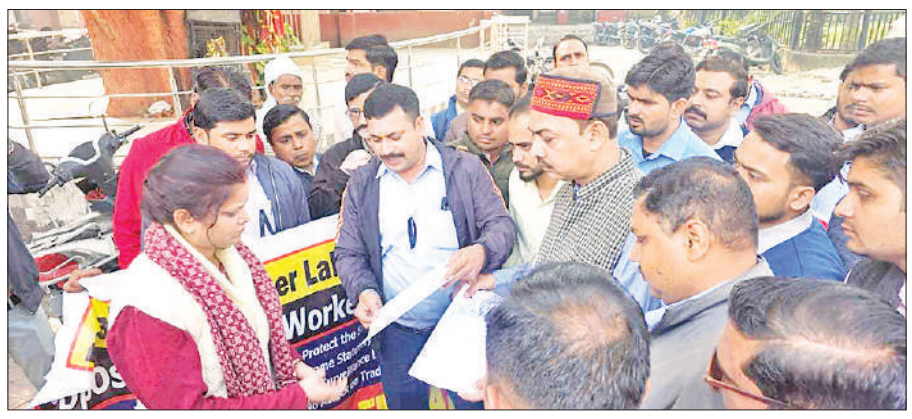

कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देते दवा प्रतिनिधि एसोसिएशन के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● श्रम संहिता के विरोध में तेज प्रदर्शन, इंटक ने भी भरी हुंकार

राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक ने किया प्रदर्शन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : नए श्रम कानून को चौतरफा विरोध शुरू हो चुका है। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक ने इस कानून को मजदूर विरोधी बताते हुए जमकर प्रदर्शन किया। इसके बाद अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक के जिला अध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने कहा कि सरकार पूंजीपतियों के इशारे पर काम कर रही है। जो कानून लागू किया गया है, इससे मजदूरों को अनहित होगा। उन्होंने कहा कि मजदूरों को अहित संगठन बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा किसान और मजदूर विरोधी पार्टी बन गई है। युवा इंटक अध्यक्ष शान मोहम्मद खान ने कहा कि सरकार को ये कानून वापस लेना होगा। यदि कानून वापस न लिया तो संगठन लगातार विरोध करेगा। सभा के बाद सभी पदाधिकारी इंटक जिलाध्यक्ष पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में अतिरिक्त मजिस्ट्रेट से मिले और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया। उन्होंने बताया कि मजदूर विरोधी सरकार के विरुद्ध केन्द्रीय कर्मचारी राज्य कर्मचारी, औद्योगिक श्रमिक, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक संयुक्त रूप से जन आंदोलन चलाएंगे। इसके संबंध में शीघ्र मीटिंग बुलाकर संयुक्त मोर्चा का गठन किया जाएगा। इस मौके पर आयुक्त वस्त्र निर्माण के अध्यक्ष मुकेश कुमार, मंत्री वसीम अहमद, रवि कमल, धर्म किशोर कुशवाहा, संजय सक्सेना, आदि लोग मौजूद रहे।

श्रम कानून के विरोध में ज्ञापन देते इंटक के जिला अध्यक्ष पवन कुमार सिंह व अन्य।

अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर,

अमृत विचार : मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस संतोष वर्मा द्वारा 25 नवंबर को भोपाल में ब्राह्मण समाज के विरुद्ध कथित अमर्यादित टिप्पणी किए जाने के विरोध में आज जन राज्य फ्रंट इंडिया के पदाधिकारियों ने प्रदर्शन किया। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय मीरा पांडे, अंशु के नेतृत्व में शांतिपूर्ण मार्च निकाला गया। इसके बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को दिया।

जन राज्य फ्रंट इंडिया ने ज्ञापन में कहा कि आईएएस संतोष वर्मा का बयान सामाजिक सौहार्द, देश की एकता और अखंडता के खिलाफ है तथा महिलाओं और बेटियों का घोर अपमान है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय मीरा पांडे अंशु ने मांग की कि आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाए। उन्होंने बताया कि जिला संगठन की लीगल टीम द्वारा संतोष वर्मा के खिलाफ सदर बाजार थाने में भी रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है। ज्ञापन सौंपने के बाद कलेक्ट्रेट परिसर में पत्रकारों से वार्ता के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि संगठन बयान की कड़े शब्दों में निंदा करता है और इसे पूरे भारत की नारियों का अपमान बताता है। कार्यक्रम में संगठन के जिला महासचिव निशु शुक्ला, एडवोकेट पूजा शुक्ला, एडवोकेट मेधा गुप्ता, एडवोकेट अनिकेत शुक्ला, एडवोकेट धीरेंद्र कुमार शुक्ला, एडवोकेट शिवम शुक्ला, एडवोकेट सौरभ सिंह, एडवोकेट श्याम दीक्षित, एडवोकेट आशु दीक्षित आदि लोग रहे।

कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते जन राज्य फ्रंट इंडिया के पदाधिकारी।

● आईएएस संतोष वर्मा के तत्काल निलंबन की मांग

एसएसएमवी इलेवन विजयी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज में चल रही मुमुक्षु क्रिकेट लीग में पांचवें दिन भी प्लेग्राउंड रोमांच से भरा रहा। पांचवां मैच साइंस-11 तथा एसएसएम लवी-11 के मध्य खेला गया। साइंस-11 टीम ने 16 ओवर में 6 विकेट पर 155 रन का स्कोर खड़ा किया। एसएसएमवी-11 की टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और 12.3 ओवर में मात्र 3 विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाकर जीत का दर्ज कर ली। खेल के दौरान शिवओम शर्मा कमेंटेटर की भूमिका में रहे। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले एसएसएमवी-11 के अनिल सिंह को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

ब्लैक बैज लगाकर किया प्रदर्शन

एआईडीईएफ के आह्वान पर ओसीएफ में ब्लैक बैज लगाकर विरोध प्रदर्शन करते वर्कर। ● अमृत विचार

संवाददाता शाहजहांपुर

अमृत विचार : एआईडीईएफ के आह्वान पर ओसीएफ के नेशन वाइड के आह्वान पर प्रतिरक्षा कर्मचारी यूनियन ओसीएफ के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नए चार श्रम कानूनों के विरोध में ब्लैक बैज लगाकर प्रदर्शन किया। पीके यूनियन के जनरल सेक्रेटरी मोहम्मद रिज़वान ने कहा कि नए लेबर कोड लागू कर मजदूरों की आवाज को दबाने का प्रयास किया गया है। इससे जॉब सिक्योरिटी खत्म होती है, हड़ताल पर रोक जैसी पाबंदियाँ मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला हैं और कॉर्पोरेट को बढ़ावा मिलने से श्रमिक और कमजोर होंगे। उन्होंने कहा कि यूनियन मजदूरों की ताकत है और उसी को निशाना बनाया जा रहा है। नए प्रावधानों के तहत मजदूरों से 12 घंटे तक ड्यूटी करवाए जाने की संभावना चिंताजनक है, लेकिन मजदूर अपने अधिकारों की लड़ाई जारी रखेंगे। विरोध कार्यक्रम में रिज़वान, राम मोहन अग्निहोत्री, मोहम्मद नसीम, मुकेश भारती, विमल दीप शर्मा, इमरान रज़ा, राजकुमार मौर्य, सलीम अहमद, अज़हर अली, दुर्गेश अवस्थी आदि रहे।

कांग्रेसियों ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

एसडीएम जलालाबाद को ज्ञापन देते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता जलालाबाद

अमृत विचार : बुधवार को ज्ञानपुर मंगोल के प्रधान पर गरीबों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने आशीष सिंह सोमवंशी के नेतृत्व में उप जिला अधिकारी प्रभात राय को ज्ञापन दिया। जिसमें उन्होंने कोयला ज्ञान पुर के ग्राम प्रधान पर गरीबी के पात्र व्यक्तियों की उपेक्षा का आरोप लगाया है।

उन्होंने बताया कि गांव में गरीब अपात्र लोगों को प्रधान ने आवास योजना का कोई लाभ नहीं दिया और उनसे मोटी रकम वसूली गई है। उन्होंने बताया कि ओबीसी दिव्यांग अवधेश पुत्र लाखन, मीता बच्चन पुत्र हाशिम, अरविन्द की विधवा ममता को आवास योजना का कोई लाभ नहीं दिया गया है। उन्होंने पंचायत सेक्रेटरी पर भी गलत जांच रिपोर्ट भेजने का आरोप लगाया। यही नहीं शिकायत पर पंचायत अधिकारी ने जिला सचिव पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया। उन्होंने जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

संविधान दिवस पर हुए कार्यक्रम

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जी एफ कॉलेज में संविधान दिवस पर हुए कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो मोहसिन हसन खान ने कहा कि भारत का संविधान हमें विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव देता है। संविधान दिवस के अवसर पर देशवासी न्याय, स्वतंत्रता,समानता और बन्धुत्व के मूल्यों की रक्षा के अपने संकल्प को और अधिक दृढ़ता से दोहराते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ समन ज़हरा ज़ैदी ने संविधान दिवस की शपथ दिलाई। डॉ रजा रसूल व डॉ निज़ामुद्दीन खान ने कहा कि हमें संविधान का आदर एवं पालन करना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा एनएसएस के छात्र मौजूद रहे।

सिकंदरपुर अफगान में बीमारी से छह भैंसों की मौत

संवाददाता जलालाबाद

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव सिंकदरपुर अफगान में अज्ञात बीमारी से छह दुधारू भैंसों की मौत हो गई है। वहीं 50 से अधिक बीमार हैं। लगातार फैल रही बीमारी से पशुपालक चिंतित हैं। ग्रामीणों ने पशु चिकित्सा विभाग से बीमारी की रोकथाम करने की मांग की है।

ग्रामीण धीरपाल सिंह ने बताया कि भैंसों को जरा खुरा की बीमारी बताई जा रही है। इस बीमारी के लक्षणों में तेज बुखार, भूख में कमी, दूध बंद हो जाना और अचानक स्वास्थ्य गिरना शामिल है। जिससे इलाज के दौरान पशु की मौत हो जाती है। इस बीमारी से अब तक धर्मवीर कुशवाहा, रामसागर शर्मा, उदयवीर, लपोक शर्मा एवं कश्यप समाज में करीब 6 भैंसों की मौत हो चुकी है. जबकि गांव में वीरपाल सिंह, गिरिजा देवी, महाराज सिंह सहित करीब 50 से अधिक लोगों की भैंसें इस बीमारी से पीड़ित हैं। प्राइवेट पशु चिकित्सकों से ग्रामीण हजारों रुपए की दवाई करा चुके हैं। इससे कुछ की हालत सुधरी है। जबकि कुछ की हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि पशुपालकों को आर्थिक नुकसान भी हुआ है क्योंकि एक भैंस की कीमत 80 हजार से 1.25 लाख रुपये बताई जा रही है। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ दिनेश सिंह से बुधवार सुबह जब इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने बताया कि गांव में पशुओं की बीमारी के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। उनके अस्पताल में गांव का कोई भी व्यक्ति दवा लेने नहीं आया। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि जलालाबाद पशु अस्पताल आएं और पशुओं की बीमारी का उचित इलाज किया जाएगा और टीम भी गांव जाकर पशुओं का इलाज करेगी।

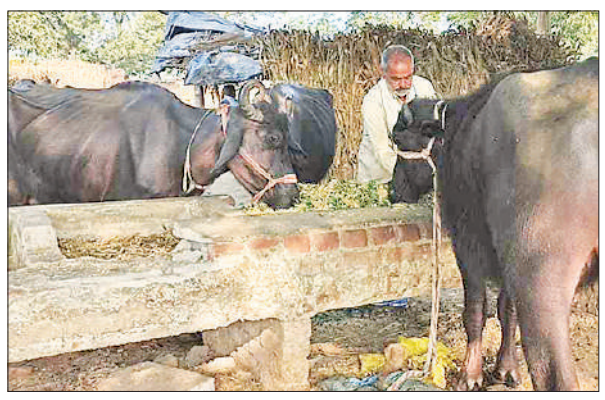

भैंसों को चारा डालता पशु पालक। ● अमृत विचार

● 50 से अधिक भैंसे बीमार पशुपालकों चिंतित
● लगातार बीमार हो रहे पशु सीवीओ से की इलाज की मांग

स्वास्थ्य प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विभाग के पीजी जूनियर रेजिडेंट्स और नॉन-पीजी जूनियर रेजिडेंट्स का योगदान सराहनीय रहा

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज में क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

● प्रतियोगिता एमबीबीएस 2023 व 2024 बैच के छात्रों के बीच हुई
● कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य, व्यवस्था और सहयोग रहा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: बंथरा, शाहजहांपुर स्थित वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड हॉस्पिटल के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा वन नेशन, वन हेल्थ विषय पर इंटर-बैच क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता एमबीबीएस के 2023 एवं 2024 बैच के छात्रों के बीच आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य व्यवस्था में एकता, सहयोग और समानता के महत्व को रेखांकित करना था।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज बंथरा में आयोजित प्रतियोगिता में शामिल प्रतियोगी छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

कार्यक्रम का संचालन सामुदायिक चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसमें व्यावहारिक ज्ञान और समुदाय के प्रति उत्तरदायित्व का भी समावेश होना चाहिए। उन्होंने वन नेशन, वन हेल्थ की अवधारणा को समझाया। सामुदायिक चिकित्सा विभाग के सहायक अध्यापक डॉ. आदित्य प्रकाश सिंह ने बताया कि क्विज प्रतियोगिता जैसी अकादमिक गतिविधियां छात्रों में न केवल प्रतिस्पर्धात्मक दृष्टिकोण विकसित करती हैं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी नीतियों, कार्यक्रमों एवं जनसुविधाओं के प्रति सजग बनाती हैं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विभाग के पीजी जूनियर रेजिडेंट्स और नॉन-पीजी जूनियर रेजिडेंट्स का योगदान सराहनीय रहा। पीजी जूनियर रेजिडेंट डॉ. चरनदीप ने क्विज के प्रश्न पूछे। जबकि डॉ. अनम ने स्कोरकार्ड का संचालन किया। इस क्विज के प्रश्न डॉ. आदित्य प्रकाश सिंह द्वारा तैयार किए गए थे, जिन्होंने प्रश्नों को इस प्रकार डिज़ाइन किया कि वे छात्रों की ज्ञान-गहराई, अवधारणात्मक समझ और विश्लेषणात्मक सोच की परीक्षा ले सकें। पीजी जूनियर रेजिडेंट्स की टीम में डॉ. अरसलान, डॉ. अनम और डॉ. चरनदीप शामिल रहे, जबकि नॉन-पीजी जूनियर रेजिडेंट्स की टीम में डॉ. अफज़ल और डॉ. निर्मल ने सक्रिय भूमिका निभाई। क्विज प्रतियोगिता में कई रोचक चरण शामिल थे। जिनमें रैपिड फायर राउंड, विजुअल डायग्नोसिस, एपिडेमियोलॉजिकल सीनारियो और नेशनल हेल्थ प्रोग्राम्स पर आधारित प्रश्न शामिल रहे। प्रत्येक राउंड ने छात्रों को अपने ज्ञान को परखने के साथ-साथ टीम भावना को भी प्रदर्शित करने का अवसर दिया।

सार्थक कदम साबित होगी प्रतियोगिता

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता ने सभी टीमों और आयोजकों का आभार व्यक्त किया। सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित यह क्विज प्रतियोगिता इसी दिशा में एक सार्थक कदम साबित हुई। इस आयोजन ने छात्रों में ज्ञान, अनुशासन, प्रतिस्पर्धा और सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना को पुन : जागृत किया।इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों, रेजिडेंट्स और छात्रों ने यह संकल्प लिया कि वन नेशन, वन हेल्थ के विचार को अपने व्यावहारिक कार्यों में अपनाते हुए वे देश के प्रत्येक नागरिक के लिए स्वास्थ्य के समान अवसर सृजित करने की दिशा में योगदान देंगे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक अभिनंदन और राष्ट्रहित के संकल्प के साथ हुआ, जिसने "एक भारत, स्वस्थ भारत" के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक और मजबूत कदम साबित किया।

महिला से अभद्र व्यवहार पर जताया विरोध, दिया ज्ञापन

ज्ञापन देते भारतीय किसान मजदूर यूनियन राष्ट्रवादी के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, निगोही

● निगोही थाना क्षेत्र के एक गांव की है घटना, जताया रोष

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के एक ग्राम में एक महिला के साथ अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। महिला के घर पर अकेला देखकर गांव के दो लोग घर में घुसकर महिला को बुरी नीयत से हाथ पकड़कर खींचने लगे।

तभी महिला के शोर मचाने पर दोनों उसे मारने पीटने लगे और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। भारतीय किसान मजदूर यूनियन राष्ट्रवादी ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है। यूनियन ने आरोप लगाया है कि थाना प्रभारी निगोही ने संगठन के पदाधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया। यूनियन ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे धरना प्रदर्शन, अनशन, भूख हड़ताल, पैदल कूच और चक्का जाम करने पर विवश होंगे।

राष्ट्रीय संविधान दिवस पर बाबा साहब को किया नमन

संविधान रक्षा का लिया संकल्प, जिले भर में आयोजित हुए कार्यक्रम, स्कूलों में मनाया गया संविधान दिवस, छात्रों को दिलाई शपथ

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राष्ट्रीय संविधान दिवस बुधवार को उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित कर संविधान रक्षा की शपथ दिलाई गई। शिक्षकों और छात्रों ने संविधान निर्माता बाबा भीमराव आंबेडकर को नमन करते हुए उनके बताए सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया गया।

शहर के आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान परिषद के तत्वावधान में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार जायसवाल ने अपरिवर्तनीय संविधान के मूलभूत ढांचे का उल्लेख करते हुए मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के विषय में भी जानकारी दी। डॉ. जायसवाल ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना के साथ मूल कर्तव्यों की शपथ दिलाई। राजनीति विज्ञान परिषद के संयोजक डॉ. दिलीप कुमार वर्मा ने संविधान की प्रस्तावना में लिखित शब्दों एवं संवैधानिक मूल्यों के विषय में विस्तार से प्रकाश डाला। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार ने संविधान निर्मात्री सभा के गठन एवं कार्य के विषय में जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ सतीश सिंह यादव, डॉ. हुकुम सिंह, डॉ. जुनैद आलम, डॉ. राशेदा खातून, डॉ. पवन कुमार शर्मा, लली राम, महिमा भारती, निहाशा, धर्मेन्द्र शाक्य , पवन कुमार आदि उपस्थित थे।

संविधान के बारे में छात्रों को जानकारी देते शिक्षक। ● अमृत विचार

संविधान की प्रस्तावना का पाठ करते एनसीसी कैडेट्स। ● अमृत विचार

बिसौली के सिद्ध बाबा इंटर कॉलेज में मनाया गया संविधान दिवस

बदायूं, अमृत विचार : बिसौली के सिद्ध बाबा इंटर कॉलेज शरह बरौलिया में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई ने संविधान दिवस मनाया। छात्र-छात्राओं को संविधान की मूल प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। कॉलेज के प्रधानाचार्य राजकुमार शर्मा ने कहा देश का संविधान अपने आप में एक वृहद दस्तावेज है। जो सभी नागरिकों को विभिन्न प्रकार के मौलिक अधिकार देता है। छात्र छात्राओं के बीच हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई जिसमें किरण प्रथम, राधा सिंह द्वितीय व आकाश कुमार तीसरे स्थान पर रहे। शिक्षक नीरज चौहान, विप्लव भारती, रामौतार मौर्य, डॉ प्रमोद शर्मा, प्रवीण मिश्रा, अश्वनी शर्मा, अनमोल उपाध्याय, मयंक पाठक प्रसुनिका शर्मा आदि उपस्थित रहे।

संविधान दिवस की जानकारी देते शिक्षक। ● अमृत विचार

हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान के अंतर्गत हुआ विशेष कार्यक्रम

बदायूं, अमृत विचार : मदर एथीना स्कूल में संविधान दिवस पर हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान थीम के अंतर्गत भारतीय संविधान को अपनाने की स्मृति में संविधान दिवस पूरे उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में देश के सर्वोच्च कानून के प्रति जागरूकता और सम्मान की भावना को मजबूत करने के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत एनसीसी कैडेट्स की ओर से संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया गया। विद्यलय की निदेशिका चयनिका सारस्वत ने विद्यार्थियों को संविधान के आदर्शों को जीवन में उतारने को प्रेरित किया। 26 नवंबर 1949 को, हमने इस पवित्र ग्रंथ को अपनाया था, जिसने हमें एक संप्रभु, धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी और लोकतांत्रिक गणराज्य बनाया। इसका उद्देश्य है कि आप न केवल अपने अधिकारों को जानें, बल्कि अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहें। एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण तभी संभव है जब हर नागरिक संविधान में निहित मूल्यों का पालन करे।

एसआईआर फार्म भरवाने सपा ने किया जागरुक

बिल्सी ,अमृत विचार : नगर के मोहल्ला संख्या आठ में समाजवादी पार्टी के पूर्व नगराध्यक्ष कविंद्र सक्सेना ने बुधवार को घर-घर जाकर लोगों को एसआईआर प्रक्रिया के प्रति जागरूक किया। उन्होंने मोहल्ले के लोगों के प्रपत्रों की स्वयं जांच की और कई लोगों के प्रपत्र मौके पर ही भरवाए। कविंद्र सक्सेना ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा भेजे गए गणना प्रपत्र मतदाता पहचान सूची के अद्यतन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए जिन भी परिवारों के घर प्रपत्र पहुंच गए हैं, वे उन्हें शीघ्रता से भरकर अपने-अपने बीएलओ को सौंप दें, ताकि उनका नाम मतदाता पात्रता सूची में निश्चित रूप से शामिल हो सके। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस अभियान को गंभीरता से लें और अपने परिवार के सभी सदस्यों का विवरण सही-सही भरकर जमा करें। इधर, मोहल्ला संख्या दो के बूथ नंबर 99 पर प्रवासी दायित्व निर्वहन करते हुए भाजपा नेता दीपक गुप्ता ने बीएलओ का सहयोग कर गणना प्रपत्रों को भरवाया।

न्यूज ब्रीफ

एसआईआर के कारण परीक्षाओं का समय

बदायूं, अमृत विचार : एसआईआर में परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों की ड्यूटी लगी है। ऐसे में 28 से शुरू हो रही परिषदीय परीक्षाओं को संपन्न कराना शिक्षा विभाग के लिए संभव नहीं थी। शिक्षकों की इस समस्या को देखते हुए शासन स्तर से परिषदीय स्कूलों की परीक्षाओं की तिथि में बदलाव किया है। प्रभारी बीएसए दिलीप कुमार ने बताया कि एसआईआर के चलते परिषदीय स्कूलों की छमाही परीक्षा की तिथियों में बदलाव किया गया है। नए परीक्षा कार्यक्रम के तहत परीक्षाएं अब 10 से 15 दिसंबर को तक होंगी। परीक्षा तिथियों में बदलाव संबंधी जानकारी सभी खंड शिक्षा अधिकारियों और शिक्षकों को दे दी गई है।

दातागंज चौराहे से हटाए ऑटो, ई -रिक्शा

बदायूं, अमृत विचार : शहर के दातागंज चौराहे पर बुधवार को सुबह 9 बजे से ऑटो और ई-रिक्शा को हटाया गया। ऑटो और ई-रिक्शा के यहां खड़ा होने से चौराहे पर अक्सर जाम लगता है। ऑटो की वजह से आये दिन जाम लगता है। स्थानीय दुकानदारों ने मंगलवार को पुलिस को समस्या से अवगत कराते हुए नाराजगी व्यक्त की। जिसके बाद आज पुलिस ने यहां पर खड़े होने वाले ऑटो और ई-रिक्शा को दौड़ा दिया। यहां पर आज किसी को नहीं रूकने दिया, जिससे ऑटो चालक इधर उधर दौड़ते रहे। दुकानदारों ने कहा कि पुलिस सख्ती करे तो चौराहे पर जाम नहीं लगे। आज वाहन आराम से गुजरते रहे।

ढाबा संचालक की पुलिस से शिकायत

बदायूं, अमृत विचार : एक जमीन मालिक ने ढाबा संचालक पर किराए के रुपये न देने और बर्तन न लौटाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। गांव डकारा पुख्ता निवासी सत्यपाल पुत्र वीरम सिंह ने सहसवान पुलिस को मुजरिया क्षेत्र के गांव रसूला निवासी रिंकू पुत्र राजेश गुप्ता पर ढाबा के किराए के रुपये न देने का आरोप लगाया है। कहा कि उन्होंने तकरीबन एक साल पहले एग्रीमेंट पर गांव सबदलपुर के पास हाईवे किनारे जमीन लेकर ढाबा खोला था। जो कुछ दिनों बाद बंद कर दिया लेकिन आरोपी रिंकू गुप्ता ने तीन हजार रुपए महीने किराए पर ढाबा चलाने को लिया और होटल के सभी बर्तन और सामान भी लिए। जिसके बाद रिंकू ने किराया नहीं दिया। पीड़ित ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

तीन सौ जोड़े आज लेंगे एक साथ सात फेरे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- एक जोड़े पर समाज कल्याण विभाग खर्च करेगा एक लाख

अमृत विचार: मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गुरुवार को इस्लामिया इंटर कॉलेज परिसर तीन सौ गरीब परिवार की बेटियों की शादी होगी। बुधवार को जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी के लिए प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना चला रही है। शासन की ओर से समाज कल्याण विभाग को 784 गरीब कन्याओं का विवाह कराने का लक्ष्य मिला है। प्रथम चरण में गुरुवार को तीन सौ गरीब कन्याओं का विवाह कराया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन शहर के इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान पर होगा। बुधवार को दिन भर कार्यक्रम की तैयारी होती रही। समाज कल्याण विभाग के अधिकारी कर्मचारी दिन भर तैयारियों में लगे रहे। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में शासन स्तर से बदलाव किया गया है। योजना के तहत अब तक एक जोड़े की शादी कराने में 51 रुपये खर्च किए जाने का प्रावधान था। इस बार एक जोड़े की शादी कराने में एक लाख रुपये खर्च होंगे। इसमे से 60 हजार रुपये कन्या के खाते में भेजे जाएंगे। यह धनराशि कन्या के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। 25 हजार रुपये उपहार सामग्री पर खर्च होंगे। सामूहिक विवाह आयोजन के दौरान 15 हजार रुपये प्रति जोड़ा खर्च किया जाएगा। समाज कल्याण अधिकारी मीनाक्षी वर्मा ने बताया कि करीब तीन सौ जोड़ों की शादी कराई जाएगी।

मेडिकल कॉलेज में मनाया संविधान दिवस

संविधान की शपथ लेते मेडिकल के छात्र

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज में बुधवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम "हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान के तहत विविध गतिविधियों के माध्यम से संविधान दिवस की महत्ता को रेखांकित किया गया।

इस अवसर पर कॉलेज के छात्रों एवं स्टाफ ने संविधान की शपथ ग्रहण की। शपथ के दौरान सभी ने भारतीय संविधान के प्रति पूर्ण निष्ठा, सम्मान तथा समर्पण व्यक्त करते हुए यह संकल्प लिया कि वे भारतीय लोकतंत्र और उसके मूल्यों की रक्षा करते रहेंगे।

प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार ने कहा संविधान हमारा मार्गदर्शक है और यह हमारे राष्ट्र की आत्मा है। उन्होंने छात्रों को संविधान की महत्ता, उसके सिद्धांतों एवं अधिकारों-कर्तव्यों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक रूप से पाठ किया गया तथा भारतीय संविधान की अनुपम महिमा को स्मरण किया गया। संविधान दिवस का आयोजन छात्रों में संविधान के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ, तथा उन्हें लोकतंत्र के आदर्शों को आत्मसात करने का अवसर प्रदान किया।

पालिकाध्यक्ष ने संविधान दिवस पर दिलाई शपथ

संविधान की रक्षा की शपथ लेते कर्मचारी व पालिकाध्यक्ष। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद में बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा की उपस्थिति में सभी कर्मचारियों ने संविधान की रक्षा करने तथा अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की शपथ ली।

कार्यक्रम में संविधान की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई।. पालिकाध्यक्ष ने बताया कि संविधान दिवस हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति जागरूक होने का संदेश देता है। सभी कर्मचारियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर पालिका खालिद अली खां, नवेद इकबाल गनी, सूर्य प्रकाश सक्सेना, सचिन सक्सेना, रजनेश चन्द्रा, जहांगीर, विनोद प्रकाश सोनकर, महेश बाबू, मनोज सोनकर, देवेन्द्र सक्सेना, मनोज सक्सेना, इमरान, फिरोज अली, नोमान, विकास भारद्वाज आदि समेत कर्मचारी मौजूद रहे।

भाकियू ने आरोग्य मंदिर खुलवाने का दिया भरोसा

उझानी ,अमृत विचार : कादरचौक ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम खिरिया बाकरपुर में आयुष्मान आरोग्य मंदिर बंद रहने की सूचना पर भाकियू भानु गुट ने ग्रामीणों से बात की और आरोग्य मंदिर जल्द खुलवाने का आश्वासन दिया।

ग्राम खिरिया बाकरपुर में स्वास्थ्य विभाग का आयुष्मान आरोग्य मंदिर है जो बंद रहता है जिससे ग्रामीणों को इससे कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी भाकियू भानु गुट के जिलाध्यक्ष अतुल तोमर को दी। जिसके बाद अतुल तोमर बुधवार को

अपनी टीम के साथ गांव पहुंच गए। आरोग्य मंदिर पर ताला लटका मिला। ग्रामीणों पर बात करने पर बताया गया कि यहां पर स्वास्थ्य कर्मचारी नहीं आते हैं जिससे लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसकी शिकायत कई बार विभाग के अधिकारियों से की गयी है मगर आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी। अतुल तोमर ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर जल्द खुलवा दिया जाएगा।

इग्नू के लर्नर्स की हुई परिचय सभा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- ऑनलाइन हुआ कार्यक्रम, क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक ने दी जानकारी

अमृत विचार : इग्नू अध्ययन केंद्र राजकीय महाविद्यालय में जुलाई 2025 सत्र में प्रवेशित लर्नर्स के लिए एक ऑनलाइन परिचय सभा का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र अलीगढ़ के निदेशक डॉ. अजय वर्धन आचार्य ने इग्नू के नियमों की जानकारी देते हुए अध्ययन केंद्र एवं इग्नू की वेबसाइट के बारे में विस्तृत रूप से बताया।

नोएडा से परिचय सभा का संचालन कर रहे सत्येंद्र कुशवाहा ने लर्नर्स को इग्नू की वेबसाइट के माध्यम से स्टूडेंट्स सर्विसेज से संबंधित पीपीटी प्रेजेंटेशन दिया और विस्तृत रूप से लर्नर्स को इग्नू की सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कोआर्डिनेटर डॉ. संजीव राठौर ने इग्नू अध्ययन केंद्र के संचालन से संबंधित समय सारणी प्रस्तुत करते हुए लर्नर्स को बताया कि इग्नू में वेबसाइट के माध्यम से जुलाई तथा जनवरी सत्र में प्रवेश होते हैं। जून व दिसंबर में सत्र के अंत में परीक्षाएं आयोजित होती हैं। लर्नर्स अपने प्रोग्राम से संबंधित परीक्षा सत्र में प्रतिभाग करने के लिए राजकीय महाविद्यालय के परीक्षा केंद्र का चयन कर सकते हैं। परीक्षा के में शामिल होने के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरना अनिवार्य है। अध्ययन केंद्र पर अपने पाठ्यक्रम से संबंधित असाइनमेंट अवश्य जमा करना होगा। असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर डॉ. राकेश कुमार जायसवाल ने कहा कि लर्नर्स अध्ययन केंद्र पर ऑफलाइन सेवाओं का भी लाभ प्राप्त कर सकते हैं। रविवार को काउंसलिंग सेशन आयोजित किए जाएंगे। लर्नर्स सहित काउंसलर डॉ. अजीत कुमार शंखधार, डॉ. अंकुर शंखधार, राजीव कुमार पाली आदि शामिल हुए।

न्यूज डायरी

जैन कॉलेज में मनाया संविधान दिवस, छात्रों ने ली शपथ

बिल्सी ,अमृत विचार : नगर के नन्नूमल जैन इंटर कॉलेज में बुधवार को भारतीय संविधान दिवस बड़े ही उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य ने संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की। इसके बाद छात्र-छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक रूप से पाठ कराया गया। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को संविधान की महत्ता, उसके मूल अधिकारों, कर्तव्यों एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्रों ने देश की संप्रभुता, अखंडता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने की शपथ ली। प्रधानाचार्य डा .राजकमल गुप्ता ने कहा कि संविधान देश की आत्मा है और युवा पीढ़ी को इसके अध्ययन एवं पालन के लिए सदैव प्रेरित रहना चाहिए। इस मौके पर लव कुमार सिंह, राजनाथ सिंह, गौरव शर्मा, उपेंद्र कुमार, मोहित कुमार, विपिन कुमार, पुरुषोत्तम शाक्य, उदयभान सिंह आदि मौजूद रहे।

डीएम ने बीएलओ को किया सम्मानित

बदायूं, अमृत विचार : जिलाधिकारी अवनीश राय ने बुधवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य पूर्ण करने वाले शेखूपुर विधानसभा के तीन बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही उनके द्वारा तहसीलों का भी निरीक्षण किया। कलेक्ट्रेट में डीएम ने शेखूपुर विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ देशपाल, ममता रानी व गुंजन शर्मा को सम्मानित किया। डीएम ने तहसील बिल्सी और सहसवान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने 30 नवंबर तक कार्य पूर्ण करने के लिए कहा। वहीं तहसील बिल्सी में उप जिलाधिकारी बिल्सी विधानसभा क्षेत्र की बीएलओ सारिका शशिबाला, राजकुमार को सम्मानित किया। तहसील सहसवान में उप जिलाधिकारी ने विधानसभा क्षेत्र सहसवान के बीएलओ राजेश कुमार, श्रीनिवास एवं प्रदीप कुमार को सम्मानित किया।

बदायूं, अमृत विचार : एसआईआर में गड़बड़ी की बात कहते हुए कांग्रेसियों ने सदर तहसील पर प्रदर्शन किया और एसडीएम मोहित कुमार को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने आरोप लगाया कि ककराला और शेखूपुर के बूथों पर 2003 की वोटर लिस्ट में माता-पिता का नाम होने पर तीसरे विकल्प पर फीडिंग कराई जा रही है। जो मतदाताओं के संवैधानिक अधिकारों का हनन है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि किसी भी वास्तविक वोटर का नाम वोटर लिस्ट से कटने नहीं दिया जाएगा। एसआईआर के बहाने दलित पिछड़े और मुसलमान मतदाताओं का वोट काटने की साजिश की जा रही है। एसडीएम से कहा कि ककराला में 40 फीसदी लोगों की गलत फीडिंग की गई है। माता पिता का नाम 2003 की वोटर लिस्ट में होने के बावजूद गणना फार्म में कोई रिकॉर्ड नहीं दर्ज किया जा रहा है। मतदाताओं के वोट काटने की साजिश की जा रही है। इसके अलावा कांग्रेसियों ने दातागंज में विचार गोष्ठी की। अकरम खान, धर्मेंद्र कश्यप, यूनिस खान, नूरुल खान, केपी सिंह, सत्यम यादव, अर्जुन सिंह, मुनेंद्र यादव, विजय बहादुर, वेद प्रकाश, आकाश यादव, विजय वीर, उमेश यादव, बबलू, ओमप्रकाश, मनोज यादव आदि उपस्थित रहे।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee,
visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

बकाया जमा होने पर काटा कनेक्शन जोड़ा

सहसवान नगर में बिजली के कनेक्शन चेक करती टीम। ● अमृत विचार

संवाददाता, सहसवान

- टीम ने मोहल्ला दहलीज, हरना तकिया और रुस्तम टोला में काटे थे तीन कनेक्शन

अमृत विचार : विद्युत महकमा स्मार्ट मीटर को लेकर जागरूक कर रहा है। वहीं दूसरी ओर बकाया जमा न करने पर कनेक्शन काट रहा और रिपोर्ट भी दर्ज कराई जा रही है। सहसवान में विद्युत उपखंड अधिकारी विपिन कुमार गुप्ता के नेतृत्व में टीम में अवर अभियंता हरिशंकर, सुनील टीजी टू, आजिम हुसैन आदि चेकिंग अभियान चलाया। तीन बिजली उपभोक्ताओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

टीम चेकिंग करने के लिए नगर में निकली। मोहल्ला दहलीज में मीना , मोहल्ला हरना तकिया में रियाज मोहम्मद , मोहल्ला रुस्तम टोला में इसरार का कनेक्शन बिल बकाया होने के चलते पहले काटा गया और अब कनेक्शन धारकों ने लाइन खंभे से जोड़ ली थी। अवर अभियंता हरिशंकर ने तीनों कनेक्शन धारकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। विद्युत उपखंड अधिकारी विपिन कुमार गुप्ता ने बताया कि विद्युत बकाया पर काटी गई लाइन चलती हुई पाई गई तो ऐसे उपभोक्ताओं पर रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।

मालगाड़ी की चपेट में आकर ग्रामीण की मौत

बदायूं, अमृत विचार : उसहैत कस्बा के वार्ड चार निवासी नन्हें उर्फ मुछई बुधवार दोपहर बरेली-कासगंज रेलवे लाइन पार कर रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजरी मालगाड़ी की चपेट में आ गए। रेलवे लाइन किनारे मौजूद लोगों ने बताया कि वह ईयर फोन कान में लगाकर चल रहे थे। जिसकी वजह से मालगाड़ी की आवाज को नहीं सुन पाए और हादसा हो गया। मौके पर जो लोग थे उन्होंने पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस मौके पर पहुंच गई। मृतक की पहचान करके उनके परिजनों को सूचना दी और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज गया है। जहां परिजनों ने बताया कि नन्हें मजदूरी की तलाश में आए थे। वह रेलवे लाइन पर कैसे पहुंचे इसकी जानकारी किसी को नहीं है।

धूल फांक रही हेल्थ एटीएम, लोगों को नहीं है जानकारी

जिला अस्पताल में टेक्नीशियन के अभाव में बंद पड़ी मशीन, गंभीर मरीजों की जांच को लगाई गयी थी मशीन, नहीं मिल रहा लाभ

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सरकारी अस्पतालों में सरकार द्वारा भेजी गई हेल्थ एटीएम टेक्नीशियन के अभाव में धूल फांक रही हैं। मशीनों को हटा कर अलग रख दिया गया है। हेल्थ एटीएम के बारे में लोगों को जानकारी भी नहीं है। मरीजों ने कहा कि यदि सरकार ने मशीन दी है तो उससे बीमारियों की जांच कराई जानी चाहिए।

जिला अस्पताल में करीब पांच साल पूर्व सरकार की ओर हेल्थ एटीएम मशीन लगाई गई थी। हेल्थ एटीएम से मरीजों की बीमारियों की जांच की जानी थी। जिससे मरीज को डॉक्टर के पास जाने की जरूरत भी नहीं होती। हेल्थ एटीएम पिछले तीन साल से सीएमएस कार्यालय में रखी रही। कभी भी मशीन से मरीजों की जांच नहीं कराई गई। अब इस मशीन को हटा कर इमरजेंसी कक्ष के बाहर रखवा दिया गया है। लाखों की कीमत की मशीन कई साल से धूल फांक रही है। अस्पताल प्रशासन ने मशीन को छिपा कर रखा है जिससे लोगों को इसकी जानकारी न हो सके। हेल्थ एटीएम मशीन चलाने को टेक्नीशियन चाहिए जो अस्पताल में नहीं है जिससे मशीन शो-पीस बन कर रह गई है।हेल्थ एटीएम को लेकर कई बार स्वास्थ्य निदेशालय को भी लिखा गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। जिससे स्वास्थ्य विभाग को भी दिक्कत हो रही है।

इमरजेंसी कक्ष से बाहर रखा हेल्थ एटीएम।

मरीजों को नहीं मिल रहा लाभ

सरकार की ओर से जिले में पांच हेल्थ एटीएम मशीन कई साल पहले आई थीं जो महिला व पुरुष अस्पताल के अलावा तीन सीएचसी पर भी भेजी गई थी कहीं पर भी मशीनों को उपयोग नहीं हो रहा है। हेल्थ एटीएम चलाने को जिले में एक भी टेक्नीशियन नहीं है जिससे सभी मशीनें शो पीस बनी खड़ी हैं। स्वास्थ्य विभाग में उनका उपयोग नहीं होने से मरीजों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है।

सरकार ने मशीन तो दे दी, लेकिन टेक्नीशियन नहीं दिया, जिससे मशीन का उपयोग नहीं हो पा रहा है। टेक्नीशियन की कई बार मांग की गई मगर आज तक टेक्नीशियन नहीं दिया गया। मशीन को हटा कर अलग रख दिया गया है।
डॉ. अमित वार्ष्णेय, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक

अस्पताल में किसी को मशीन के बारे में जानकारी नहीं है। यहां लाइन में लगकर डॉक्टरों से दवाई लेनी होती है। डॉक्टर चेकअप कराने को लिखते हैं। इधर -उधर भटकना पड़ता है। यहां पर किसी तरह की सुविधा नहीं है।
राज किशोर आर्य - मरीज

हेल्थ एटीएम के बारे में कभी नहीं सुना, न ही किसी ने इस मशीन के बारे में बताया। हर बार डॉक्टर से चेकअप करना पड़ता है जिससे काफी समय लगता है और इधर उधर भाग दौड़ करनी पड़ती है। लोग लाइन में लग कर ही दवा लेते हैं।
नीलम - मरीज

हमने कभी हेल्थ एटीएम के बारे में नहीं सुना है। हर समय डॉक्टर चेकअप करते हैं। मशीन तो देखी भी नहीं है। सरकारी चीज है। बड़े लोगों को इसका लाभ मिलता होगा। आम आदमी को मशीनों के बारे में जानकारी भी नहीं है। **गुड्डी** - मरीज

सरकार की ओर से कई तरह की सुविधाएं दी गई हैं, लेकिन अस्पताल से कुछ नहीं मिलता है। यहां डॉक्टर मनमानी करते हैं। मरीजों को इधर से उधर दौड़ाया जाता है। जांच के नाम पर परेशान किया जाता है।
बलवीर सिंह - मरीज

सिविल लाइन क्षेत्र में बंद मकान में दिन दहाड़े चोरी

बदायूं, अमृत विचार : सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चित्रांश नगर निवासी महेश सक्सेना अपनी पत्नी पूनम के इलाज के संबंधी में दिल्ली गए थे। बुधवार दोपहर उनका 14 साल का बेटा घर पर अकेला था। वह भी अपने मामा के घर चला गया था। करीब दो घंटे बाद जब वह वापस आया तो घर के गेट पर लगा ताला टूटा पड़ा था। अंदर देखा तो वह दंग रह गया। सारा सामान बिखरा पड़ा था। उसने पड़ोसियों से जानकारी की। पड़ोसियों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस और महेश सक्सेना को चोरी के बाबत बताया। मकान स्वामी महेश सक्सेना ने पुलिस को तहरीर देकर खुलासे की मांग की है। महेश के अनुसार चोर जेवरात समेत लगभग दो लाख रुपये से ज्यादा का सामान ले गए हैं। पुलिस ने जल्द खुलासे का आश्वासन दिया है।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल

विशाल चिकित्सा शिविर

हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग
शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी. विभाग
नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग

यह सुविधा 10 नवम्बर 2025 से प्रारंभ

समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं

रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 50/- रुपये

डॉक्टर द्वारा परामर्श मुफ्त
भर्ती एवं पलंग मुफ्त
मुफ्त सामान्य ऑपरेशन (दवाओं का खर्च अतिरिक्त)
नार्मल व सिजेरियन डिलीवरी मुफ्त (दवाओं का खर्च अतिरिक्त)
भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त
भर्ती मरीजों की सामान्य जांचें मुफ्त
भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउंड मुफ्त
भर्ती मरीजों का एमआरआई ब्रेन- रु. 2000/- एमआरआई स्पाईन- रु. 3000/- सीटी हेड- रु. 800/-

भर्ती मरीजों की दवाईयां भारी छूट पर

70 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों के लिए मुफ्त आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं मुफ्त उपचार की सुविधा।
(आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए निःशुल्क कार्ड एवं निःशुल्क चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध)
परिवार स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा मात्र 200 रुपए में 1 वर्ष के लिए उपलब्ध।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल
NH-30, बन्थरा, शाहजहाँपुर, उ.प्र.-242307
मो.नं : 05842-297260, 05842-297360, 7521001988, 7521001989

गुमराह करने वाले युवक की तलाश में पुलिस

कादरचौक, अमृत विचार : थाना कादरचौक क्षेत्र के गांव मोहम्मदगंज निवासी युवक ने डायल 112 पर झूठी सूचना देकर गुमराह किया। पुलिस पहुंची। युवक ने अपना मोबाइल बंद कर लिया। पुलिस युवक की तलाश कर रही है। मंगलवार आधी रात डायल 112 को किसी ने सूचना दी कि गांव में उसका झगड़ा हो गया है। पुलिस गांव पहुंची थी। पुलिस ने सूचना देने वाले युवक को फोन किया लेकिन उसका मोबाइल फोन बंद आया। पुलिस गांव में तकरीबन एक घंटे तक पूछताछ करती रही लेकिन युवक के बारे में पता नहीं चला। वहीं युवक ने पुलिस को जो नाम बताया था उस नाम का गांव में कोई व्यक्ति नहीं है। युवक की अंतिम लोकेशन मदीना मस्जिद के पास की मिली थी लेकिन फिर जानकारी नहीं हुई।

भारतीय संस्कृति का परचम लहराकर लंदन से लौटीं वाटर वूमन शिप्रा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : लंदन में भारतीय सनातन संस्कृति का डंका बजाने के बाद वाटर वूमन के नाम से प्रसिद्ध शिप्रा पाठक सोमवार को भारत लौटीं। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया गया। सनातन प्रेमियों ने पुष्प वर्षा और गाजे-बाजे के साथ जय भारत, जय सनातन के नारों से पूरे एयरपोर्ट को गुंजायमान कर दिया।

अपनी तीन दिन की विदेश यात्रा के दौरान पंचतत्व फाउंडेशन की संस्थापक शिप्रा पाठक शिप्रा पाठक ने लंदन में अपनी पुस्तक महाकुंभ के अंग्रेजी संस्करण का लोकार्पण किया। जिसमें उन्होंने कुंभ की दिव्यता, पंचतत्व संस्था की गतिविधियों और पर्यावरण संरक्षण के संदेशों को विस्तार से समझाया है। कहा कि वह पहले सिर्फ 250 प्रतियां लेकर गई थीं, लेकिन वहां हजारों प्रतियों की मांग को देखते हुए और पुस्तकों की आपूर्ति का अनुरोध किया गया। उन्होंने लंदन के दोनों सदनों में हिंदी में अपने

लंदन से वापस लौटीं वाटर वूमन शिप्रा पाठक।

- **दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर समर्थकों ने किए जय भारत, जय सनातन के उद्घोष**

प्रभावशाली संबोधन के कारण शिप्रा पाठक ने उपस्थित जनों का मन मोह लिया। उन्होंने कहा कि वह भारत से हैं, जहां नदियों का पूजन होता है। थामस नदी की ऊर्जा और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के गौरव से जोड़ते हुए भारतीय नदियों के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व बताया। लंदन प्रवास के दौरान शिप्रा पाठक को बेरो ऑफ हाईरो और बाथ सिटी के मेयरों ने विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। बाथ सिटी के मेयर के साथ उन्होंने ओक का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई।

करंट लगने से युवक की मौत

विजय नगला, अमृत विचार : समरसेबल से पानी भरते समय एक युवक को करंट लग गया। वह गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन उसे अस्पताल ले जा रहे थे लेकिन युवक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। परिजनों में चीत्कार मच गया।

थाना बिनावर क्षेत्र के गांव कुतुबपुर थरा निवासी वसीम पुत्र पुत्तन अली अपने घर पर समरसेबल से पानी भर रहे थे। अचानक वह करंट लगने झुलस गए। उनके चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। वसीम को जिला अस्पताल ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि वह अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। छह-सात महीने पहले ही उनकी शादी हुई थी। अवर अभियंता सतीश सिंह ने बताया कि घटना के बारे में जानकारी नहीं है।

एनुअल स्पोर्ट्स मीट में बच्चों ने प्रतिभा का किया प्रदर्शन

सुबह को प्रार्थना सभा में भाग लेते स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : बदायूं रोड स्थित फ्यूचर लीडर्स स्कूल में प्राइमरी विंग की एनुअल स्पोर्ट्स मीट की शानदार शुरुआत जोश, ऊर्जा और उत्साह के साथ हुई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना और स्वागत भाषण के साथ हुई। कक्षा 2 से 5 तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। पहले दिन कक्षा 2 के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी दीपक चौहान उपस्थित रहे। 50 मीटर दौड़ में नित्या, अभिनव, अनामिका और रूपेश विजयी रहे। सैक रेस में आनंदी, यश, राधिका और अखिल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बॉल बैलेंसिंग गेम में अनामिका, वीर और आदित्य विजेता बने।समापन विद्यालय गीत और राष्ट्रगान के साथ सम्मान पूर्वक किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रविन्द्र सिंह, सीके शर्मा (एकेडमिक हेड), परमेंद्र सिंह (जूनियर कॉर्डिनेटर), केशव शर्मा (प्राइमरी कॉर्डिनेटर), राखी गुप्ता (प्री-प्राइमरी कॉर्डिनेटर) सहित विद्यालय के सभी शिक्षक व खेल प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड एडवेंचर में दिखा रहे अदम्य साहस

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : लखनऊ के वृंदावन कॉलोनी के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड स्थित 19 वीं राष्ट्रीय जंबूरी में देश-विदेशों के स्काउट गाइड द्वारा प्रदर्शनी, फूड प्लाजा, पीजेंट शो आदि प्रतियोगिता हुईं। एडवेंचर में कार्यक्रम आयोजित हुए। जिसमें बदायूं जिले के स्काउट गाइड ने अपनी दमदार प्रस्तुति दी।

डीटीसी सत्यपाल गुप्ता के नेतृत्व में स्काउट आकाश, विनीत, अंशुल, नीरज, शिवम, कुमारपाल ने अयोध्या तीर्थ स्थली का श्री राम मंदिर, ज्वालामुखी, वाटर फाउन्टेन, दृष्टिबाधित दिव्यांगों के लिए दिशा ज्ञान यंत्र, विज्ञान, हस्तकला, इलेक्ट्रॉनिक, प्राचीन कालीन वस्तुओं की शानदार प्रदर्शनी लगाई गई। फूड प्लाजा में जिले की प्रसिद्ध मिठाई पेड़े, स्वादिष्ट व्यंजनों मूल्यांकन किया गया। बदायूं के पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि जिले के स्काउट गाइड एडवेंचर प्रोग्राम में अपनी धाक जमा हुए हैं।

प्रदर्शनी में प्रस्तुति देते बदायूं के स्काउट गाइड। ● अमृत विचार

- **प्रदर्शनी, फूड प्लाजा, पीजेंट शो में रहा शानदार प्रदर्शन**

मंकी ब्रिज, स्काई साइकिल, टायर ब्रिज, लांग ब्रिज, कमांडो ब्रिज, भीम पर लटकाना, टायर चिमनी, बांस दीवार, रैपलिंग, जंप आदि एडवेंचर कम समय में पूरे कर लिए।

पीजेंट शो में भी जिले के स्काउट गाइड उत्तर प्रदेश की टीम में सबसे आगे रहे। जंबूरी की एरीना में विश्व संस्कृति देखने को मिली। अभी स्काउट गाइड अपने एडवेंचर को पूरा करने में जुटे हुए हैं। भारत स्काउट गाइड के प्रादेशिक अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह, प्रादेशिक मुख्य आयुक्त डा. प्रभात कुमार ने स्काउट गाइड के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति का महापर्व है। जंबूरी विश्व की संस्कृति से सराबोर है।

भारत स्काउट गाइड संस्था के प्रादेशिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश चंद्र सक्सेना ने स्काउट गाइड को शाबाशी दी। जिला संगठन कमिश्नर मोहम्मद असरार, यूनिट लीडर कंवरसेन, कैलाश चंद्र, चंद्र मोहन, आशुतोष शर्मा, श्रेष्ठ जीत उमेश चंद्र, सुदेश चंद्र मिश्रा, मनोज कुमार सिंह, आशुतोष, आदि मौजूद रहे।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल
N.H.-30, बंथरा, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश

Radiation Oncology Department

Cancer Facilities (कैंसर उपचार एवं सुविधाएं)

कैंसर की सटीक जाँच (Accurate Diagnosis)

नवीनतम तकनीक द्वारा कैंसर की प्रारंभिक एवं सटीक पहचान की सुविधा

- बायोप्सी
- रेडियो इमेजिंग (CT, MRI)
- ब्लड मार्कर जाँच

कीमोथेरेपी (Chemotherapy)

- सभी प्रकार के कैंसर की कीमोथेरेपी द्वारा उपचार की पूर्ण व्यवस्था

कैंसर की पूर्ण देखभाल (Comprehensive Cancer Care)

- कैंसर रोगियों के लिए पोषण, काउंसलिंग एवं पुर्नवास सहायता
- व्यक्तिगत (Individualised) उपचार योजना

रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट परामर्श उपलब्ध

- कैंसर के हर चरण के लिए सही मार्गदर्शन व उपचार योजना उपलब्ध।

(प्रतिदिन ओ.पी.डी. कमरा नं. 171 में प्रातः 9:00 से सायं 4:00 बजे तक)

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- 7521001988, 7521001989

यातायात पुलिस ने वाहनों पर लगाए रिफ्लेक्टर टेप

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: कोहरे में सड़क हादसों की संख्या बढ़ने की आशंका को देखते हुए जिला पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए जा रहे हैं। बुधवार को यातायात पुलिस ने वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई गई। साथ ही वाहन चालकों को जागरूक भी किया गया। हेलमेट पहने दो पहिया वाहन चालकों को फूल भेंट किया।

यातायात प्रभारी आरएल राजपूत ने बताया कि आने वाले दिनों में मौसम में कोहरे व धुंध के चलते सड़कों पर दृश्यता कम होगी। ऐसे में सड़कों पर वाहन का प्रयोग करते समय अधिक सावधानी बरतनी जरूरी है। वाहन मालिक व चालक अपने-अपने वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टर जरूर लगाएं। धुंध के मौसम में रिफ्लेक्टर टेप बहुत ही कारगर साबित होती है। कहा कि वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करना है। यह उन्हें अपने लिए व दूसरों के लिए भी बहुत जरूरी है। कहा कि यातायात प्रभारी वाहन चालकों को जागरुक करते हुए कहा कि वह रोड पर चलते समय वाहनों के बीच उचित दूरी बनाए रखें। गाड़ी चलाते समय इंडिकेटर को भी ऑन रखें ताकि दूसरे वाहन को भी आपके वाहन का पता चल सके। कोहरे के दौरान यात्रा करते समय वाहन चालक लो-बीम हेड लाइट का इस्तेमाल करें, धुंध में हाई-बीम हेड लाईट कारगर नहीं होती है। यदि कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम हो जाती है तो ऐसी स्थिति में फॉग लाइट का उपयोग अवश्य करें।

साथी बाइक सवार को हेलमेट पहनने पर फूल देते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

- **रोड पर वाहन चालकों को फूल देकर किया सम्मानित**

रिफ्लेक्टर टेप लगाते यातायात प्रभारी।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल मुख्य परीक्षा सन् 2007 अनुक्रमांक 3099199 का प्रमाण पत्र व अंकपत्र एवं इन्टरमीडिएट मुख्य सन् 2010 अनुक्रमांक 0387288 का प्रमाण पत्र व अंक प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **आकाश सक्सेना पुत्र श्री अरूण कुमार सक्सेना नि. 358, भूड़, बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने हाईस्कूल की परीक्षा सन् 2009 में उत्तीर्ण की थी मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट जिसका सीरियल नं. 1598150 व रोल नम्बर 3222174 है। एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षा सन् 2011 में उत्तीर्ण की थी जिसका सीरियल नं. 0776452 व रोल नम्बर-0614496 है। उक्त दोनों मार्कशीट वास्तव में कहीं खो गयी है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिली। **हेमा राना पत्नी श्री विनीत कुमार निवासी ग्राम व पो. बसहा माफी जिला लखीमपुर**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पूर्व सैनिक हूं मेरा आर्मी नं. 15360648L नायक जाकिर हुसैन है। मेरी पुत्री आबदा खातून (AABDA KHATOON) का नाम मेरी डिस्चार्ज बुक में त्रुटिवश अबिदा खातून (ABIDHA KHATUN) दर्ज हो गया था। मेरे आर्मी रिकॉर्ड एंव डिस्चार्ज बुक में मेरी पुत्री का सही नाम आबदा खातून (AABDA KHATOON) संशोधित किया जाये। **जाकिर हुसैन पुत्र श्री रमजान अली निवासी मो. कुमारनगर सुआगाड़ा रोड, लखीमपुर जनपद-लखीमपुर खीरी**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट में मेरी जन्मतिथि त्रुटिवश 30.06.2008 दर्ज हो गयी हैं जो कि गलत है। जबकि मेरे आधार कार्ड नं. 479392987650 एवं अन्य अभिलेखों में मेरा जन्मतिथि 27.11.2004 है। जो कि सही है। **मो. आमिर पुत्र जमशेद अली निवासी:- ग्रा. बनेई तह. जिला बदायूं**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरा हाई स्कूल वर्ष 2013 अनुक्रमांक 1108074 व इंटरमीडिएट वर्ष 2015 अनुक्रमांक 0798288 एवं स्नातक वर्ष 2022 अनुक्रमांक 0403045 के अंक पत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गए हैं। **पुरुषोत्तम शर्मा पुत्र राम मूर्ति शर्मा बरखेड़ा कला पीलीभीत**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

यूपी बोर्ड : माध्यमिक स्कूलों में शुरू हुई प्रयोगात्मक परीक्षा की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : यूपी बोर्ड परीक्षा कार्यक्रम जारी होने के बाद स्कूलों में प्रयोगात्मक परीक्षाओं को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। दिसंबर के प्रथम सप्ताह में प्रयोगात्मक परीक्षाओं की तिथियां घोषित होने की संभावना के बीच स्कूलों में प्रयोगशालाओं को तैयार किया जा रहा है। अधिकांश स्कूलों में अर्धवार्षिक परीक्षा कराने की तैयारी में हैं। जबकि प्रयोगात्मक परीक्षा 30 दिसंबर तक पूर्ण कराने का आदेश है।

जिले में 308 माध्यमिक स्कूल संचालित हैं। इनमें 42 राजकीय, 39 वित्त पोषित, शेष वित्त विहीन विद्यालय संचालित हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद से संचालित इन इन स्कूलों में इस बार 66 हजार से अधिक हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों ने परीक्षा के लिए आवेदन किया है। यूपी बोर्ड द्वारा परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होंगी। परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया चल रही है। यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारी के बीच माध्यमिक स्कूलों में प्रयोगात्मक परीक्षा की तैयारी भी तेज हो गई हैं। प्रयोगात्मक परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा 5 दिसंबर के बाद होने की संभावना है। जीजीआईसी प्रधानाचार्या अल्पना कुमार ने बताया कि इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षाएं सामान्य रूप से दिसंबर और जनवरी के दूसरे सप्ताह के बीच होती हैं। इसी आधार पर विद्यालय में दिसंबर के अंत तक प्रयोगात्मक कार्य पूरा कराने की योजना तैयार की जा रही है। श्री कृष्ण इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य संदीप भारती ने बताया कि इस वर्ष प्रयोगात्मक परीक्षा की संभावना जनवरी दूसरे और अंतिम सप्ताह में जताई जा रही है। वित्तविहीन स्कूलों के संचालक और प्रधानाचार्य भी तैयारी में जुटे हुए है।

> हाईस्कूल इंटरमीडिएट की परीक्षाओं को लेकर कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। प्रयोगात्मक परीक्षा को लेकर तिथियां अभी घोषित नहीं हुई हैं। संभावना है कि 5 दिसंबर के बाद प्रयोगात्मक परीक्षा की तिथियां घोषित हो सकती हैं। सभी स्कूलों के प्रधानाचार्य और संचालकों को प्रयोगात्मक परीक्षा की तैयारी संग पाठ्यक्रम को पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। **–लालजी यादव**, डीआईओएस

जिम्मेदारों की अनदेखी से रात में दौड़ने लगी गन्ना लदी ट्रॉलियां

किसी वाहन में नहीं लगे रिफ्लेक्टर, वाहन चालकों का सता रहा हादसों का डर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

गन्ना लेकर जा रहे ट्रैक्टर ट्राली।

अमृत विचार : चीनी मिलों में गन्ना पेराई सत्र शुरू होते ही गन्ना लदे वाहन सड़क पर दौड़ रहे हैं। बिना मानक के गन्ना लोड किया जा रहा है जिससे रोड पर हादसों की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि गन्ना ढोने वाले ट्रैक्टर ट्रालियों पर रिफ्लेक्टर लगाए जाएं। जिससे किसी हादसे कीआशंका न रहे।

जिले की दोनों चीनी मिलों में गन्ना पेराई शुरू हो चुकी है। क्रय केंद्रों से गन्ने का उठान भी हो रहा है हालांकि अभी कम संख्या में गन्ना लदे वाहन निकल रहे हैं फिर भी सड़कों पर इन वाहनों से खतरा बना हुआ है। लोगों का कहना है कि बाहर की चीनी मिलों के वाहन रात को ही गन्ना लेकर सड़कों पर दौड़ते हैं जिनसे खतरा बना रहता है। जिला प्रशासन व गन्ना विभाग को इन वाहनों को गन्ना लादने को एक मानक बनाना चाहिए जिससे राहगीरों को किसी तरह की खतरा न रहे। जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने कहा कि अभी गन्ने की ढुलाई कम हो रही है। फिर भी गन्ने लदे वाहनों को मानक बनाए गए हैं। जो वाहन क्रय केंद्रों से गन्ना लेकर आते हैं उन पर लाल कपड़ा बंधा होना चाहिए। रिफ्लेक्टर लगा होना चाहिए। रेडियम की एक पट्टी वाहन के पीछे होनी चाहिए जिससे दूसरे वाहन को दिखाई दे सके। बताया जो वाहन क्रय केंद्र पर पहुंचते हैं उन पर रिफ्लेक्टर लगा दिया जाता है।

जिला गन्ना अधिकारी ने किया क्रय केंद्रों का निरीक्षण

जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने बुधवार को गन्ना क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने गन्ना किसानों को हिदायत दी कि वह गन्ना उतराई का कोई पैसा क्रय केंद्र प्रभारी को न दें। जिला गन्ना अधिकारी ने क्रय केंद्र आमगांव के भाग प्रथम, द्वितीय तृतीय व क्रय केंद्र गुलड़िया के भाग प्रथम, द्वितीय, व तृतीय एवं क्रय केंद्र अहोरामई के प्रथम तथा क्रय केंद्र मोगर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गन्ना क्रय केंद्रों पर गन्ना खरीद सुचारू रूप से होती पाई गई। कहीं से भी किसी तरह की शिकायत नहीं मिली। क्रय केंद्रों पर मौजूद किसानों को हिदायत दी गयी कि गन्ना उतराई व लदाई के रूप में लेबर को कोई पैसा नहीं दें। यदि कोई मांग करता है तो उसकी शिकायत करें। जिला गन्ना अधिकारी ने कहा कि क्रय केंद्रों पर किसी तरह की अनियमितता मिलने पर कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक और गन्ना विकास समिति सचिव से किसी समय जानकारी की जा सकती है।

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, बदायूं

पत्रांक सं:– सी–2576/जि.का.अधि./बा.वि.परि./विज्ञप्ति/2025–26 दिनांक: 24.11.2025

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासनादेश संख्या– 1/1092245/2025/3313/58–1–2025 (1917687) दिनांक 17.09.2025 में वर्णित व्यवस्थानुसार जनपद बदायूं के शहरी/ग्रामीण परिक्षेत्रों में संचालित बाल विकास परियोजना में आंगनबाड़ी कार्यकत्री के मानदेय पर आधारित रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु सीधी भर्ती प्रक्रिया के तहत विभागीय वेबसाइट https://upanganwadibharti.in पर ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। रिक्त पदों का वार्डवार / परियोजनावार विवरण निम्नवत् है:–

क्र.	परियोजना का नाम	ग्रामीण/शहरी	आंगनबाड़ी कार्यकत्री के रिक्त पदों का विवरण
1.	2.	3.	4.
1	सहसवान	ग्रामीण	3
2	आसफपुर	ग्रामीण	4
3	कादरचौक	ग्रामीण	1
4	वजीरगंज	ग्रामीण	10
5	दहगवां	ग्रामीण	3
6	अम्बियापुर	ग्रामीण	0
7	सालारपुर	ग्रामीण	7
8	जगत	ग्रामीण	3
9	शहर	ग्रामीण	0
10	बिसौली	ग्रामीण	3
11	दातागंज	ग्रामीण	3
12	इस्लामनगर	ग्रामीण	5
13	उझानी	ग्रामीण	2
14	म्याऊँ	ग्रामीण	12
15	समरेर	ग्रामीण	3
16	उसावां	ग्रामीण	6
		कुल योग	**65**

उपरोक्त पदों का ग्रामसभा/वार्डवार विवरण एवं आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति हेतु निध्ररित है। ई.डब्लू.एस., दिव्यांग, स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी आदि हेतु आरक्षण निर्धारित नहीं है। उक्त पूर्ण विवरण जनपद के कलेक्ट्रेट, विकास भवन, तहसील एवं विकास खण्ड इत्यादि कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है साथ ही विभागीय वेबसाइट पर https://upanganwadibharti.in अपलोड है।

विज्ञप्ति पदों की अर्हता एवं आवेदन पत्र भरने हेतु विशेष निर्देश:–

1. विज्ञापित पदों हेतु केवल महिला अभ्यर्थी ही पात्र होंगी।
2. रिक्त पदों (आंगनबाड़ी सहायिका) हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट एवं उसके समकक्ष होगी। अधिकतम शैक्षिक योग्यता परास्नातक के आधार पर मैरिट तैयार होगी।
3. विज्ञापित पदों हेतु केवल ऑनलाइन आवेदन ही मान्य होंगे। ऑफलाइन आवेदन किसी भी दशा में स्वीकार नहीं होंगे।
4. विज्ञापित पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 15.12.2025 मध्य रात्रि 12:00 बजे तक होगी।
5. आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदिका की नयूनतम आयु 18 वर्ष व अधिकतम आयु 35 वर्ष होगी। दिनांक 01.07.2025 को 18 वर्ष आयु होनी चाहिए। आयु के सम्बन्ध में हाईस्कूल अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र में अंकित जन्मतिथि ही मान्य होगी।
6. उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की विधवा महिला / विधिक तलाकशुदा / परित्यक्त महिला को वरीयता दी जायेगी।
7. विधवा हेतु ग्राम पंचायत अधिकारी / सम्बन्धित नगर निकाय द्वारा निर्गत मृत्यु प्रमाण पत्र एवं परिवार पंजिका की प्रमाणित नकल मान्य होगी। तलाकशुदा/परित्यक्ता के सम्बन्ध में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा निर्गत विधिक आदेश मान्य होंगे।
8. गरीबी रेखा के नीचे की विधवा/तलाकशुदा/परित्यक्ता महिलाएं न मिलने पर उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा से ऊपर की विधवा महिला/परित्यक्ता/तलाकशुदा महिलाएं
9. उपरोक्तानुसार अभ्यर्थी न मिलने पर उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा के जीवन यापन करने वाले परिवार की महिलाएं।
10. निवास एवं जाति प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में तहसील से ऑनलाइन डिजिटल हस्ताक्षर से निर्गत निवास व जाति प्रमाण पत्र मान्य होंगे। जिनका ऑनलाइन सत्यापन सम्भव हो।
11. आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट https://upanganwadibharti.inपर उपलब्ध फॉर्मेट पर ऑनलाइन व सही सही सावधानी पूर्व भरे जायेंगे। आवेदिका द्वारा अभिलेखों की स्वप्रमाणित प्रति, जो स्वच्छ व पठनीय हो, अपलोड की जायेगी, जिनका उल्लेख उनके द्वारा ऑनलाइन फॉर्म में किया गया है।
12. यदि आवेदन में कोई त्रुटि होती है तो या कोई तथ्य आंकड़े / शैक्षिक अभिलेखों के प्राप्तांक / पूर्णांक गलत या कूटरचित पाये जायेंगे, तो अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा, स्वयं उत्तरदायी होंगी। त्रुटि सुधार हेतु ऑफलाइन आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
13. आय प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में समाज कल्याण अनुभाग–2 उत्तर प्रदेश शासन के शासनादेश संख्या– 22/2015/2123/26–2–2015 दिनांक 14.09.2015 (यथा संशोधित) द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में रू– 46080.00 वार्षिक एवं शहरी क्षेत्र में रू. 56460.00 वार्षिक आय सीमा का अनुपालन किया जायेगा। तहसील से ऑनलाइन डिजिटल हस्ताक्षर से निगर्त आय प्रमाण पत्र का ऑनलाइन सत्यापन किया जा सके।
14. एक आंगनबाड़ी केन्द्र पर एक परिवार की 02 महिलाओं की नियुक्ति आंगनबाड़ी कार्यकत्री/सहायिका पद पर नहीं की जायेगी।
15. रिक्त पदों का विस्तृत विवरण जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी/उपजिलाधिकारी/जिला कार्यक्रम अधिकारी/ खण्ड विकास अधिकारी / बाल विकास परियोजना के नोटिस बोर्ड पर एवं विभागीय वेबसाइट https://upanganwadibharti.inपर देखा जा सकता है।
16. अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय पत्र संख्या– सी–2484 दिनांक 11.11.2025 को जारी विज्ञप्ति को उपर्युक्त सीमा तक संशोधित माना जाए।

नोट:– रिक्तियों की संख्या घट–बढ़ सकती है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी
बदायूं

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना सं.: यॉं/301/इज्जतनगर/ओटी-26

मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये निविदा प्रपत्र में अंकित योग्यता मापदण्डों के अनुसार ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-1, कार्य का संक्षिप्त विवरणः यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में 02 वर्ष हेतु वैगन के सीबीसी, बोगी इत्यादि की मरम्मत से सम्बन्धित कार्य (स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार), अनुमानित मूल्य (रू.में): ₹ 1,95,18,129.40 (रूपये एक करोड़ पिच्यानवे लाख अठ्ठारह हजार एक सौ उनतीस एवं चालीस पैसे मात्र), बिड सिक्योरिटी (रू.में): ₹ 2,47,600/-(दो लाख सैतालिस हजार छः सौ रूपये मात्र), निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.): शून्य, कार्य अवधिः 02 वर्ष, निविदा खुलने की तिथि व समयः दिनांक 16-12-2025 को 15:30 बजे।

नोटः (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 25-11-2025 को समय 17:00 बजे से वेबसाइट ***www.ireps.gov.in*** पर टेण्डर खुलने की तिथि 16-12-2025 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। **(2)** उपरोक्त निविदा में ई–बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act 2000 के अंतर्गत CCA द्वारा जारी क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **(3)** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। यदि निविदा प्रपत्र में विशेषतः उल्लेखित नहीं है, ऐसी स्थिति में दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अस्वीकृत कर दिया जायेगा। **(4)** ई-निविदा हेतु बिड सिक्योरिटी का भुगतान नेट बैंकिंग अथवा भुगतान गेटवे अथवा निविदा प्रपत्र के अनुसार स्वीकार किया जायेगा।

उप मुयांइं/प्लान्ट, यांत्रिक कारखाना,
मुजाधि/यॉंत्रिक-**96** **इज्जतनगर**

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

डीईओ ने किया वेयर हाउस का निरीक्षण

बदायूं, अमृत विचार: डीएम अवनीश राय ने बुधवार को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम व वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इससे पहले डीएम ने संविधान दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ भी दिलाई। डीएम ने बताया कि ईवीएम व वीवीपैट वेयर हाउस में रखी है।

खनन कर रहे लोगों को ग्रामीणों ने दौड़ाया

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : डंपर और जेसीबी से मिट्टी खनन कर रहे लोगों को प्रधान पति और ग्रामीणों ने दौड़ा दिया। सूचना पर पुलिस पहुंची। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

थाना बिनावर क्षेत्र के गांव रसूलपुर पुठी के बीच श्मशान भूमि के पीछे बुधवार सुबह 11 बजे डंपर और जेसीबी से मिट्टी का खनन किया जा रहा था। ग्रामीणों ने प्रधान को सूचना दी। प्रधान पति ग्रामीणों के साथ मिलकर मौके पर पहुंचे, भीड़ को आता देखकर चालक डंपर और जेसीबी लेकर दौड़ने लगे। ग्रामीणों ने जेसीबी को रोक लिया तो कुछ लोगों ने जेसीबी चालक को जाने को कह दिया क्योंकि वह गांव में रास्ता रोके खड़ा था। किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक जेसीबी व डंपर चालक भाग चुके थे।

गांव के पास खनन करती जेसीबी और डंपर। ● अमृत विचार

- **ग्रामीणों के अनुसार खुद को हाईवे का ठेकेदार बता रहा था युवक**
- **हल्का लेखपाल ने बताया मामले की शिकायत मिली है, जांच होगी**

ग्रामीणों ने बताया कि जिस स्थान से मिट्टी उठाई जा रही थी वह ग्राम समाज की जमीन है। बगैर परमिशन मिट्टी नहीं उठाने दी जाएगी। ग्रामीणों के अनुसार मिट्टी ले जाने वाला व्यक्ति खुद को हाईवे का ठेकेदार बता रहा था। ग्राम प्रधान पति वीर सिंह ने बताया मिट्टी उठाने की सूचना पर पहुंचे थे। अगर दोबारा मिट्टी उठाई गई तो अधिकारियों से शिकायत करेंगे। हल्का लेखपाल जय राम ने बताया मामले की शिकायत मिली है। जांच कर रिपोर्ट तहसील प्रशासन को सौंपेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत नॉंद अलगनी वि.खं. भुता (बरेली)

पत्रांक: 38/लेखा/निविदा/वर्ष 2025–26 दिनांक: 24.11.2025

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत नॉंद अलगनी वि.खं. भुता बरेली में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम नॉंद अलगनी में सी.सी. निर्माण कार्य श्री दिनेश के मकान से रामआसरे के मकान तक जिसकी अनुमान लागत 3.24 लाख है। सामग्री सीमेन्ट, बजरी, बजरफुट, प्रथम ईट रोड़ा आदि आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण की जाती है। समस्त निविदाएं दिनांक 01.12.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत में दोपहर 12 बजे तक जमा कर सकते हैं। जिन्हें उसी दिन 4 बजे खोला जायेगा। जिस फार्म का टेन्डर सबसे कम दर का होगा। ग्राम पंचायत द्वारा उसे ही स्वीकार किया जायेगा।

विजय सिंह — **सचिव**
ताराचन्द्र — **ग्राम प्रधान**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11449/142सी0(ई0टेण्डर)–3/25 दिनांक: 20.11.2025

ऑन–लाइन अल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार स्वीकृति की प्रत्याशा में ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 28.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 05.12.2025 को ही अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जनपद शाहजहॉंपुर में रामगंगा नदी पर स्थित वजीरपुर घाट पर पान्टून पुल का निर्माण कार्य।	निर्माण खण्ड–1 लो0नि0वि0 शाहजहॉंपुर	81.00	6.05	2725.00	08 माह	ए एवं बी (सेतु कार्य हेतु)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP – 241447 **दिनांक:** 25/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(रथिन सिन्हा)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0
शाहजहांपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0
बरेली

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, शाहजहॉंपुर

पत्रांक: समग्र शिक्षा/एम.आई.एस./12200–207/2025–26 दिनांक: 26.11.2025

यू-डायस+ से सम्बन्धित प्रेस विज्ञप्ति

जनपद शाहजहॉंपुर में संचालित कक्षा 01 से कक्षा 12 तक के समस्त सरकारी / सहायता प्राप्त / मान्यता प्राप्त विद्यालयों (सी.बी.एस.सी., आई.सी.एस.सी., बेसिक शिक्षा, माध्यमिक बोर्ड, अल्पसंख्यक विभाग से संचालित मदरसा एवं अन्य) के द्वारा यू–डायस + 2025–26 ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से विद्यालय प्रोफाइल, शिक्षक प्रोफाइल एवं स्टूडेण्ट प्रोफाइल भरना अनिवार्य है, परन्तु कतिपय विद्यालयों (कक्षा 01 से 12) द्वारा अभी तक अपने विद्यालय का यू–डायस + 2025–26 में विद्यालय प्रोफाइल, शिक्षक प्रोफाइल एवं स्टूडेण्ट प्रोफाइल ऑनलाइन पूर्ण नहीं किया गया है। उपरोक्त श्रेणी के समस्त विद्यालयों से अनुरोध है कि यू–डायस+2025–26 पोर्टल https://udiseplus.gov.in पर नामांकित छात्र–छात्रा का GP, EP, FP एवं आधार आई.डी. जनरेट करने तथा ड्राप बॉक्स में एकत्रित छात्र–छात्राओं को सम्बन्धित विद्यालयों में इम्पोर्ट कराये जाने का कार्य दिनांक 30 नवम्बर 2025 तक पूर्ण कराते हुए डाटा सर्टीफाइड किया जाना है, क्योंकि दिनांक 30 नवम्बर, 2025 को भारत सरकार के द्वारा पोर्टल को बन्द कर दिया जायेगा तथा इसके उपरान्त पोर्टल पर कोई भी डाटा इण्ट्री सम्भव नहीं होगी। विद्यालय द्वारा स्वयं अपने यूजर आई.डी. से लॉगिन करके अध्ययनरत छात्र–छात्राओं का विवरण पोर्टल पर फीड किया जाना है। इसके उपरान्त भी यदि कोई भी छात्र–छात्रा यू–डायस+पोर्टल पर फीडिंग से वंचित रह जाता है, इसका समस्त उत्तरदायित्व विद्यालय का होगा। कतिपय विद्यालयों द्वारा यू–डायस+पोर्टल पर नामांकित छात्र–छात्राओं का GP, EP, FP अपार आई.डी. जनरेट तथा ड्रापबॉक्स में एकत्रित छात्र–छात्राओं को सम्बन्धित विद्यालयों में इम्पोर्ट का कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। यू–डायस+में उपरोक्त डाटा अपलोड न करने के उपरान्त भी सम्बन्धित विद्यालय के भौतिक रूप से संचालित पाये जाने पर सम्बन्धित विद्यालय के विरूद्ध शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत निर्धारित आर्थिक दण्ड लगाते हुये अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी, जिसके लिए सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य/प्रबन्धक व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।

दिव्या गुप्ता
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
शाहजहॉंपुर

फैक्ट्री से ले जाकर बेच दिया दूध, रिपोर्ट दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला श्यामनगर के कृष्णा पार्क निवासी पंकज गुप्ता ने सिविल लाइन पुलिस को तहरीर देकर बताया वह वासु मिल्क कलेक्शन सेंटर ऑयस फैक्ट्री के मालिक हैं। उनके पास दूध का कंटेनर है। जिसके चालक उसावां थाना क्षेत्र के कलक्टरगंज निवासी अमर सिंह हैं। उन्होंने दूध से भरा टैंकर अलीगढ़ के भोले बाबा मिल्क फूड प्राइवेट लि. के लिए भेजा था। 19 को चालक अमर सिंह, और क्वालिटी रिसीवर करीमपुर निवासी निर्देश यादव पुत्र फूल सिंह यादव दूध लेकर अलीगढ़ गए थे। उन दोनों ने मिलकर रास्ते में टैंकर का 250 किग्रा दूध कहीं बेच दिया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना सं0 55/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। **क्र0 सं0: 1 कार्य का विवरण:** मेण्डू डिपो में ट्रैक वैलास्ट के लिए निजी खदान से अद्यतन संशोधित पर्ची सहित, आर.डी.एस.ओ. स्पेसीफिकेशन आई.आर.एस.–जी.ई.–1 (फरवरी–2023) के अनुसार मशीन से तोड़ी गई पत्थर गिट्टी की रेलवे वैगनों में आपूर्ति एवं लदाई। **अनुमानित लागत रूपयों में :** 10,79,36,000.00/– **बयाना राशि रुपयों में (रु0) :** 6,89,700/– **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 10 (माह) 1. ई–निविदा दिनांक 16.12.2025 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। 2. ई–निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के **IREPS** वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)
मुजाधि/डब्लू–348 **इज्जतनगर**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

राशन की दुकान में अनियमितताएं मिलने पर लाइसेंस किया निलंबित

बिल्सी, अमृत विचार : जिला पूर्ति अधिकारी के निर्देश पर कम वितरण प्रतिशत वाले दुकानदारों की जांच कराई गई थी। पूर्ति निरीक्षक धीरज कुमार गुप्ता ने 19 नवंबर को तहसील क्षेत्र के गांव पलिया के उचित दर विक्रेता हर प्रसाद की दुकान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकान बंद मिली और विक्रेता हर प्रसाद मौके से अनुपस्थित पाए गए। इसके बाद पूर्ति निरीक्षक ने वहां मौजूद ग्रामीणों से जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि विक्रेता द्वारा निर्धारित तिथियों पर राशन वितरण शुरू नहीं किया जाता। कई बार वितरण का कार्य उसके पुत्र द्वारा किया जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि वितरण के समय विक्रेता का पुत्र कार्ड धारकों के साथ गाली-गलौज, दुर्व्यवहार करता है। राशन में घटतौली भी करता है

पूर्वोत्तर रेलवे

अधिसूचना संख्या : 217/2025

रेल यात्री बंधुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को सुविधा प्रदान करने हेतु गाड़ी संख्या - 15009/15010 गोरखपुर-पीलीभीत-गोरखपुर एक्सप्रेस का इज्जतनगर तक निम्नानुसार विस्तार किया जा रहा है-

15009/15010 गोरखपुर-पीलीभीत-गोरखपुर एक्सप्रेस का इज्जतनगर तक विस्तार का नियमित संचलन

15009 गोरखपुर-इज्जतनगर दिनांक 27.11.2025 से		↓ स्टेशन ↑	15010 इज्जतनगर-गोरखपुर दिनांक 28.11.2025 से	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	**22.15**	**गोरखपुर**	**07.00**	--
05.06	05.08	बाराबंकी	23.51	23.53
05.44	05.47	गोमती नगर	23.11	23.14
05.55	05.58	बादशाहनगर	22.58	23.01
06.10	06.45	डालीगंज	21.55	22.30
06.53	06.55	मोहिबुल्लापुर	20.55	20.57
07.25	07.27	सिधौली	20.22	20.24
07.56	08.01	सीतापुर जं.	19.47	19.52
08.22	08.24	हरगांव	19.20	19.22
08.45	08.50	लखीमपुर	18.58	19.03
09.15	09.17	गोला गोकरननाथ	18.28	18.30
09.55	10.00	मैलानी	18.00	18.05
10.28	10.31	पूरनपुर	17.07	17.10
11.40	11.45	पीलीभीत	16.05	16.10
12.15	12.17	भोजीपुरा	15.25	15.27
12.45	--	**इज्जतनगर**	--	**15.10**

नोट : 1. इज्जतनगर तक विस्तार होने के पश्चात गाड़ी सं. 15009/15010 डालीगंज से लखनऊ जं. के बीच निरस्त रहेगी।
2. गोरखपुर-बाराबंकी के मध्य के स्टेशनों के समय में कोई परिवर्तन नहीं है।

मुजाधि/टी-79 मुख्य यात्री परिवहन प्रबन्धक, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

तमंचे और कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

विजय नगला, अमृत विचार : चेकिंग कर रही बिनावर पुलिस ने दो लोगों को पकड़ा। जिनके पास से दो तमंचे और चार कारतूस बरामद हुए। एक को मुड़िया के जंगल और दूसरे को घटपुरी रेलवे लाइन के पास से पकड़ा। एक ने अपना नाम बरेली के थाना भमोरा क्षेत्र के गांव सिरोही निवासी फाजिल और दूसरे ने बिनावर क्षेत्र के गांव ब्यौर निवासी जावेद अली बताया। गिरफ्तारी करने वालों में उपनिरीक्षक संजीव कुमार, मनोज कुमार, शेरपाल सिंह समेत अन्य रहे।

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

वीरेंद्र कुमार सिंह : बरेली की योग्यतम संतान को मुख्यधारा में लाए

बरेली शहर अपने अस्तित्व के साथ ही वाणिज्य का प्रमुख केंद्र बना रहा। सल्तनत काल के बाद मुगल आए, उन्होंने भी बड़ा व्यापारिक केंद्र होने के नाते बरेली पर फोकस रखा। अंग्रेजों ने तो प्रशासनिक व्यवस्था के संचालन के लिए बरेली को ही केंद्र बना लिया। यहां तैनात रहे तमाम अधिकारियों ने शहर के विकास पर ज्यादा जोर दिया। इन सबके बीच जिले में तैनात रहे कुछ अफसरों ने लीक से हटकर काम किया और उनकी यादें लोगों के दिलो-दिमाग पर कायम हो गईं। ऐसे अफसरों की कार्यशैली की प्रशंसा करते हैं और नजीर के तौर पर पेश भी करते हैं। बरेलियंस के दिलो-दिमाग पर छाए अफसरों की फेहरिस्त लंबी है। इनमें जिन अफसरों की यादें लोगों के जेहन में लंबे समय से पैबस्त हैं, उनमें आईएएस अफसरों में दीपक सिंघल, रमारमण, नितीश कुमार, देशदीपक वर्मा, टी. वेंकटेश, वीरेंद्र कुमार सिंह, केबी अग्रवाल, संजय भूस रेड्डी, सीताराम मीणा, अनिल गर्ग, पुलिस अफसरों में सीडी कैंथ, उदयन परमार, वीके मौर्य, आनंद स्वरूप, गुरु वचन लाल, पीसीएस अफसरों में बाबा हरदेव सिंह,मंजुल जोशी, दिनेश कुमार सिंह शामिल हैं। कलेक्ट्रेट के प्रशासनिक अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हो चुके बनवारी लाल अरोड़ा बताते हैं कि बरेली में तैनात रहे सभी पुलिस और प्रशासनिक अफसर अपनी काबिलियत में बेमिसाल थे, लेकिन कई अफसरों ने अपनी कार्यशैली के जरिये लोगों को अपना मुरीद बना लिया। यही कारण है कि लोग आज भी उन्हें बड़े ही प्यार और अदब से याद करते हैं। अमृत विचार की मेरा शहर -मेरी प्रेरणा सीरीज में कुछ खास अफसरों के बारे में सुनील सिंह की विशेष रिपोर्ट ...

राधेश्याम कथावाचक के जरिये बना दिया साहित्यिक माहौल

रिटायर्ड आईएएस अफसर वीरेंद्र कुमार सिंह वर्ष 2018-19 में बरेली के कलेक्टर रहे। प्रशासनिक कार्यों के बीच बरेली में साहित्यिक माहौल बनाने में उन्होंने बड़ा योगदान किया, जो कि एक प्रशासनिक अफसर की भूमिका के रूप में बेहद अलग था। वह बताते हैं कि जब इस शहर में आए और उन्होंने लोगों से बात शुरू की तब पता चला कि बरेली शहर की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को लोग विस्मृत कर रहे हैं। राधेश्याम रामायण देश के तमाम हिस्सों में आज भी प्रचलित है। अवधी रामलीला का मुख्य आधार ही राधेश्याम रामायण है। इसके अलावा पंजाब से लेकर लाहौर तक उनकी रामायण पढ़ी और मंचित की जाती थी। यही नहीं अपनी विशिष्ट शैली के कारण उनके लिखे नाटकों का उत्तर भारत में जबरदस्त आकर्षण था। वह कहते हैं कि इस बात से उन्हें बहुत आघात लगा कि बरेली शहर के ही लोग राधेश्याम कथावाचक को भूलते जा रहे हैं।

वह कहते हैं कि इसके बाद तय किया कि बरेली की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को एक बार फिर जनमानस के बीच में स्थापित करेंगे। इसके लिए शहर के प्रमुख रंगकर्मियों और साहित्यकारों को जोड़ा। शहर के प्रबुध लोगों को योजना पसंद आई और पहली संजय कम्युनिटी हाल में उनके जन्मदिन 25 नवंबर पर सप्ताह भर का पंडित राधेश्याम कथावाचक नाट्य उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें पंडित जी के नाटकों का मंचन किया गया। शहर के गणमान्य लोग, प्रबुद्ध जन और आम लोग पहुंचे। कार्यक्रम के बाद से पंडित जी के लेखन को लेकर शहर में सकारात्मक माहौल बना। वह बताते हैं कि उनके कार्यकाल में दो बार आयोजन हुआ। उनके जाने के बाद शहर के लोगों इस आयोजन की कमान संभाल ली। तीसरा आयोजन फ्यूचर यूनिवर्सिटी में किया गया। इस आयोजन में वह लखनऊ से आकर शामिल हुए थे। शहर के वरिष्ठ पत्रकार रणजीत पांचाले समेत अन्य लोग आयोजन की कमान संभाले हुए हैं। रणजीत पांचाले बताते हैं कि पिछले दो सालों से इस आयोजन का स्वरूप थोड़ा बदल गया है। अब उनके नाटकों के मंचन से ज्यादा बौद्धिक पक्ष पर चर्चा पर फोकस किया जाता है। हालांकि उनके नाटकों का मंचन भी जारी है। अभी कुछ समय पहले उनकी पुण्यतिथि पर शहर में आयोजित नाट्य महोत्सव में राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का मंचन किया गया है। उन्होंने प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित नाट्य उत्सव का आयोजन कराया था।

जिला लाइब्रेरी में स्थानीय रचनाकारों की बनवाई दीर्घा

बकौल वीरेंद्र कुमार सिंह राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का आकर्षण महान उपान्यासकार प्रेमचंद के उपन्यास गबन को पढ़कर समझा जा सकता है। गबन उपन्यास का नायक गबन करने के बाद पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए कलकत्ता में जाकर छिप जाता है। अपनी फरारी के दौरान उसे पता चलता है कि कलकत्ता शहर में राधेश्याम कथावाचक के नाटक का मंचन होने जा रहा है। यह जानते हुए कि पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है, लेकिन उपन्यास का नायक अपने छिपे हुए स्थान से बाहर निकल कर नाटक देखने के लिए पहुंच जाता है। रणजीत पांचाले कहते हैं कि वीरेंद्र कुमार सिंह का योगदान यहीं नहीं रुक जाता है। उन्होंने इस शहर के प्रमुख साहित्यकारों प्रख्यात शायर वसीम बरेलवी से लेकर प्रबुद्ध आलोचक मधुरेश तक की रचनाओं को संकलित कराकर राजकीय पुस्तकाल में अलग दीर्घा बनवाई थी। इस दीर्घा में बरेली के सभी साहित्यकारों की रचनाओं को स्थान दिया गया था। जिला जेल में प्रेमचंद का साहित्य रखवाया गया था।

एलेक्जेंटर इज्जत : पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाकर इज्जत नगर के रूप में शहर का हिस्सा हो गए

अंग्रेजी शासनकाल में बरेली व्यापार के साथ ही शासन प्रशासन का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया था। अंग्रेजों ने आसपास के क्षेत्रों पर अपना आधिपत्य बरकरार रखने के साथ कारोबार के लिए द्रुतगामी यातायात के साधनों का विकास शुरू किया। अंग्रेजों ने 1857 में पहाड़ों को मैदानी हिस्से से जोड़ने की परियोजना पर काम शुरू हुआ। ब्रिटिश रेलवे अफसर एलेक्जैंडर इज्जत ने 1883 में परियोजना की कमान संभाली। उन्होंने बरेली-काठगोदाम रेलवे ट्रैक काम शुरू किया। इसके साथ ही बरेली से लखनऊ के लिए रेलवे लाइन बिछा दी।

एलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने 31 साल की रेलवे की सेवा

अलेक्जेंडर इज्जत के नाम पर वाराणसी-प्रयागराज रेलवे लाइन पर प्रयागराज में गंगा नदी पर बने पुराने पुल को भी इज्जत पुल कहा जाता था। इस पुल के पहले कमांडर अलेक्जेंडर इज्जत थे। उन्होंने 1883 से 1904 तक बीएनडब्ल्यूआर के दूसरे एजेंट के रूप में कार्य किया। इसी दौरान सोनपुर से चोपन, सीवान, गोरखपुर होते हुए लखनऊ तक बीएनडब्ल्यूआर की मुख्य लाइन बिछाई गई थी। एलेक्जेंडर इज्जत के पुत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डब्ल्यू. आर. 1920 से लेकर 1927 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट नियुक्त रहे। उनके पुत्र सर जे. रेनी इज्जत 1941 से 1944 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट रहे। पिता-पुत्र-पौत्र की इस तिकड़ी ने 31 वर्षों तक इस रेलवे के भविष्य को आकार दिया, जो पूर्वोत्तर रेलवे के गठन के महत्वपूर्ण वर्ष थे।

इज्जत स्टेशन से रेलवे डिवीजन बनने की कहानी

बरेली स्थित इज्जत नगर रेलवे स्टेशन की स्थापना 1875 में की गई थी। नार्दर्न रेलवे मेंस यूनियन से जुड़े बसंत चतुर्वेदी कहते हैं कि अलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाने के लिए कार्य किया। अलेक्जेंडर इज्जत के काम के सम्मान में, स्टेशन का नाम इज्जत रेलवे स्टेशन रखा गया था। लोगों ने धीरे-धीरे इसे इज्जत नगर कहना शुरू कर दिया और यही नाम रेलवे रिकॉर्ड में भी दर्ज हो गया है। आजादी के बाद 14 अप्रैल 1952 को इज्जत नगर को पूर्वोत्तर रेलवे का डिवीजन बना दिया गया।

बाबा हरदेव सिंह : रसूख के आगे कभी नहीं थमा निगम का बुलडोजर

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के बुलडोजर बाबा के रूप में प्रसिद्ध होने से करीब 23 साल पहले यूपी सरकार के पीसीएस अफसर हरदेव सिंह बुलडोजर वाला अफसर के नाम से प्रसिद्धि पा चुके हैं। बाद में तो उनके नाम के बाबा शब्द जुड़ गया और वह आज भी बाबा हरदेव सिंह के नाम से ही जाने-पहचाने जाते हैं। बरेली शहर में 30 साल पहले मात्र छह महीने के कार्यकाल में ही उन्होंने नगर निगम जैसी राजनैतिक संस्था को प्रशासनिक संस्था के रूप में बदल दिया था।

पीसीएस अफसर हरदेव सिंह को 27 सितंबर 1995 को बरेली के नगर आयुक्त पद पर तैनाती मिली थी। यहां पहुंचते ही उन्होंने सबसे पहले नगर निगम कार्यालय के कर्मचारियों पर अंकुश लगाया। उनकी लेटलतीफी, बिना बताये कार्यालय से गायब होने पर अंकुश लगा दिया। इसके बाद उन्होंने सफाई कर्मचारियों पर शिकंजा कसना शुरू किया। बरेली के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अनुपम मार्कंडेय बताते हैं कि हरदेव सिंह सुबह छह बजे ही सड़कों पर निकल पड़ते थे। सड़कों और नालियों की सफाई को बेहद संजीदगी से चेक करते थे। कई बार तो वह स्वयं नाली में हाथ डालकर चेक करते थे कि सिल्ट पूरी तरह से निकाली गई है या नहीं। सफाई मनमाफिक न मिलने पर दुबारा अपने सामने सफाई कराते थे।

वह कहते हैं कि हरदेव सिंह का असली रूप तो अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई को लेकर दिखा। हरदेव सिंह ने इस शहर को पहली बार बताया कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं। उस दौर में शहर के बड़े-बड़े शूरमाओं के अतिक्रमण देखते-देखते ध्वस्त करा दिए। धीर-धीरे उनके खिलाफ माहौल बनने लगा। रसूख वालों ने हरदेव सिंह से परेशान नगर निगम कर्मचारियों से उनके खिलाफ मोर्चा खुलवा दिया। सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। नगर निगम के गेट पर मरा हुआ कुत्ता रस्सी से बांध कर लटका दिया गया और कूड़े के ढेर लगा दिए गए। इसके बाद शासन ने 31 मार्च 1996 को उनका तबादला कर दिया।

मंजुल जोशी : बवालियों को नाम से बुलाकर कर देते थे शर्मशार

सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील हो चले बरेली शहर में लंबे समय तक या यूं कहें कि रिकॉर्ड समय तक एडीएम सिटी रहने वाले मंजुल कुमार जोशी शहर के लोगों के दिलों में आज भी बसते हैं। सिटी मजिस्ट्रेट फिर एडीएम सिटी के दो कार्यकाल पूरे करने वाले मंजुल कुमार जोशी उत्तराखंड राज्य बनने पर वहां भेज दिए गए थे। उत्तराखंड में आईएएस कैडर से सेवानिवृत्त होने वाले मंजुल कुमार जोशी इन दिनों हल्द्वानी में रहते हैं, लेकिन बरेली लगातार उनके दिलों में बसता है। मंजुल कुमार जोशी की खासियत यह रही है कि वह बरेली शहर के चप्पे-चप्पे से ही वाकिफ नहीं थे, बल्कि यहां रहने वाले लोगों को भी व्यक्तिगत रूप से जुड़े हुए थे। बरेली शुरू से ही संवेदनशील शहर था और आए दिन दोनों समुदायों के लोग आमने-सामने आ जाते थे, लेकिन जब मंजुल जोशी उनके बीच में आ जाते तो दो दोनों पक्ष शांत हो जाते थे, क्योंकि आमने-सामने खड़े अधिकांश लोग उनके अजीज हुआ करते थे। ऐसे में उन लोगों की तनी हुई हुईं भौंहें अपने आप झुक जाया करती थीं। मंजुल जोशी बरेली में 1982 से 1984 तक एसडीएम, फिर 1990 से 1995 तक सिटी मजिस्ट्रेट और एडीएम सिटी के रूप में तैनात रहे। बाद में दो साल के लिए नैनीताल स्थित प्रशासनिक अकादमी में तैनात रहे और वर्ष 1997 में फिर एडीएम सिटी के पद पर नियुक्त किए गए। बाद में कुछ समय के लिए अपर आयुक्त के पद भी तैनात रहें। वर्ष 2001 में अलग उत्तराखंड राज्य बनने पर उन्हें वहां भेज दिया गया।

बरेली में तैनाती के दिनों को लेकर जब उनसे बात शुरू हुई तो जैसे उनके अंदर से 10 साल से ज्यादा समय तक बरेली में गुजारे गए समय की बहुत सी यादों की गांठें खुलती चली जा रही हों। वह कहने लगे कि

> मैंने काफी समय पहले एक फिल्म देखी थी, फिल्म का नाम तो नहीं याद आ रहा है, लेकिन उसके विलेन का एक बहुत चर्चित डॉयलाग था, वह आज भी याद है। फिल्म में डायलाग था कि इस शहर की ऐसी कोई हूर नहीं जिसे वह जानता नहीं, उसी तरह बरेली शहर के बारे में मेरा अनुभव है। बरेली शहर की ऐसी कोई गली नहीं और वहां रहने वाला चाहे नोटोरियस हो या फिर प्रबुध नागरिक, सभी को वह जानते हैं। इनमें से बहुत सारे लोगों से आज भी संपर्क है और त्योहारों तथा खास मौकों पर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान भी होता है।

बरेली बहुत हसीन जगह थी और यहां का सहजीवन लाजवाब था। जैसे पूरे देश का सहजीवन बिखर रहा है, उसी तरह बरेली में भी दरारें खिंचती जा रही हैं। पहले ऐसा नहीं था। सत्ता में भागीदारी और आर्थिक साधनों को लेकर टकराव तो अवश्य होते थे, लेकिन दिलों की दूरियां कम नहीं होती थीं। बरेली में पहली बार बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय जो बवाल हुआ उसमें कई लोगों की जानें गईं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन के हाथ से निकल गए और शासन के निर्देश पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना बुलानी पड़ी। धीरे-धीरे माहौल शांत हुआ, जीवन पटरी पर लौटने लगा, लेकिन दिलों में खाई चौड़ी हो गई। बाद में वर्ष 1995 में बिहारी पुर मोहल्ले से एक जुलूस निकाला गया और सिविल लाइन्स में हनुमान मंदिर के सामने नमाज अता किए जाने से बवाल भड़क उठा। उन लोगों ने संभालने के लिए बहुत प्रयास किए। अगले दिन तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती का बरेली दौरा प्रस्तावित था। यह माहौल खराब करने की जान-बूझकर कोशिश की गई थी। हालात नियंत्रित न होते देखकर शहर में कर्फ्यू लगाना पड़ा और पूरे प्रशासनिक अमले का ट्रांसफर कर दिया गया। हालांकि दो साल बाद पुनः एडीएम सिटी के पद पर तैनाती मिल गई, लेकिन शहर की फिजां काफी बदल चुकी थी। लोग उनकी बात तब भी सुनते थे, लेकिन अदब-लिहाज तो कम हुआ था।

वह कहते हैं कि बरेली की बसावट ऐसी है कि बिना सहजीवन के अस्तित्व ही नहीं बचेगा। प्रशासनिक अफसरों को इसे समझना होगा। इसके लिए उन्हें बरेली की गलियों में जाकर देखना होगा। सामाजिक ताने-बाने को समझना होगा। वहां के लोगों से राब्ता कामय करना होगा। उनके सुख-दुख में शरीक होना होगा। वह कहते हैं कि उम्मीद अभी कायम है। शहर में कई इंस्टीट्यूशन ऐसे हैं जो अभी भी समाज को जोड़े रखने की कोशिशों में जुड़े हुए हैं। वह कमजोर अवश्य हुए हैं, लेकिन पूरी तरह से खारिज नहीं हुए हैं, इससे एक उम्मीद अवश्य जगती है। अंत में वह कहते हैं कि ...

भरोसे पर किसी के जब भी ठोकर खाई होती है,
तो सारी जिंदगी उस जख्म की तुरपाई होती है।

पीटर क्लटर बक : कलक्टरबक गंज आज भी गाता जिसकी गौरव गाथा

यूनाइटेड प्रॉविंस के चीफ कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट सर पीटर क्लटर बक तत्कालीन संयुक्त प्रांत में अपनी तैनाती के दौरान वनों को संरक्षित करने के लिए उन्हें आर्थिकी के साथ जोड़ने का प्रयास किया। उनका मानना था कि जब तक वनोपज धनोपार्जन का जरिया नहीं बनेगी तब तक वनों को संरक्षित नहीं किया जा सकेगा। स्थानीय लोगों को वनों को आर्थिक रूप से मददगार या उनके रोजगार का जरिया बनाना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने बरेली जनपद में 1918 में एक यूटिलाइजेशन सर्किल बनाया था। पहले इस इलाक़े को महेशपुर अटरिया के नाम से जाना जाता था। बाद में इसे सर पीटर के सम्मान में क्लटर बक गंज कहा जाने लगा। स्थानीय लोगों की जुबान पर अंग्रेजी नाम चढ़ने में दिक्कत दे रहा था, इसलिए धीरे-धीरे इसका नाम कलक्टरबक गंज प्रचलित हो गया। यह आज भी बरेली के औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित है।

पीटर क्लटर बक के प्रयास रंग लाए और यहां पर वनोपज पर आधारित उद्योग स्थापित हुए। इससे जंगली क्षेत्र और इसके आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैया हुए। यहां पर 1926 में भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) की स्थापना हुई। वनों से निकलने वाला लीसा इसका मुख्य कच्चा माल था।

एफआरआई देहरादून में क्लटर बक के नाम पर सड़क

बरेली के वरिष्ठ पत्रकार प्रभात सिंह बताते हैं कि वनों के संरक्षण और उनके आर्थिक दोहन के लिए लिए सर पीटर क्लटर बक की ओर से किए गए उल्लेखनीय कार्यों को सम्मान देने के लिए देहरादून स्थित फॉरेस्ट रिसर्च इंटीट्यूट में एक सड़क का नाम क्लटरबक रोड रखा गया है। वह आगे जोड़ते हैं कि जंगलों के संरक्षण और उन्हें विस्तार देने के लिए किए गए प्रयासों के लिए क्लटर बक इससे ज्यादा सम्मान के पात्र थे, लेकिन कलक्टरबक गंज के रूप में वह हमेशा हमारे बीच जीवित रहेंगे।

अंग्रेजी कंपनी के ठेकेदार भारतीय मजदूरों से जंगल से लीजा इकट्ठा कराते थे और कंपनी को आपूर्ति करते थे। इसके कुछ समय बाद 1937 में वेस्टर्न इंडियन मैच कंपनी (WIMCO) स्थापित हुई। यहां पर कैंफर फैक्ट्री की भी स्थापना की गई। इन उद्योगों के जरिये क्लटर बक गंज की पहचान प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में होने लगी। बड़े उद्योग धंधे स्थापित हुए तो आवागमन बढ़ा, इसलिए क्लटर बक गंज के नाम पर मुरादाबाद-लखनऊ रेल रूट पर रेलवे स्टेशन स्थापित किया गया। आजादी के बाद 1958 में यूपी राज्य औद्योगिक विकास निगम (यूपीएसआईडीसी) ने क्लटर बक गंज में औद्योगिक एस्टेट की स्थापना की। इसके बाद कई स्थानीय उद्यमियों ने अपने उद्योग स्थापित किए। हालांकि औद्योगिक नीतियों में बदलाव और अन्य स्थानीय कारणों से भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) कारखाने ने अप्रैल 1998 में उत्पादन बंद कर दिया और कभी देश भर में माचिस की आपूर्ति करने वाली विमको फैक्ट्री 2014 में बंद हो गई। हालांकि क्लटर बक गंज से ही सटे परसाखेड़ा में कई नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही हैं।

अमृत विचार

गुरुवार, 27 नवंबर 2025

आलोचना और स्वतंत्र सोच, क्रांतिकारी के दो अनिवार्य गुण हैं।

–शहीदे आजम भगत सिंह

हवा की दवा करें

धरती पर सबसे जहरीली हवा हमारी राजधानी की है। यह न केवल देश की, बल्कि वायु प्रदूषण की वैश्विक राजधानी बन गई है। इसका वायु प्रदूषण स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से 20 गुना होना दर्शाता है कि स्थिति बेलगाम है। हर साल अक्तूबर से फरवरी तक राजधानी की जहरीली हवा पर खबरों का तकरीबन रोज़ाना रिपीट होना इस बात का प्रमाण है कि इस स्थिति के प्रति हम महज़ बयानबाज़ी और खानापूरी तक सीमित हैं। समस्या के समूल समाधान के प्रति हमारी व्यवस्था में व्यापक अकर्मण्यता और पर्याप्त उदासीनता व्याप्त है। इसका सबूत है कि डब्ल्यूएचओ ने जब 2016 में दुनिया के सबसे 15 प्रदूषित शहरों की सूची जारी की, तो दिल्ली अव्वल थी। आज 2025 में भी हालात कमोबेश वही हैं।

आज सर्वाधिक वायु प्रदूषण वाले 183 देशों में हमारा स्थान 177वां है। यह धारणा बलवती है कि दिल्ली या बड़े औद्योगिक शहरों की हवा ही ज़हरीली है और बाकी जगहें अपेक्षाकृत दुरुस्त हैं, पर ऐसा नहीं है। बरेली, मुरादाबाद, लखनऊ, अयोध्या जैसे तमाम शहरों के लोग वायु गुणवत्ता सूचकांक के 200 के आसपास की हवा में जी रहे हैं, जो बहुत अस्वास्थ्यकर है। वे यह सोच भी नहीं सकते कि कभी वायु प्रदूषण से ग्रस्त नार्वे के ओस्लो का औसत एक्यूआई 1–2 तक, ऑटो इंडस्ट्री के चलते कभी कुख्यात डेट्रॉइट का 8 और भारी वाहन यातायात व औद्योगिक गतिविधियों के लिए जाना जाने वाला अल्जीयर्स का 11 भी हो सकता है। सरकार हो या समाज, यह लापरवाही आत्मघाती है। इससे पहले कि वातावरण दमघोंटू हो जाए और सवा दशक पहले के बीजिंग, हेबेई और तिआनजिन जैसे शहरों की तरह अस्पतालों के बेड वायु प्रदूषण प्रभावितों से भर जाएं, लोग कैन या पाउच में अपनी साफ हवा लेकर चलें और खास तरह के मास्क व पोर्टेबल ऑक्सीजन कैन जैसे उत्पादों वाला 'प्रदूषण बाज़ार' लोगों को बेज़ार करे, हमें इस समस्या का स्थायी हल खोजना होगा। तय है कि पानी का छिड़काव, कृत्रिम बारिश या कुछ समय के लिए वाहनों पर रोक जैसे अस्थायी समाधान इस जहरीली हवा की अकसीर दवा नहीं बन सकते। हमें दीर्घकालिक, संरचनात्मक उपाय करने होंगे।

बहुत से देशों और शहरों ने अपने वायु गुणवत्ता सूचकांक को सैकड़ों से सतत प्रयासों के जरिए दहाई तक ला दिया। क्या हमें उनसे सीख लेकर वैसे ही उपाय अपनाने चाहिए, या अपनी व्यवस्था, समाज और मिज़ाज के अनुरूप समाधान तलाशने होंगे? यूरोपीय देशों या शहरों की बजाय हमारे लिए चीन एक अधिक उपयुक्त मॉडल लगता है, क्योंकि दोनों के लिए विकास और शहरीकरण वायु प्रदूषण के समान कारक हैं। उसने दीर्घ अवधि की नीतियों और त्वरित क्रियाओं का संयोजन लागू किया है। चीन ने इस बाबत सहयोग की पेशकश भी रखी है। संभव है सरकार सीमा विवाद को परे रख इस मामले में सहयोग की पहल करे। कुछ भी हो वर्तमान में जब सांस दर सांस भारी होती जा रही है, ऐसे में ऐसी भयावह स्थिति में सबसे ज़रूरी है कि साफ हवा के लिए जन-जागरूकता बढ़े और सरकार वोट का मुद्दा न होने के बावजूद इससे निबटने का पूरी ईमानदारी से स्थायी प्रयास करे।

प्रसंगवश

यूपी-बिहार से लौट रहे श्रमिकों का संकट

दिवाली, छठ पूजा और बिहार चुनाव हो जाने के बाद यूपी–बिहार के लाखों प्रवासी श्रमिक अब सूरत, मुंबई, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और देश के अन्य औद्योगिक शहरों की ओर लौट रहे हैं, लेकिन वापसी की यह यात्रा उनके लिए पहले से अधिक कष्टदायक, महंगी और जोखिम भरी साबित हो रही है। रेल प्रशासन द्वारा पर्याप्त विशेष ट्रेनों की व्यवस्था न किए जाने, बस ऑपरेटरों द्वारा मनमाना किराया वसूलने और जनरल कोचों में भयावह भीड़ जैसी समस्याओं ने मजदूरों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। यह स्थिति केवल यात्रियों की परेशानी नहीं, बल्कि उन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी गंभीर चुनौती है, जिनकी अर्थव्यवस्था यूपी–बिहार के श्रमिकों पर निर्भर है। खासकर सूरत का टेक्सटाइल सेक्टर।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

उत्सव की उमंग के बाद लौटने का संघर्ष है। दिवाली और छठ बिहार-यूपी के लिए सबसे बड़े सामाजिक, धार्मिक पर्व माने जाते हैं। इन दिनों प्रवासी श्रमिक अपने परिवारों के बीच रहना चाहते हैं, इसलिए लाखों की संख्या में लोग वापस अपने गांव, कस्बों की ओर जाते हैं। त्योहार और चुनाव खत्म होते ही जब वे रोज़गार के लिए लौटना चाहते हैं, तो उन्हें सबसे पहले जिस समस्या का सामना करना पड़ता है, वह है कन्फर्म टिकट का संकट। सूरत, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, राजस्थान सहित देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों से यूपी–बिहार आने वाली लगभग सभी ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लंबी है।

इधर से जाने वाली तकरीबन सभी ट्रेनों में एक भी कन्फर्म सीट मिलना लगभग नामुमकिन हो चुका है। स्थिति यह है कि त्योहार वाले सप्ताह में भर गई वेटिंग अब भी कम होने का नाम नहीं ले रही। कन्फर्म टिकट न मिलने के कारण लाखों यात्री मजबूरी में जनरल कोचों में सफर कर रहे हैं। इन डिब्बों की स्थिति इतनी दयनीय है कि लोग इसे दहनिय कोच कहने लगे हैं। भीड़, घुटन, गर्मी और जान जोखिम में डालने वाली यात्रा हो गई है। एक कोच की क्षमता 100-120 यात्रियों की होती है, लेकिन इसमें 400-500 लोग ठूंसे जा रहे हैं। शौचालय तक पहुंचना असंभव है। खड़े रहने की जगह तक नहीं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। रेल प्रशासन इस भीड़ को नियंत्रित करने में असमर्थ दिखाई देता है। सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिहाज से यह स्थिति बेहद खतरनाक है।

बस ऑपरेटरों की मनमानी की वजह से किराया ढाई से तीन गुना बढ़ा दिया गया है। जब ट्रेन में जगह नहीं मिलती, तो श्रमिकों के पास बस का विकल्प बचता है, लेकिन बस ऑपरेटर स्थिति का फायदा उठाकर यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। बिहार–यूपी से सूरत का किराया सामान्य दिनों में 1800–2200 रुपये होता है। मौजूदा स्थिति में वसूला जा रहा किराया 5000 रुपये तक है। किराए में न भोजन मिलता है न आराम और कई बार तो असुरक्षित व अवैध बसों में यात्रा करनी पड़ती है। दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह खर्च बहुत भारी पड़ता है। जो लोग त्योहार के दौरान अपनी जमा-पूंजी खर्च कर चुके होते हैं, वे लौटते समय कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं।

बाधित यात्रा का सबसे बड़ा असर सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर पड़ा है। सूरत, जो देश का सबसे बड़ा सिंथेटिक टेक्सटाइल हब है, उसकी रीढ़ यूपी–बिहार के ही श्रमिक हैं। पावरलूम, डाइंग, प्रिंटिंग, एम्ब्रॉयडरी और फिनिशिंग यूनिट्स में काम करने वाले 60–70% मजदूर इन्हीं राज्यों से आते हैं। त्योहार के बाद आधी मशीनें बंद पड़ी हैं। मजदूर नहीं लौटने से उत्पादन घट रहा है।

भारतीयों की सभ्यता और सोच के संदर्भ

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

यूरोप व अमेरिका से जब नस्लीय भेदभाव और हिंसा की खबरें आती हैं, तो हम हिंदुस्तानी जाहिर करते हैं, जैसे इन देशों ने आर्थिक तरक्की भले कर ली हो, लेकिन वास्तव में उनका सभ्य होना अभी बाकी है। इस तरह की धारणाएं हमारे अतीत या भविष्य में 'वसुधैव कुटुंबकम्' का उद्घोष करने वाला विश्वगुरु होने के दावे को वैधता भी देती हैं। हमारे समाज की सचाई अचानक सामने आ गई, जब कोलकाता में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रहे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और विकेट कीपर ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहकर संबोधित किया। बुमराह ने एक बहुप्रचलित देसी गाली भी दी। याद आना स्वाभाविक है कि इसके पहले हरभजन सिंह ने एंड्रू साइमंड को 'मंकी' कहा था, जिसे एक नस्लीय टिप्पणी मानकर उन्हें दंडित भी किया गया था।

भारत जब अंग्रेजों के अधीन था, यह नस्लवाद दो स्तरों पर दिखाई देता था। अंग्रेज खुद को श्रेष्ठ मानते थे। भारतीयों को काला और असभ्य कहते थे। वे घमंड से भरकर सोचते थे कि श्रेष्ठ होने के कारण असभ्य और गंदे भारतीयों को सभ्य बनाना उनका दायित्व है। इस सिद्धांत को 'वाइट मैंस बर्डेन' के नाम से जाना जाता है। यानी बलपूर्वक कायम किए गए अपने औपनिवेशिक वर्चस्व को सभ्यता का दायित्व बताया जाता था। दूसरे स्तर पर कुछ शास्त्र सम्मत घोषित ऊंची जातियों के भारतीय दूसरे अनार्य, द्रविड़ और आदिवासी भारतीयों को अपने से नीचा ही नहीं मानते थे, बल्कि उनको छूने से भी बचते थे। स्पर्श हो जाए तो उन्हें दंडित करने के बहुत से क्रूर तरीके प्रचलन में थे।

> हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल के रूप में देखते रहे हैं और आज भी देखते हैं।

नस्ली सोच के इन दो स्तरों का एक अच्छा उदाहरण आजादी से पहले बांबे जिमखाना क्लब की क्रिकेट टीम हुआ करती थी, जिसमें गोरे और भारतीय दोनों तरह के खिलाड़ी शामिल थे। इस टीम के इकलौते मीडियम पेसर गेंदबाज का नाम था, पावलंकर बालू, जिसे अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में जाने की मनाही थी। दलित होने के कारण उसके लंच की व्यवस्था भी बाकी खिलाड़ियों से अलग की जाती थी। बंगाल की जैसोर रियासत के राजा ने यह भेदभाव देखा तो पी बालू को अपने यहां ले गए। पी बालू पहले डॉ. भीमराव आंबेडकर के समर्थक रहे, फिर कई साल बाद उनके खिलाफ चुनाव भी लड़े।

इस नस्लीय श्रेष्ठता का एक तीसरा स्तर पर भी है, जिसके तहत भारतीय अफ्रीकी लोगों को अपने से नीचा मानते रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत का ईडन गार्डेन मैदान पर पहले टेस्ट मैच के दौरान दक्षिणी अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहना इस सोच का एक और नमूना भर है। अपने यहां काला, नाटा, काना, लूला-लंगड़ा यानी हर तरह की भिन्नता के आधार पर अपमानजनक शुभ-अशुभ विचार और कर्मकांडों की परंपरा रही है। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि भारत दशकों तक गोरे करने वाली एक खतरनाक क्रीम का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश क्यों रहा है! काला होना सामाजिक अभिशाप है! यह आज भी वैवाहिक विज्ञापनों पर एक नजर डालने से समझ में आ जाएगा।

जब दुनिया में अपने ही जैसा काला या भूरा समझा जाने वाला कोई भारतीय नस्ली आधार पर अफ्रीकियों का उपहास करता है, तो उन्हें दोहरी चोट लगती है। अफ्रीका के लोग भारतीयों की ही तरह गोरों के नस्लवाद के शिकार रहे हैं। वहां के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक जीवन पर गोरों का लंबे समय तक वर्चस्व रहा है। नेल्सन मंडेला ने चौथाई सदी से लंबी जेल काटी और लंबा संघर्ष चला, तब जाकर रंगभेदी शासन का अंत हुआ। याद आना स्वाभाविक है कि 1948 में गोरों ने एक ऐसा कानून बनाया था, जिसके तहत कोई भी अश्वेत दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम में शामिल नहीं हो सकता था।

अभी सिर्फ नौ साल पहले 2016 में 11 में से छह अश्वेत खिलाड़ियों को अफ्रीकी क्रिकेट टीम में शामिल करना अनिवार्य किया गया। इन छह में से भी कम से कम दो खिलाड़ी 'अफ्रीकी ब्लैक' होने चाहिए, यह व्यवस्था की गई।

यह आरक्षण है जिसके तहत दो स्थान अफ्रीका के मूल निवासियों के लिए निश्चित हैं। इस नई व्यवस्था के समय कहा गया था कि इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ी टीम से बाहर हो जाएंगे और अफ्रीका क्रिकेट में फिसड्डी हो जाएगा। ऐसा कुछ नहीं हुआ, बल्कि अफ्रीकी ब्लैक खिलाड़ी इस टीम की रीढ़ बन गए। इसके एक उदाहरण अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंब बेवुमा भी हैं। उन्होंने अफ्रीकी टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब आस्ट्रेलिया को हरा कर दिलाया।

भारतीयों का यह नस्लीय श्रेष्ठता बोध बहुत प्राचीन है और यह सिर्फ अफ्रीकी लोगों तक सीमित नहीं है। हिंदी पट्टी के गेंहुए रंग के लोग खुद को दक्षिण भारत के और हिंदीभाषी प्रांतों के भी काले रंग के लोगों की तुलना में श्रेष्ठ मानते हैं। हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल का। आज भी देखते हैं। इस बोध के सबसे बुरे शिकार पूर्वोत्तर के आदिवासी होते आए हैं जिन्हें अपमानजनक 'चिंकी' नाम से पुकारा जाता रहा है। अन्य हिस्सों के आदिवासियों को भी इसका दंश झेलना पड़ता है।

इन दोनों प्रसिद्ध खिलाड़ियों को अपने शर्मनाक व्यवहार के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि क्रिकेट का खेल नस्ली संघर्ष नहीं, सद्भावना का प्रतीक बने। पहले ही उसे एशिया के धार्मिक कट्टरपंथियों ने लगभग युद्ध का रूप दे दिया है। खेलों ने इतिहास में मनुष्यों के सर्वश्रेष्ठ गुणों को सामने लाने में अहम भूमिका निभाई है, उन्हें घृणा और युद्ध की जगह बनाने वालों के हवाले नहीं किया जाना चाहिए।

आमने सामने

एसआईआर के नाम पर लोगों को डराया जा रहा है। बीजेपी इसके जरिए वोटर लिस्ट फिक्स कर रही है। भाजपा मेरे खेल में मुझे हरा नहीं सकती। बीजेपी ने बंगाल में उन पर हमला करने की कोशिश की, तो वो पूरे भारत में बीजेपी की नींव हिला दूंगी।

–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

अब पश्चिम बंगाल में भी भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बनेगी। वो अब डरी हुई हैं। ममता बनर्जी अब पश्चिम बंगाल को नहीं बचा पाएंगी। वहां पर भी कमल खिलने जा रहा है। ये उनकी घबराहट का नतीजा है।

–केशव प्रसाद मौर्य
डिप्टी सीएम,
उत्तर प्रदेश

मनरेगा: 27 लाख श्रमिक हटे, सवालों में प्रक्रिया

शिवालिक अवस्थी
लेखक

मेहनत करके कमाने वाला हर श्रमिक यह सोचता है कि वह रोजगार प्राप्त करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर सके। विशेषकर अकुशल श्रमिक का यह सपना होता है कि उसे सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले रोजगार के दृष्टिकोण से सीधा लाभ प्राप्त हो सके, जिसके लिए वह सदैव प्रयासरत भी रहता है और जिस कारण वह पलायन करने से भी नहीं घबराता। किसी श्रमिक को काम यदि घर के आस-पास ही मिल जाए तो वह उसी काम को और भी लगन के साथ करता है।

आज के दौर में श्रमिकों को अपने घर-परिवार छोड़ कर कहीं दूसरी जगह जाकर काम करना पड़ता है। या यूं कहें तो एक राज्य से दूसरे राज्य में जाकर काम की तलाश करनी पड़ती है। एक जगह से दूसरी जगह पलायन करने के कारण श्रमिकों को कई तरह की कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। निश्चित ही अपना घर छोड़कर कहीं ओर जाकर काम करना भला किसको अच्छा लगता है? लेकिन परिवार की जिम्मेदारी श्रीमिकों को पलायन करने से रोक नहीं पाती। हालांकि सरकारें चाहती हैं कि श्रमिकों को उनके घर द्वार पर ही रोजगार के साधन उपलब्ध करवाए जाएं लेकिन यह कहना जितना सरल है वास्तविकता में उतना ही कठिन भी है।

> एक महीने में लगभग 27 लाख श्रमिक मनरेगा से हटा दिए गए हैं। कई लाख जोड़े भी गए हैं। यह आंकड़े प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं।

इसी कड़ी में वर्ष 2005 को भारत की केंद्र सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए रोजगार गारंटी योजना शुरू की गई। इस योजना का नाम राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रखा गया। हालांकि बाद में यानी वर्ष 2009 में इसका नाम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रख दिया गया। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों के सदस्यों को न्यूनतम मजदूरी भत्ते पर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया गया। इसके परिणामस्वरूप किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य इस योजना का हिस्सा बन सकते थे।

इसके तहत अकुशल वयस्क सदस्यों को भी कार्य करने के प्रति प्रोत्साहन दिया गया। यह मुख्यतः काम का अधिकार पर आधारित है। काम का अधिकार मतलब समाज में रह रहे हर व्यक्ति को अपनी रोजी-रोटी कमाने अथवा अपना परिवार चलाने के लिए काम का अधिकार उपलब्ध करवाना है। सामाजिक सुधार, महिलाओं का सशक्तिकरण, सुरक्षित आय व गांव का विकास इसके संचालन के मुख्य कारण माने जाते हैं।

हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के तहत बड़े चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। दरअसल, 10 अक्टूबर 2025 से 14 नवंबर 2025 के बीच लगभग 27 लाख मनरेगा श्रमिकों को हटा दिया गया है। इतने बड़े स्तर पर श्रमिकों को हटाना निश्चित ही चौंकाने वाला है। करीब 10.50 लाख नए श्रमिकों को इस योजना के तहत जोड़ा गया है। गत पहली नवंबर 2025 से इस योजना के तहत ई-केवाईसी को भी अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा करीब 15.2 लाख श्रमिकों को अप्रैल से सितंबर 2025 के मध्य मनरेगा योजना से हटाया जा चुका है और 98.8 लाख श्रमिकों को इस योजना के अंतर्गत जोड़ा भी गया है, जो कुल मिलाकर 83.6 लाख की वृद्धि आंकी गई है। श्रीमिकों को योजना से हटाए जाने वाला आंकड़ा जो करीब इन छह महीनों में सामने आया, उससे कहीं अधिक आंकड़ा तकरीबन एक महीने में सामने आ गया।

रिपोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि लगभग छह लाख के करीब सक्रिय श्रमिकों की कमी भी सामने आई है। यह ऐसे श्रमिक हैं, जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक दिन का रोजगार प्राप्त किया है। यह सब तब सामने आया है जब मंत्रालय द्वारा ई-केवाईसी को आवश्यक कर दिया गया है, ताकि अमान्य अथवा अपात्र श्रमिकों को इस योजना से हटाया जा सके। शीर्ष तीन राज्यों में जहां ई-केवाईसी का कार्य संपन्न हो चुका है, उनमें सबसे ज्यादा अपात्र श्रमिकों को हटाए जाने वाला राज्य आंध्र प्रदेश है। आंध्र प्रदेश में तकरीबन 78.4 प्रतिशत श्रमिकों को मनरेगा योजना से हटाया गया है, जबकि तमिलनाडु में यह आंकड़ा 67.6 प्रतिशत और छतीसगढ़ में यह आंकड़ा 66.6 प्रतिशत सामने आया है।

एक तरफ देखा जाए तो ई-केवाईसी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसे अपनाना अति आवश्यक भी है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचा जा सके, हालांकि सरकार के अनुसार गड़बड़ियों का निपटारा करने के लिए ही ई-केवाईसी प्रणाली को लागू किया गया है। ई-केवाईसी प्रणाली से मनरेगा के कार्यों पर पारदर्शिता लाई जा सकेगी, लेकिन ई-केवाईसी के दौरान विलोपन में भारी वृद्धि देखना कहीं न कहीं अव्यवस्था को जरूर दर्शाता है। या तो अभी तक अपात्र लोग श्रमिकों का स्थान लिए बैठे थे या ई-केवाईसी के दौरान श्रमिकों के पास उचित दस्तावेज ही उपलब्ध नहीं थे, जिसकी वजह से विलोपन का आंकड़ा इतना ज्यादा बढ़ गया।

यानी किसी न किसी किनारे में चूक तो अवश्य हुई है। ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण रूप से अभी संपन्न भी नहीं हुआ है और आंकड़ों ने सभी को चौंका दिया है। सरकारी योजना चाहे कोई भी हो, यदि पात्र लोग वंचित रह जाएं और अपात्र लोगों तक इसका सीधा फायदा पहुंचे तो यह उस योजना पर निश्चित तौर पर सवालिया निशान खड़ा कर देता है।

सोशल फोरम

द हीरो हू लिव्ड

भारत के इतिहास में शोले शायद इकलौती फ़िल्म होगी, जिसका हर किरदार, हर डायलॉग, उसके रिलीज के 50 साल बाद भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। गब्बर सिंह के रूप में अमजद खान तो आईकॉनिक हैं ही। जया, हेमा, अमिताभ, धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, जगदीप, असरानी, मैक मोहन, लीला मिश्रा, जलाल आगा, हेलन, एके हंगल जैसे मिनट भर की प्रेजेंस वाले रोल भी हमारी स्मृतियों में ताजा हैं। इनमें हीरो कौन था? कुछ नियमों को फॉलो करें- मेन हीरोइन किसे मिलती है, अंत में विलेन किससे पिटता है- इस आधार पर धर्मेंद्र हीरो हैं, ट्रेजेडी यही है। हीरो होकर भी, वे पूरी फिल्म में, डोमिनेटिंग हीरो बनकर जेहन में छप नहीं पाते। मर जाने वाले अमिताभ सारी सहानुभूति लूट जाते हैं। जी जाने वाले धर्मेंद्र पीछे रह जाते हैं। फ़िल्म इंड्रस्टी में 50 साल से अधिक साल तक छाए रहने के बावजूद, वे सुपरस्टार नही गिने गए। कभी राजेश खन्ना, कभी अमिताभ ने वह दर्जा रखा, लेकिन धर्मेंद्र का औरा कायम रहा। अनपढ़ और बंदिनी जैसी फिल्मों से फूल और पत्थर, हकीकत, सत्यकाम, खामोशी से सफर यमला पगला दीवाना तक पहुंचता है, लेकिन मौजूदा दौर में ज्यादातर लोगों के जेहन में उनकी छवि, 80-90 के दशक के हीमैन की है।

रिबोर्न मनीष
ब्लॉगर

यही उनके साथ अन्याय है। उनका असली कद उनकी अभिनय रेंज में छिपा है। छह दशक के कॅरियर और तीन सौ से अधिक फिल्मों में उन्होंने हर छोर को छुआ। सत्यकाम में सत्यनिष्ठ शख्स, अनुपमा में टूटे पिता का अपराधबोध, जीवन मृत्यु में एक ही फिल्म में क्रूर ठाकुर से शांत डॉक्टर तक का सफर और चुपके-चुपके में का वो प्रोफेसर, जिसके हालात से हंसी फूटती थी। गंवई जट से शहरी बुद्धिजीवी तक, एक्शन हीरो से हास्य कलाकार तक, वे फिट रहे। ह्षिकेश मुखर्जी, ऋत्विक घटक और रमेश सिप्पी, तीन अलग ध्रुवों के निर्देशकों के सबसे भरोसेमंद अभिनेता थे। उनकी रेंज यह नहीं कि वे कितने रोल कर सकते थे, बल्कि मिलने वाले हर रोल में वह कितना असली लगते हैं। धर्मेंद्र उस श्रेणी के अभिनेता रहे। हिंदी सिनेमा में इतनी लंबी पारी और ऐसी रेंज के अभिनेता कम हैं।

निजी जीवन में भी उनकी रेंज दिलचस्प है। आजकल ज्यादा बात उनके दिलावर खान बनकर, हेमा मालिनी से विवाह की होती है, पर एक सेलिब्रिटी होकर, स्टार और पब्लिक की आलोचना की तमाम संभावनाओं के बावजूद, उन्होंने प्रेम को निबाहा- सबके सामने अंगीकार किया। ये साहस और जिद की बात है। नों लड़के स्टार हुए। धन, यश, प्रेम, आनंद और कंट्रोवर्सी से भरपूर, एक जीने योग्य जीवन के बाद, धर्मेंद्र गए हैं। –फेसबुक वाल से

सामयिकी

नारी सुरक्षा पर चुप्पी नहीं बदलाव की जरूरत

आधी आबादी के सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर हर दिन गहरा आघात पहुंच रहा है। महिलाओं पर बढ़ती हिंसा न केवल मानवाधिकारों का सबसे गंभीर उल्लंघन है, बल्कि सामाजिक प्रगति, न्याय, समानता और सतत विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा भी है। आज स्थिति यह है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा मानव जाति के इतिहास में सबसे व्यापक, सबसे स्थायी और सबसे कम दंडित अपराधों में से एक है। वैश्विक स्तर पर हर तीन में से एक महिला अपने जीवनकाल में किसी न किसी प्रकार की शारीरिक, मानसिक या यौन हिंसा का शिकार होती है। वर्ष 2024 और 2025 की संयुक्त राष्ट्र महिला (यूएन) की रिपोर्टें बताती है कि दुनियाभर में 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग की लगभग डेढ़ करोड़ किशोरियां कभी न कभी यौन उत्पीड़न या हिंसा झेलती हैं। मानव तस्करी के शिकार लोगों में आधे से अधिक व्यस्क महिलाएं शामिल हैं।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

चौंकाने वाली बात यह है कि हिंसा का बड़ा हिस्सा कभी रिपोर्ट ही नहीं होता। नई वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार, 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं किसी भी प्रकार की हिंसा की शिकायत दर्ज कराने से कतराती हैं। कभी समाज के डर से, कभी परिवार की दबाव नीति के कारण, तो कभी इसलिए कि उन्हें पुलिस की संवेदनशीलता और न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा नहीं होता। यही कारण है कि असंख्य पीड़िताएं अपने घाव छिपाकर जीने को मजबूर हैं और अपराधी निर्भीक होकर समाज में घूमते रहते हैं। डिजिटल युग ने हिंसा के रूपों को और जटिल बना दिया है। आज साइबर स्टॉकिंग, डॉक्सिंग, मॉर्फिंग, ट्रोलिंग, बदनाम करने वाले अभियान और ऑनलाइन उत्पीड़न की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की निजी जानकारी का दुरुपयोग, बदनाम करने वाले वीडियो, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और 'डीपफेक' तकनीक के इस्तेमाल से उत्पन्न यौनिक हिंसा ने एक नया संकट खड़ा कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने 2024-25 की रिपोर्ट में डिजिटल हिंसा को 'नई वैश्विक महामारी' तक कह दिया है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार, महिलाओं पर हिंसा के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रतिवर्ष खरबों डॉलर का नुकसान होता है क्योंकि इससे महिलाओं की उत्पादकता घटती है, स्वास्थ्य खर्च बढ़ता है, सामाजिक असमानता गहराती है और विकास की गति प्रभावित होती है। भारत में भी स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। निर्भया कांड के बाद उम्मीद जगी थी कि समाज में संवेदनशीलता बढ़ेगी, कानून कठोर होंगे और अपराधियों में भय पैदा होगा। वास्तव में कानून तो कठोर हुए, फास्ट-ट्रैक कोर्ट बने, महिला सुरक्षा के लिए नई पहलें की गईं, लेकिन धरातल पर तस्वीर बदली नहीं। आज भी कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता, जब देश के किसी न किसी हिस्से से बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज हत्या, घरेलू अत्याचार, अपहरण या क्रूरता की घटनाएं सामने न आती हों।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की सुरक्षा भी आज की सबसे बड़ी जरूरत है। सरकारों और तकनीकी कंपनियों को मिलकर मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचे, एआई-आधारित मॉनिटरिंग, अभद्र व्यवहार की त्वरित रिपोर्टिंग और डिजिटल अपराधियों को कड़ी सजा देने वाली प्रणाली तैयार करनी होगी। महिलाओं के प्रति हिंसा रोकना केवल शासन का काम नहीं बल्कि सरकार, समाज, डिजिटल प्लेटफॉर्म, शिक्षा प्रणाली, मीडिया और नागरिकों की संयुक्त जिम्मेदारी है। जब तक समाज स्त्री को बराबरी के सम्मान योग्य मनुष्य के रूप में नहीं स्वीकार करेगा, तब तक कानून अकेले कोई बदलाव नहीं ला पाएंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

मानद उपाधियां
घटता सम्मान-बढ़ता व्यापार

शिक्षा के पवित्र क्षेत्र में पिछले कुछ समय में एक विचित्र प्रवृत्ति उभर आई है। देश-विदेश की तमाम तथाकथित संस्थाएं रुपये लेकर लोगों को 'डॉ.' बना रही हैं, जो उपाधि कभी उपलब्धि का प्रतीक थी, अब दिखावे और प्रचार का माध्यम बन गई हैं। ऑनरेरी (मानद) डॉक्टरेट, जिसका उद्देश्य असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना था, अब पैसों के लेन-देन का औजार बन गई है। इंटरनेट पर ऐसे प्रमाणपत्र आसानी से उपलब्ध हैं- बस भुगतान कीजिए, एक 'ग्लोबल समिट' में मंच पर फोटो खिंचवाइए और नाम के आगे 'डॉ. (Dr.)' जोड़ लीजिए, जो कभी उपलब्धि का प्रतीक था, अब प्रदर्शन का औजार बन गया है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

ऑनरेरी डॉक्टरेट या मानद उपाधि का मूल विचार बहुत ही गरिमामय था। इसका उद्देश्य उन व्यक्तियों को सम्मानित करना था, जिन्होंने समाज, विज्ञान, साहित्य, कला या मानवता के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया हो। पश्चिम में ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड या कैंब्रिज जैसे विश्वविद्यालय जब ऐसी उपाधियां देते हैं, तो यह स्पष्ट कर देते हैं कि यह शैक्षणिक डिग्री नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक सम्मान है। भारत में भी कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय यह परंपरा निभाते हैं। उद्देश्य केवल सम्मान देना है, न कि 'डॉक्टर' कहलाने का अधिकार प्रदान करना।

क्या कहता है कानून

कानून भी इस भेद को स्पष्ट करता है। यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 22 के अनुसार, 'डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी' या 'डॉक्टर ऑफ साइंस' जैसी उपाधियां केवल वही विश्वविद्यालय प्रदान कर सकते हैं, जिन्हें विधिवत मान्यता प्राप्त है। कोई भी निजी संस्था या पंजीकृत सोसायटी ऐसा करने का अधिकार नहीं रखती। इसके बावजूद, सोशल मीडिया पर सैकड़ों 'इंटरनेशनल यूनिवर्सिटीज' और 'ग्लोबल काउंसिल्स' सक्रिय हैं, जो विदेशी नामों और सुनहरी मोहरों वाले आकर्षक प्रमाणपत्र थमा रही हैं। इन प्रमाणपत्रों का कोई शैक्षणिक मूल्य नहीं होता, फिर भी इन्हें लेने वाले अपने विजिटिंग कार्ड, सोशल मीडिया प्रोफाइल और नामपट्ट पर 'Dr' जोड़ लेते हैं। यह सब इतना गंभीर क्यों है? इसलिए कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि शिक्षा की नैतिकता पर सीधा प्रहार है। जो व्यक्ति वर्षों की मेहनत, शोध और मार्गदर्शन के बाद डॉक्टरेट की उपाधि अर्जित करता है, उसका श्रम उस समय बेमानी हो जाता है, जब कोई व्यक्ति कुछ हज़ार रुपये देकर वही उपाधि 'सम्मान' के नाम पर हासिल कर लेता है। असली डॉक्टरेट के पीछे कठोर अनुसंधान, थीसिस, समीक्षाएं और प्रकाशन की प्रक्रिया होती है, जबकि इन 'ऑनरेरी उपाधियों' के पीछे सिर्फ़ एक पेमेंट लिंक होता है।

भ्रामक प्रतिष्ठा

यह प्रवृत्ति केवल शिक्षा की साख नहीं गिरा रही, बल्कि समाज में ज्ञान की विश्वसनीयता भी तोड़ रही है। जब कोई व्यक्ति अपनी सोशल मीडिया बायो में 'Dr.' जोड़ लेता है, तो लोग उसे विशेषज्ञ मान लेते हैं चाहे वह असल में किसी विषय का प्राथमिक ज्ञान भी न रखता हो। ऐसे लोग अक्सर 'लाइफ कोच', 'मोटिवेशनल स्पीकर' या 'ग्लोबल एंबेसडर' के रूप में सामने आते हैं और 'ऑनरेरी डॉक्टरेट' को अपनी योग्यता का प्रमाण बना लेते हैं। यह समाज में भ्रामक प्रतिष्ठा और झूठे अधिकार का भ्रम पैदा करता है। यह आचरण केवल भ्रामक नहीं, बल्कि यदि जानबूझकर किसी को भ्रमित करने या व्यक्तिगत लाभ के लिए किया जाए, तो कानूनन धोखाधड़ी की श्रेणी में भी आ सकता है। इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि यह सच्चे शोधकर्ताओं और विद्वानों की मेहनत का अनादर है, शिक्षा की गरिमा और ईमानदारी दोनों पर धब्बा है। यह भी सच है कि दोष केवल इन संस्थाओं का नहीं। उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी उस मौन स्वीकृति की है, जो समाज देता है। मंचों पर ऐसे लोगों को 'डॉ.' कहकर बुलाया जाता है, उन्हें सम्मानित किया जाता है, मीडिया में उनके 'अंतर्राष्ट्रीय सम्मान' की खबरें छपती हैं। तालियों की वह गूंज नकली उपाधियों को वैधता दे देती है। धीरे-धीरे असली और नकली के बीच की रेखा मिटने लगती है।

इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी

यूजीसी समय-समय पर फर्जी विश्वविद्यालयों और अवैध उपाधियां बांटने वाली संस्थाओं की सूची जारी करता है, परंतु फिर भी बड़ी संख्या में लोग इनके जाल में फंस रहे हैं। विदेशी नामों, अंग्रेजी आभा और तथाकथित 'ग्लोबल' पहचान का आकर्षण हमारे समाज की उस मानसिकता को भी उजागर करता है, जहां दिखावे को सार से अधिक महत्व दिया जाता है। यह शिक्षा नहीं, प्रतिष्ठा का सौदा है। जब सम्मान बिकने लगता है, तो वह सम्मान नहीं रहता- वह विज्ञापन बन जाता है। इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी है। यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय को ऐसे संस्थानों और उनसे उपाधि लेने वालों के विरुद्ध निरंतर और ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही समाज को भी अपनी सोच में परिपक्वता लानी होगी। ऑनरेरी डॉक्टरेट का असली अर्थ सम्मान में निहित है, व्यापार में नहीं। जब यह खरीदी जाती है, तो 'सम्मान' शब्द अपनी गरिमा खो देता है और शिक्षा, जो समाज की आत्मा है- सिर्फ दिखावे का मुखौटा बन जाती है। शिक्षा का सार ज्ञान है और ज्ञान का सार ईमानदारी, जब उपाधियां बिकने लगती हैं, तो शिक्षा का अर्थ ही खो जाता है। मानद डॉक्टरेट का वास्तविक सौंदर्य उसकी विनम्रता में है। सम्मान देने और पाने, दोनों की मर्यादा में। यह परंपरा तभी जीवित रह सकती है, जब इसे दिखावे, प्रचार और पैसों की पहुंच से बचाया जाए। डॉक्टरेट की उपाधि का मूल्य उसकी कठिनाई और श्रम में है। उसे खरीदा नहीं जा सकता, केवल अर्जित किया जा सकता है। इसलिए किसी नाम के आगे "डॉ." देखकर अंधविश्वास न करें, बल्कि यह जानें कि उपाधि कहां से और किस आधार पर प्राप्त की गई है। यही समझ जब समाज में फिर से स्थापित होगी, तब 'सम्मान' अपनी खोई हुई ऊंचाई पर लौट आएगा।

जॉब अलर्ट

राइट्स लिमिटेड (RITES Ltd.)

- पद का नाम : सहायक प्रबंधक
- पदों की संख्या : 400 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : प्रासंगिक इंजीनियरिंग में स्नातक और 2 वर्ष का अनुभव
- आयु सीमा : 40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 25-12-2025
- वेबसाइट : www.rites.com

इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB)

- पद का नाम : मल्टी-टास्किंग स्टाफ
- पदों की संख्या : 362 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : 10 th या समकक्ष
- आयु सीमा : 18-25 वर्ष
- अंतिम तिथि : 14-12-2025
- वेबसाइट : www.mha.gov.in

दूरदर्शन केंद्र हैदराबाद

- पद का नाम : प्रसारण सहायक, कॉपी एडिटर
- वेतन : 1500-2400 रुपये प्रतिदिन
- योग्यता : स्नातक या डिप्लोमा
- आयु सीमा : 21-50 वर्ष
- अंतिम तिथि : 15-12-2025
- वेबसाइट : prasarbharati.gov.in

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

- पद का नाम : फैकल्टी
- वेतन : 30,000 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : पदानुसार स्नातक/ स्नाकोत्तर
- आयु सीमा : 22-40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 10-12-2025
- वेबसाइट : www.centralbankofindia.co.in

कैंपस में पहला दिन
आईए एक-दूसरे को जानने की शुरुआत करें...

स्कूल के दिनों से ही हम सब कॉलेज लाइफ की चमकदार कहानियां सुनते आते हैं। कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा, वहां असली आजादी मिलेगी, यूनिफॉर्म नहीं, नए दोस्त, नए सपने, नए अनुभवइन्हीं ख्वाबों को अपने दिल में सजाए, मैं 16 अगस्त 2019 की सुबह इनवर्टिस के गेट के सामने खड़ी थी। थोड़ी देर से एडमिशन लेने की वजह से यह दिन और भी खास था, जैसे मेरी खुद की कहानी अब शुरू हो रही हो। कॉलेज के पहले दृश्य ने दिल जीत लिया। जब मेरी नजर उस बड़े, खूबसूरत कैंपस पर पड़ी, तो आंखें खुद-ब-खुद बड़ी हो गईं। वो चौड़ा गेट, ऊंची-ऊंची इमारतें, चारों ओर हरियाली, छात्रों की भीड़, हंसी की आवाजें, लॉन में बैठे स्टूडेंट्स, हर तरफ नई ऊर्जा की गूंज थी। सब कुछ फिल्मी था, जैसे किसी फिल्म का सेट हो और मैं उस कहानी की नई किरदार। पर इतना असली कि उस पल मेरी धड़कनें तेज हो गईं। दिल में अचानक एक उम्मीद जग गई कि हां! यही है, वो जगह जहां मेरा सपना जी उठेगा।

क्लासरूम में कदम रखते ही एक अलग माहौल महसूस हुआ। सभी स्टूडेंट्स casual कपड़ों में, हंसी से भरा माहौल, थोड़ी-सी घबराहट, पर उससे कहीं ज्यादा उत्साह में बैठे थे। हर चेहरा जैसे एक नई कहानी लेकर आया था। कोई नए जूते दिखा रहा था, कोई अपनी जगह ढूंढ रहा था, कोई किसी से बस यूं ही बात शुरू कर रहा था और फिर मेरी नज़र सामने खड़े एक व्यक्ति पर पड़ी, पहले तो लगा कोई सीनियर होंगे, लेकिन कुछ ही क्षणों बाद पता चला कि वो हमारे HOD हैं। HOD होकर भी इतने कूल कि लगा जैसे कॉलेज की किताबें नहीं, जिंदगी खुद हमें पढ़ाने आई हो।

पहले ही दिन HOD सर ने कहा, "Books later Let's start by knowing each other." फिर शुरू हुई एक-एक करके introductions की बारिश, किसी ने कहा उसे singing पसंद है, किसी ने बताया कि वो शहर पहली बार छोड़कर आया है, किसी ने अपने भविष्य के सपने सुनाए और इन छोटी-छोटी बातों ने हम सबको एक-दूसरे के करीब ला दिया। उनका पढ़ाने का तरीका सबसे अलग, दिन की शुरुआत ice-breaking session से करते थे, कहानियों के जरिये पढ़ाते, practicals से समझाते और अपने अनुभवों के सहारे हमारे सपनों में नई उड़ान भर देते। हमेशा सुनती थी कि कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा।

पहले दिन ही समझ आ गया कि वो ऐसा क्यों कहते हैं। यहां कोई सख्त अनुशासन नहीं, कोई यूनिफॉर्म नहीं, कोई डर नहीं क्योंकि कॉलेज में सिर्फ मिली सब कुछ सीखने और खुद को पहचानने की पूरी आजादी। कॉलेज की पहली हवा ही अलग थी, खुली, आजादी और उम्मीदों से भरी। क्लास के बीच-बीच में हम सभी एक-दूसरे को जानने लगे। कौन कहां से आया है, किसके क्या सपने हैं, हर बातचीत से एक नया रिश्ता बनता चला गया। कब मैं अपने पहले ग्रुप का हिस्सा बन गई, ये मुझे खुद भी नहीं पता चला। कॉलेज का जादू यही है। यहां हर कोई एक-दूसरे से बात करता है, रिश्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं, और अजनबी दोस्त बन जाते हैं। उस दिन की हंसी, वो नए चेहरे, वो अनजाना सा अपनापन, सबने मिलकर मेरे पहले दिन को "यादगार" और "दिल के करीब" बना दिया।

-निकिता चौधरी, बरेली

नोटिस बोर्ड

- लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए विप्रो, हाइक एजुकेशन और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जा रही है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि बीसीए, बीबीए, बीकॉम, बीए, बीएचएम व बीएससी के छात्र कस्टमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव पद पर 3.08 लाख रुपये वार्षिक पैकेज हेतु आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट टॉक, एचआर स्क्रीनिंग तथा वॉयस एवं एक्सेंट राउंड शामिल हैं। तीनों कंपनियों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है।
- आईआईटी कानपुर में अगले सप्ताह अर्थात 1 दिसंबर से प्लेसमेंट अभियान शुरू होने जा रहा है। यह अभियान 15 दिसंबर तक चलेगा। इस बार के अभियान में देश-विदेश की लगभग 250 कंपनियां शामिल हो सकती हैं।

फ्रीलांसिंग से बनाएं मजबूत करियर

आज के डिजिटल दौर में फ्रीलांसिंग से घर बैठे करियर बनाने का सबसे आसान और भरोसेमंद तरीका बनकर उभरा है। अगर आप ग्रेजुएट हैं और पारंपरिक नौकरी के दबाव से दूर अपनी सुविधा के अनुसार काम करना चाहते हैं, तो यह आपके लिए बेहतरीन मौका हो सकता है। खासकर उन लोगों के लिए जो किसी वजह से घर से बाहर काम नहीं कर पाते, जैसे महिलाएं, स्टूडेंट्स या होममेकर फ्रीलांसिंग कम समय में स्थिर और अच्छी कमाई का जरिया बन सकती है। सिर्फ एक लैपटॉप, इंटरनेट और थोड़ी-सी स्किल के साथ आप अपनी प्रतिभा को आय में बदल सकते हैं और एक स्वतंत्र व सफल करियर की शुरुआत कर सकते हैं। आइए आज आपको बताते हैं, फ्रीलांसिंग के बेस्ट करियर विकल्प : *– फीचर डेस्क*

डाटा एंट्री

आज के कंप्यूटर युग में डाटा एंट्री का काम काफी लोकप्रिय हो गया है। इस काम में आपको सिर्फ एक निर्धारित डाटा को कंप्यूटर की मदद से किसी सॉफ्टवेयर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भरना होता है। अगर आपके पास कंप्यूटर, इंटरनेट और अच्छी टाइपिंग स्पीड है, तो यह काम आपके लिए सबसे आसान विकल्पों में से एक है। यहां आपको आमतौर पर प्रति घंटे के हिसाब से पेमेंट मिलता है। डाटा एंट्री में प्रति घंटे 1,500 से 3,000 रुपये तक की कमाई संभव है।

ट्रांसलेटर

घर बैठे ट्रांसलेटर के रूप में काम करना भी एक बढ़िया विकल्प है। इस काम के लिए आपकी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है। यदि आपको अंग्रेजी या कोई अन्य विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच आदि आती है, तो आप आसानी से यह काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में पेमेंट प्रोजेक्ट के आधार पर मिलता है।

यूट्यूबर

अगर कैमरे के सामने आने में आप सहज हैं और आपके पास कोई जानकारी या स्किल है, जिसे आप दूसरों के साथ साझा करना चाहते हैं, तो आपके लिए यूट्यूब एक शानदार मंच बन सकता है। आप बिल्कुल बेसिक सेटअप के साथ घर बैठे अपना चैनल शुरू कर सकते हैं। कमाई मुख्य रूप से आपके वीडियो के व्यूज और क्लिक्स पर निर्भर करती है।

कॉन्टेंट राइटिंग

यदि आपको लिखना पसंद है, तो यह क्षेत्र आपके लिए ideal साबित हो सकता है। फ्रीलांसिंग में कॉन्टेंट राइटिंग को सबसे बेहतरीन करियर विकल्प माना जाता है। आज हर छोटे-बड़े ब्रांड की अपनी वेबसाइट होती है, जिन पर नियमित रूप से कंटेंट की जरूरत पड़ती है। घर बैठे आप इस पेशे के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं और समय के साथ आय में भी वृद्धि होती है।

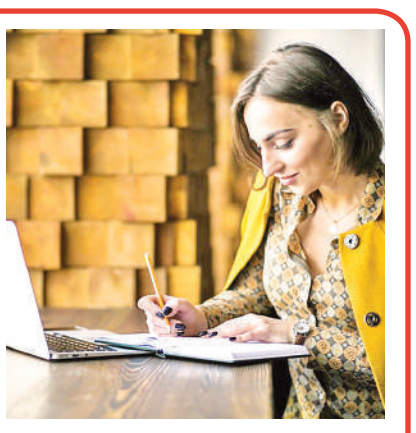

वेब डेवलपमेंट

अगर आप वेब डिजाइनिंग या कोडिंग में माहिर हैं, तो घर बैठे ही वेब डेवलपमेंट का काम शुरू कर सकते हैं। लिंक्डइन और अन्य जॉब ऐप्स के माध्यम से आप आसानी से कंपनियों व क्लाइंट्स से जुड़ सकते हैं। इस क्षेत्र में कमाई काफी अच्छी होती है और अनुभव बढ़ने के साथ आय लाखों में पहुंच सकती है।

ब्लॉगिंग

ब्लॉगिंग उन लोगों के लिए बढ़िया विकल्प है, जिन्हें लिखना पसंद है। आपको अपना ब्लॉग गूगल एडसेंस से जोड़ना होता है, जिसके बाद विज्ञापन के माध्यम से कमाई शुरू होती है। शुरुआत में आय कम होती है, लेकिन जैसे-जैसे आपके ब्लॉग की ट्रैफिक, लोकप्रियता और पहुंच बढ़ती है, आपकी कमाई भी बढ़ने लगती है। ब्लॉगिंग से होने वाली आय आपकी रीडरशिप व लोकेशन पर निर्भर करती है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,609.51	26,205.30
बढ़त	1,022.50	320.50
प्रतिशत में	1.21	1.24

सोना 1,30,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,63,100 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु0) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3600, मसूरी-1300, बासमती- 7500, परमल- 1900

दाल दलहन : काला चना- 4600, साबुत चना दाल- 4900, मूंग साबुत- 7200, राजमा- 10100-12300, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 4800, मसूर दाल- 3900, उड़द साबुत- 6200, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 3400

सुधार-उन्मुख भारत ले रहा बड़े फैसले : मोदी

प्रधानमंत्री ने फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के इंजन एमआरओ संयंत्र का किया ऑनलाइन उद्घाटन

हैदराबाद, एजेंसी

समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

- बोले- देश को भरोसेमंद साझेदार, बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की निवेश क्षमता पर बल देते हुए बुधवार को कहा कि सुधारों को तेजी से लागू कर रहा भारत अब बड़े फैसले लेता है और निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के विमान इंजन एमआरओ संयंत्र का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि यह संयंत्र युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। भारत ने व्यवसाय से जुड़े सैकड़ों प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया है और राष्ट्रीय एकल-खिड़की व्यवस्था से विभिन्न अनुमोदन को एक मंच पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार, चेहरा-रहित कर आकलन, नए श्रम कानून और दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के आने से शासन पहले से अधिक सरल और पारदर्शी बना है। उन्होंने कहा कि इन कोशिशों से भारत को अब एक भरोसेमंद साझेदार, एक बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा है। आज भारत में तेजी से वृद्धि हो रही है, सरकार स्थिर है, सुधार पर ध्यान देने वाली सोच है, युवा प्रतिभाओं की भरमार है और एक बड़ा घरेलू बाजार है। सबसे जरूरी बात, भारत में निवेश करने वालों को देश सिर्फ निवेशक नहीं, बल्कि विकसित भारत के सफर में सह-निर्माता और हितधारक मानता है।

संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ का शुरुआती निवेश करेगा सैफरान

सैफरान की इकाई सैफरान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआई) ने हैदराबाद में अपने एमआरओ संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ रुपये का शुरुआती निवेश किया है। यहां एयरबस ए320 निओ और बोइंग 737 मैक्स विमानों में इस्तेमाल होने वाले लीप इंजन की सर्विसिंग होगी। इस संयंत्र को प्रति वर्ष 300 इंजन की सर्विसिंग क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है और 2035 तक 1,000 से अधिक कुशल भारतीय तकनीशियन और इंजीनियर यहां कार्यरत होंगे। इस संयंत्र में 2026 में परिचालन शुरू होने वाला है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि भारत में एमआरओ क्षमताओं का विकास विदेशी मुद्रा की निकासी को कम करेगा, उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसर सृजित करेगा, आपूर्ति शृंखला की मजबूती बढ़ाएगा और भारत को वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

अतिरिक्त ऑर्डर मिला तो असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध : सीईओ

फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान ने कहा कि भारतीय वायुसेना राफेल लड़ाकू विमानों के लिए अतिरिक्त ऑर्डर देती है तो कंपनी राफेल के इंजन एवं अन्य महत्वपूर्ण कलपुर्जों के लिए भारत में अंतिम असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध होगी। सैफरान के सीईओ ओलिवर एंड्रीस ने कंपनी के लीप इंजन रखरखाव, मरम्मत और देखभाल (मेंटेनेंस, रिपेयर ओवरहॉल-एमआरओ) केंद्र के उद्घाटन के बाद कहा कि अगर ऐसा होता है, तो यह फ्रांस के बाहर ऐसी पहली इकाई होगी। एंड्रीस ने कहा कि कंपनी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ इंजन के सह-विकास पर तकनीकी एवं वाणिज्यिक चर्चाएं करेगी। भारत एकमात्र देश है जिसके लिए कंपनी इंजन प्रौद्योगिकी का पूरी तरह हस्तांतरण करने का प्रस्ताव दे रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का नागर विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और देश का घरेलू बाजार दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने 1,500 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया हुआ है। विमानों के रखरखाव, मरम्मत एवं देखभाल यानी एमआरओ का करीब 85 प्रतिशत काम विदेशों में होने से लागत बढ़ती है और विमानों को लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है।

डिजिटल कनेक्शन डेटा सेंटर पर खर्च करेगी 11 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी

- ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम ने की घोषणा

डिजिटल अवसंरचना कंपनी डिजिटल कनेक्शन ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 2030 तक 11 अरब डॉलर (98,000 करोड़ रुपये) का निवेश कर एक गीगावॉट क्षमता वाले डेटा सेंटर विकसित करने की घोषणा की। ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अमेरिकी कंपनी डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि विशाखापत्तनम में कृत्रिम मेधा (एआई) सक्षम डेटा सेंटर पांच वर्षों में 400 एकड़ क्षेत्र में स्थापित किए जाएंगे। कंपनी ने आंध्र प्रदेश आर्थिक विकास बोर्ड के साथ इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि उसके डेटा सेंटर उन्नत एआई कार्यभार को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इनमें मजबूत सबस्टेशन, दोहरी बिजली फीड व्यवस्था और उच्च कंप्यूटिंग क्षमता जैसी सुविधाएं शामिल होंगी, जो अगले दशक की डिजिटल नवाचार आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगी। विशाखापट्टनम में यह निवेश उस समय सामने आया है जब पिछले महीने गूगल ने भी आंध्र प्रदेश में एआई हब और डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए 15 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा की थी। डिजिटल कनेक्शन चेन्नई में परिसर संचालित कर रही है और मुंबई के चांदीवली क्षेत्र में उसका एक अन्य डेटा सेंटर निर्माणाधीन है।

मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं : गुप्ता

मुंबई, एजेंसी

- आरबीआई डिप्टी गवर्नर ने कहा- अनुमानों के लिए कई मॉडल और चर्चाओं का होता है उपयोग

भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने बुधवार को कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है, पर केंद्रीय बैंक के मुद्रास्फीति अनुमान में व्यवस्था के स्तर पर पूर्वाग्रह वाली बात नहीं है। गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति अनुमानों पर पहुंचने के लिए विभिन्न मॉडल और विशेषज्ञ चर्चाओं का उपयोग करता है और अनुमानों का गलत होना सिर्फ यहां का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक घटना है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक भुगतान संतुलन के आंकड़े मासिक आधार पर जारी करने पर भी विचार कर रहा है। वर्तमान में तिमाही आधार पर ये आंकड़ें जारी किए जाते हैं। वैश्विक व्यापार नीतियों में हो रहे व्यापक बदलाव के बीच उन्होंने यह बात कही। भुगतान संतुलन देश की बाह्य स्थिति के बारे में संकेत देता है। मुद्रास्फीति अनुमान को लेकर चिंता आंकड़ों को अधिक दिखाने के अनुमान से उत्पन्न हुई है। इसके बारे में आलोचकों का तर्क है कि इसने आरबीआई को पिछले कुछ महीनों में नीतिगत दरों में और कटौती करने से रोका है। उनका तर्क है कि दरों में कटौती अर्थव्यवस्था के लिए मददगार होती और संभवतः अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करती।

गुप्ता ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के कार्यक्रम में कहा कि अनुमान की त्रुटियों को कम करना भी महत्वपूर्ण है, लेकिन अनुमान में कोई व्यवस्थित पूर्वाग्रह नहीं है। ऐसा नहीं है कि पूर्वानुमान किसी विशेष रूप से पक्षपाती है। मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान पर आलोचनाओं को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया में लेख पढ़ना मजेदार है, और बातों को कठोरता से लिखा जाता हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि आरबीआई इन विचारों को बहुत गंभीरता से लेता है। आरबीआई के मौद्रिक नीति विभाग में अपने सहयोगियों के साथ बातचीत का हवाला देते हुए, गुप्ता ने कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है और ऐसा कोई भी पूर्वानुमान लगाने वाला नहीं है जो हर बार सही हो। यह दुनिया के अन्य देशों में भी होता है।

अमेरिकी नीतिगत दर घटने की उम्मीद से बाजार झूमा

मुंबई, एजेंसी

- सेंसेक्स 1,022 अंक चढ़ा, निफ्टी रिकॉर्ड स्तर के करीब, तीन सत्रों से जारी गिरावट पर लगा विराम

स्थानीय शेयर बाजार में तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा और चौतरफा लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 1,000 अंक से अधिक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी ने फिर से 26,000 अंक के स्तर को प्राप्त कर लिया।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर घटाने की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से घरेलू बाजार में उछाल आया।

बीएसई का सेंसेक्स 1,022.50 अंक चढ़कर 85,609.51 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 320.50 अंक की बढ़त के साथ 26,205.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी अपने अबतक के उच्चतम स्तर से केवल 10 अंक कम है। विशेषज्ञों के अनुसार, रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को लेकर बढ़ती उम्मीद ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूत किया।

एफआईआई और डीआईआई ने की खरीदारी

शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 785.32 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 3,912.47 करोड़ की लिवाली की। मझोली कंपनियों से जुड़ा मिडकैप सूचकांक 1.32 प्रतिशत चढ़ा जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 1.23 प्रतिशत के लाभ में रहा। बीएसई में सूचीबद्ध 2,800 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,371 शेयरों में गिरावट आई। 154 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.03 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 62.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल और एशियन पेंट्स के शेयर नुकसान में रहे। बाजार में भागीदारी व्यापक रही। धातु, ऊर्जा और आईटी सूचकांकों में बढ़त दर्ज की गई। मझोली और छोटी कंपनियों से जुड़े सूचकांकों में भी एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में रहे। हालांकि, चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए।

राष्ट्रीय

आतंक का वित्तपोषण कर रहे अनियमित ऑनलाइन गेमिंग एप्स

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र ने कहा- इनका विनियमन करने के लिए कानून लाने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्र ने कहा- इनका बेरोक-टोक विस्तार राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र की अखंडता के लिए खतरा

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि अनियमित ऑनलाइन गेमिंग एप का आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से संबंध है तथा इन वर्चुअल प्लेटफॉर्म का विनियमन करने को कानून लाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि वह इस मामले को सुनवाई के लिए गुरुवार को लेने का प्रयास करेगी।

केंद्र के हलफनामे में कहा गया है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग का बेरोक-टोक विस्तार वित्तीय धोखाधड़ी, धन शोधन, कर चोरी और कुछ मामलों में आतंकवाद के वित्तपोषण से जुड़ा हुआ है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा, लोक व्यवस्था और राष्ट्र की अखंडता को खतरा पैदा हो रहा है। ऑनलाइन गेमिंग प्रणालियों का अक्सर व्यापक विज्ञापन अभियानों, सेलिब्रिटी और प्रभावशाली लोगों के समर्थन से विपणन होता है, जिससे उनकी पहुंच और प्रभाव बढ़ जाता है, खासकर युवाओं और कमजोर समूहों के बीच। सरकार ने कहा कि व्यक्तियों, परिवारों, समाज और देश पर ऑनलाइन मनी गेमिंग के हानिकारक और नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए तथा ऑनलाइन मनी गेम के लिए उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की प्रकृति, एल्गोरिदम और इसमें शामिल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क सहित तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, और यह देखते हुए कि वे विदेशी क्षेत्राधिकारों से संचालित होते हैं, ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 लाया गया।

पर्याप्त सामग्री और डेटा जो दर्शाते हैं कि अनियमित ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र का संबंध आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से है। साथ ही, आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से संबंधों पर सीलबंद लिफाफे में अधिक जानकारी देने की पेशकश की गई।

प्रदूषण के कारण डिजिटल सुनवाई पर करें विचार

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने गंभीर वायु प्रदूषण के कारण सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई केवल डिजिटल तरीके से करने की संभावना पर विचार करते हुए कहा कि एक दिन पहले जब वह एक घंटे की सैर पर गए थे तो उन्होंने खुद को अस्वस्थ महसूस किया था। उन्होंने कहा कि वह बार से परामर्श के बाद निर्णय करेंगे, हालांकि 60 वर्ष से अधिक आयु के अधिवक्ताओं के लिए डिजिटल तरीके से सुनवाई की अनुमति देने का विचार अदालत में रखा गया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यह टिप्पणी तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की शुरुआत में कीं, जब आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मांगी। द्विवेदी ने कहा कि मुझे प्रदूषण से दिक्कत है... कृपया मेरे सहकर्मी को नोट लेने की अनुमति दें। मैं अगली तारीख पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होना चाहता हूं। उन्होंने बताया कि सुबह की सैर पर जाने के बाद से उन्हें कुछ दिक्कत हो रही है। मुझे आपकी अनुमति चाहिए।

- सीजेआई ने 60 वर्ष से अधिक उम्र के अधिवक्ताओं को अनुमति दिए जाने का कोर्ट में विचार रखा

देश को भगौड़े अपराधियों को वापस लाने का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि देश को कानून से बचने वाले अपराधियों को वापस लाने का अधिकार है। न्यायालय ने एक व्यक्ति की उस याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया, जिसमें उसने संयुक्त अरब अमीरात से उसके प्रत्यर्पण के लिए किए गए अनुरोध को वापस लेने की प्रार्थना की थी। अधिकारियों के अनुसार, याचिकाकर्ता विजय मुरलीधर उधवानी के खिलाफ 153 मामले दर्ज हैं, जिसने जुलाई 2022 में दुबई की यात्रा की थी और उस पर अवैध शराब की तस्करी और अन्य अपराधों की संगठित अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ उधवानी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था। उधवानी ने गुजरात उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उसके खिलाफ जारी रेड कॉर्नर नोटिस को रद्द करने और प्रत्यर्पण के लिए संयुक्त अरब अमीरात को किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध को वापस लेने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से उपस्थित वकील से कहा कि कई अपराध हैं, आप वापस आएं। आपका भव्य स्वागत किया जाएगा।

शराब घोटाले में तीन आरोपियों को अंतरिम राहत

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश में 3,500 करोड़ के शराब घोटाले में तीन आरोपियों को आत्मसमर्पण करने से बुधवार को अंतरिम राहत दे दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी, जिनमें आरोपियों की जमानत रद्द कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने उन्हें मामले की सुनवाई कर रही अदालत में 26 नवंबर को आत्मसमर्पण करने और नियमित जमानत के लिए अनुरोध करने का निर्देश दिया था।

पानी-भोजन की खराब गुणवत्ता पर वीआईटी में छात्रों का हंगामा

सीहोर (मप्र), एजेंसी

- 4,000 से ज्यादा छात्रों ने किया प्रदर्शन, कॉलेज प्रबंधन ने की 30 नवंबर तक छुट्टी

सीहोर जिले में वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (वीआईटी) के छात्रों ने भोजन और पानी की कथित खराब गुणवत्ता को लेकर हिंसक प्रदर्शन किया, कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ की और वाहनों में आग लगा दी। पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार देर रात आगजनी के दौरान एक बस, चार पहिया दो वाहन, एक एम्बुलेंस, छात्रावास की खिड़की के शीशे, एक आरओ प्लांट और परिसर के अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि 3,000 से 4,000 छात्रों ने भोजन और पानी की गुणवत्ता को लेकर प्रदर्शन किया। सूचना के बाद पुलिस अनुमंडल अधिकारी (आष्टा) और कई थानों के पुलिसकर्मी कॉलेज पहुंचे। कर्मियों ने छात्रों के साथ विस्तृत चर्चा की, उनकी चिंताओं को सुना और उन्हें समस्याओं को हल करने के लिए कार्रवाई का आश्वासन दिया। आष्टा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) आकाश अमालकर ने कहा कि कॉलेज और छात्रावास परिसर में स्थिति वर्तमान में नियंत्रण में है। परिसर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस बीच, कॉलेज प्रबंधन ने 30 नवंबर तक छुट्टी घोषित कर दी है। सीहोर के एसपी दीपक शुक्ला ने कहा कि स्थिति सामान्य है।

निर्वाचन आयोग ने सीईओ कार्यालय पर प्रदर्शन की पुलिस से रिपोर्ट मांगी

कोलकाता, एजेंसी

- मुख्यमंत्री ममता ने बीएलओ की मांग को उचित बताया

निर्वाचन आयोग ने प. बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय पर बीएलओ के विरोध प्रदर्शन को लेकर कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज कुमार वर्मा को बुधवार को पत्र लिखा और इसे गंभीर सुरक्षा उल्लंघन बताया तथा 48 घंटे में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीएलओ के प्रदर्शन को निर्वाचन आयोग के अहंकार को जिम्मेदार ठहराया। पत्र में आयोग के सचिव सुजीत मिश्रा ने कहा कि सीईओ मनोज अग्रवाल के कार्यालय में मौजूदा सुरक्षा अपर्याप्त है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण अत्यधिक कार्य दबाव का आरोप लगाते हुए, बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने मंगलवार शाम तक सीईओ कार्यालय के बाहर 30 घंटे का प्रदर्शन किया। आयोग ने पत्र में कहा कि सीईओ कार्यालय में मौजूदा सुरक्षा स्थिति से निपटने के लिए अपर्याप्त प्रतीत होती है, जिससे मुख्य निर्वाचन अधिकारी, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में काम करने वाले अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। पत्र की प्रतिलिपि मुख्य सचिव, राज्य के गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भेजी गई।

बीएलओ को अपना पक्ष रखने का अधिकार

इस संबंध में मुख्यमंत्री बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पर सवाल उठाते हुए कहा कि बीएलओ को अपनी शिकायतें रखने के लिए उनके दफ्तर के बाहर घंटों इंतजार क्यों कराया गया। बंगाल ही नहीं, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी बीएलओ काम के दबाव में दम तोड़ रहे हैं।

छत्तीसगढ़: 41 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 32 पर थे एक करोड़ 19 लाख के इनाम

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एक करोड़ 19 लाख के इनामी 32 समेत 41 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इनमें कई आठ लाख के इनामी है। वहीं, कई पर पांच लाख का इनाम था। इसके अलावा 12 नक्सलियों पर दो-दो लाख तथा आठ नक्सलियों पर एक-एक लाख का इनाम था।

अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के अलावा तेलंगाना स्टेट कमेटी और धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड डिवीजन के नक्सली भी शामिल हैं। राज्य शासन द्वारा अपनाई गई व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति ने दक्षिण बस्तर क्षेत्र में स्थायी शांति की मजबूत नींव स्थापित की है। पुलिस, सुरक्षाबलों, स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठनों और क्षेत्र के जागरुक नागरिकों के सामूहिक तथा समन्वित प्रयासों से हिंसा और भय की संस्कृति को संवाद और विकास की संस्कृति में बदलने में बड़ी सफलता मिली है।

परिवार को पूरा लाभ न देने पर शहीद अग्निवीर की मां पहुंचीं हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

- शहीद की मां ने दावा किया- अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों में फर्क पैदा करती है

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए अग्निवीर मुरली नाइक की मां ने मुंबई हाईकोर्ट का रुख किया है और नियमित सैनिक के परिवार को मिलने वाले लाभ देने से इन्कार करने को चुनौती दी है। नाइक की मां ज्योतिबाई नाइक की अर्जी में दावा किया गया कि अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच मनमाना फर्क पैदा करती है। इसमें उन्होंने संपूर्ण मृत्यु लाभ देने से इन्कर करने को भेदभावपूर्ण बताते हुए सवाल उठाया है।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी सेना की ओर से गोलाबारी और मोर्टार से हमलों में नौ मई को मुरली नाइक शहीद हो गए थे। अधिवक्ता संदेश मोरे, हेमंत घाडीगांवकर और हितेन्द्र गांधी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि अग्निवीर नियमित सैनिकों के समान ही कर्तव्य निभाते हैं और उन्हीं जोखिमों का सामना करते हैं, फिर भी अग्निवीरों के परिवारों को दीर्घकालिक पेंशन और कल्याणकारी लाभों से वंचित रखा गया है। सरकार द्वारा शुरू की गई अग्निपथ योजना में अग्निवीरों को सेवा के बाद मिलने वाले उन पेंशन लाभ और अन्य दीर्घकालिक कल्याणकारी अधिकारों से स्पष्ट रूप से वंचित रखा गया है।

जज बदलने की राबड़ी देवी की याचिका पर सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी द्वारा आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले की सुनवाई किसी अन्य जज को भेजने की मांग वाली याचिका पर बुधवार को दिल्ली की अदालत ने सीबीआई से जवाब मांगा है।

प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश भट्ट ने राजद नेता की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीआई को नोटिस जारी किया। अदालत ने सीबीआई मामले में जारी सुनवाई की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इससे पहले सोमवार को राबड़ी देवी ने अपने खिलाफ दर्ज सीबीआई और ईडी के मामलों को दूसरी अदालत में स्थानांतरित करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी।

हांगकांग में भीषण आग...

हांगकांग के ताई पो जिले में एक बहुमंजिला आवासीय परिसर में बुधवार को आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य व्यक्ति अस्पताल में भर्ती हैं। इमारतों में कुछ लोगों के फंसे होने की सूचना है।

2,700 साल पूर्व पलायन, भारत से इजराइल वापसी

बेनी मेनाशे एक समुदाय है जो अपने को प्राचीन इज़राइल के मेनाशे कबीले का वंशज मानता है। यह समुदाय भारत के पूर्वोत्तर में रहने वाला एक अनोखा और ऐतिहासिक समुदाय है। माना जाता है कि लगभग 2,700 साल पहले असिरियन साम्राज्य द्वारा इज़राइल पर कब्जे के दौरान मेनाशे कबीले के लोग मध्य एशिया और फिर पूर्व की ओर पलायन कर गए। समय के साथ यह समुदाय चीन होते हुए म्यांमार और फिर भारत के मणिपुर व मिजोरम क्षेत्र में आकर बस गया। बेनी मेनाशे पूर्वोत्तर भारत के यहूदी समुदायों का सामूहिक नाम है, जो मुख्य रूप से मिजोरम और मणिपुर में रह रहे हैं। यहां इनकी आबादी लगभग 5,800 है जिन्हें इजराइल की सरकार ने वतन वापसी की मंजूरी दे दी है।

कौन है बेनी मेनाशे समुदाय

इजराइल ने दी वापसी के लिए मंजूरी

इजराइल सरकार ने अगले पांच वर्षों में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से सभी 5,800 बेनी मेनाशे को लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इजराइल की जुइश एजेंसी ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर भारत से बेनी मेनाशे समुदाय के आव्रजन को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण, व्यापक पहल को मंजूरी दे दी। इस ऐतिहासिक निर्णय से 2030 तक लगभग 5,800 सदस्य इजराइल आएंगे। इनमें से 1,200 सदस्यों को 2026 में लाने को स्वीकृत मिल गई है।

वतन वापसी के लिए किए खास इंतजाम

बेनी मेनाशे के वतन वापसी पर इजराइल अनुमानत: नौ करोड़ शेकेल (2.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर) खर्च करेगा जिससे इन आप्रवासियों की उड़ानों, धर्म संबंधी शिक्षाओं, आवास, हिब्रू पाठ और अन्य चीजों को कवर किया जाएगा। रब्बियों (धार्मिक नेताओं) के एक प्रतिनिधिमंडल के भी इनसे मिलने भारत आने की संभावना है। प्रतिनिधिमंडल लगभग 3,000 बेनी मेनाशे लोगों का साक्षात्कार करेगा, जिनके इजराइल में रिश्तेदार हैं।

पहले ही इजराइल जा चुके 2,500 सदस्य

बेनी मेनाशे समुदाय के लगभग 2,500 सदस्य पहले ही इजराइल में बस चुके हैं। समुदाय के अधिकतर युवा इजराइली रक्षा बलों की लड़ाकू इकाइयों में सेवारत हैं। इनके वतन वापसी का काम देख रही जुइश एजेंसी इजराइल आधारित अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो अलियाह को मुख्य मूल्य के रूप में आगे बढ़ाकर इजराइल और दुनिया भर के यहूदी लोगों को मजबूत करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करता है।

यहूदी के साथ हिंदू और ईसाई धर्म मानता है समुदाय

बेनी मेनाशे समुदाय का धर्म यहूदी है, लेकिन समय के साथ उन्होंने स्थानीय परंपराओं और अन्य धर्मों के प्रभाव को भी अपनाया है। कई लोग ईसाई और हिंदू धर्म को भी मानते हैं। बेनी मेनाशे समुदाय की भाषा मुख्य रूप से मिजो और मैतै है, लेकिन कई लोग हिब्रू और अंग्रेजी भी बोलते हैं। इस समुदाय की पोशाक में पारंपरिक मिजो और मैतै कपड़े शामिल होते हैं। इनका भोजन मुख्य रूप से मांसाहारी होता है, जिसमें मछली, मांस, और सब्जियां शामिल होती हैं। ये यहूदी त्योहारों को मनाते हैं, जैसे कि रोश हशनाह और योम किप्पुर, साथ ही स्थानीय त्योहार भी मनाते हैं। इनका संगीत-नृत्य मिजो और मैतै संस्कृति से प्रभावित है, जिसमें पारंपरिक वाद्ययंत्र और नृत्य शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

40 अरब डॉलर के हथियार लेगा ताइवान

ताइपे। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार हथियारों की खरीद के लिए 40 अरब अमेरिकी डॉलर का विशेष बजट पेश करेगी। यह निर्णय ताइवान पर अपने रक्षा खर्च में बढ़ोतरी करने के अमेरिका के दबाव के बीच लिया जा रहा है। कू ने बताया कि यह बजट नई रक्षा प्रणालियों की खरीद पर खर्च किया जाएगा, जिनमें अमेरिका से खरीदे जाने वाले सैन्य उपकरण भी शामिल होंगे।

बोल्सोनारो की 27 साल की सजा शुरू

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने मंगलवार से 27 साल की जेल की सजा काटना शुरू कर दिया। बोल्सोनारो को 2022 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश का दोषी पाया गया था। इस मामले पर सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे दे मोरेस ने आदेश दिया कि बोल्सोनारो को पुलिस मुख्यालय में रखा जाएगा।

पाकिस्तान ने किया मिसाइल का परीक्षण

कराची। पाकिस्तानी नौसेना ने एक स्वदेश विकसित पोत रोधी बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल को समुद्र और धरती, दोनों स्थानों पर लक्ष्य भेदने में सक्षम है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह परीक्षण मंगलवार को स्थानीय स्तर पर निर्मित नौसैन्य प्लेटफॉर्म से किया गया, जिससे देश की रक्षा क्षमताएं बढ़ी हैं। यह मिसाइल समुद्र और जमीन से हमले में सक्षम है।

इजराइल ने गाजा से भेजे शव पहचाने

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उनके देश ने गाजा से हाल में लाए गए एक शव की पहचान बंधक द्रोर ओर के अवशेषों के रूप में की है। अब गाजा में दो बंधकों के शव बचे हैं। इजराइल-हमास संघर्ष विराम का पहला चरण पूरा होने वाला है।

सरकोजी की दोषसिद्धि कोर्ट ने बरकरार रखा

पेरिस। फ्रांस की शीर्ष अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को उनके पुनर्निर्वाचन अभियान के लिए अवैध वित्तपोषण के मामले में दोषी ठहराए जाने के फैसले को बरकरार रखा। सर्वोच्च अपीलीय न्यायालय (कोर्ट ऑफ कैसेशन) ने यह निर्णय सुनाया।

आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, मानव जाति के लिए अभिशाप

मुंबई हमले की बरसी : आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने पर गृहमंत्री शाह का जोर

- हमले की 17वीं बरसी पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने 2008 में मुंबई आतंकवादी हमले के दौरान आतंकवादियों से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को बुधवार को पुष्पांजलि अर्पित की। हमले की 17वीं बरसी पर अपने संदेश में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी नागरिकों से आतंकवाद से लड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने को कहा, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति को रेखांकित किया। कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और मंत्री आशीष शेलार ने भी दक्षिण मुंबई में पुलिस आयुक्त कार्यालय परिसर में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

आतंकवादी हमले में मारे गए शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मुंबई में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान अपनों को याद कर रो पड़ी एक पीड़िता।

हमलों की वैश्विक स्तर पर की गई निंदा

हमलों की वैश्विक स्तर पर निंदा हुई और इसके बाद भारत के आतंकवाद-रोधी उपायों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। कई लोगों ने सीएसएमटी, कामा व आल्बलेस रुग्णालय तथा अन्य स्थानों पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें पाकिस्तानी आतंकवादियों ने निशाना बनाया था। कई लोगों ने एएसआई तुकाराम ओम्बले की प्रतिमा स्थल पर भी पुष्पांजलि अर्पित की, जो आतंकवादी कसाब को पकड़ते समय शहीद हो गए थे।

आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

शाह ने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है। उन्होंने कहा कि मुंबई आतंकी हमले का डटकर सामना करते हुए अपना बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन करता हूं और इस कायराना हमले में अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मोदी सरकार की आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने) की नीति स्पष्ट है, जिसे पूरा विश्व सराह रहा है और भारत के आतंकवाद विरोधी अभियानों को व्यापक समर्थन दे रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी एक्स पर शहीदों को याद करते हुए कहा कि 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों की बरसी पर, मैं उन वीर सैनिकों को नमन करती हूं जिन्होंने हमारे देश के लोगों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान को कृतज्ञतापूर्वक याद करता है। मुर्मू ने कहा कि आइए! हम हर तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। आइए! हम एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के संकल्प के साथ प्रगति के पथ पर एक साथ आगे बढ़ें। 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से आए 10 आतंकवादियों द्वारा मुंबई के कई हिस्सों में एक साथ किए गए हमलों में 166 लोगों की जान चली गई थी और 300 से अधिक घायल हो गए थे। पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एलईटी के 10 सशस्त्र आतंकवादी समुद्र के रास्ते शहर में घुसे थे।

देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल वाहन लांच

- सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को पलक झपकते मार गिराएगा

हैदराबाद, एजेंसी

काउंटर-ड्रोन एवं एयर डिफेंस प्रौद्योगिकी कंपनी इंद्रजाल ड्रोन डिफेंस ने बुधवार को देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल व्हीकल (एडीपीवी) लॉन्च किया जो सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को मार गिराने में सक्षम होगा।

यह पूरी तरह से मोबाइल एआई से लैस काउंटर ड्रोन सिस्टम है जो ड्रोन हमलों से बचाव के देश के तौर-तरीकों को बदलने की क्षमता रखता है। आज दुनिया में युद्ध के दौरान बढ़ते ड्रोन के इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। सीमा पार से आतंकवादी संगठन भी ड्रोन का इस्तेमाल हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए करते हैं। कंपनी ने बताया कि मौजूदा समय में एंटी-ड्रोन उपकरण वाहनों पर अलग से लगाए जाते हैं जो तभी काम करते हैं जब वाहन अपनी जगह पर स्थिर हो। वहीं, इंद्रजाल का एडीपीवी चलते हुए भी ड्रोन का पता लगा सकता है, एआई की मदद से खतरे का आंकलन कर सकता है और तुरंत मारकर गिरा सकता है। इसका इस्तेमाल सीमा पर सड़कों, नहरों, खेतों, बुनियादी ढांचों और शहरी क्षेत्रों में किया जा सकता है।

हसीना के प्रत्यर्पण अनुरोध पर विचार कर रहा है भारत

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश ने बुधवार को कहा कि भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के उसके पूर्व के अनुरोध पर कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन बांग्लादेश को भारत से जवाब की उम्मीद है क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने और पूर्व प्रधानमंत्री को दोषी ठहराए जाने के बाद अब स्थिति अलग है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पिछले सप्ताह भारत को एक आधिकारिक पत्र भेजकर हसीना (78) के प्रत्यर्पण की मांग की थी। विशेष न्यायाधिकरण ने 17 नवंबर को उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। वहीं, भारत ने बुधवार को कहा कि वह हसीना को प्रत्यर्पित किए जाने के बांग्लादेश के अनुरोध पर गौर कर रहा है और वह उस देश के लोगों के सर्वोत्तम हितों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईआईटी मद्रास ने विकसित की पोत प्रबंधन की प्रणाली

- देश की पहली स्वदेशी प्रणाली से कम होगा आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने देश की पहली स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन प्रणाली विकसित की है और इसे बंदरगाहों में उपयोग में लाया जा रहा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा उल्लेखित आवश्यकताओं के आधार पर आईआईटी मद्रास स्थित राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र (एनटीसीपीडब्ल्यूसी) ने इस प्रणाली को तैयार किया है।

एनटीसीपीडब्ल्यूसी के प्रमुख के. मुरली के अनुसार, यह प्रणाली भारतीय समुद्री क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देगी तथा आयात पर निर्भरता कम करेगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी प्रणाली से पोत की आवाजाही से संबंधित रणनीतिक डेटा के लीक होने का खतरा नहीं होता। मुरली ने कहा कि यह प्रणाली आसानी से उन्नत की जा सकती है ताकि संबंधित हितधारकों की लगातार बदलती आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके और इसमें वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जा सके। यह प्रणाली पहले ही केरल में स्थित विझिंजम इंटरनेशनल सीपोर्ट लिमिटेड (वीआईएसएल) में लागू कर दी गई है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई में किया था। उन्होंने कहा कि पश्चिमी तट पर स्थित दो अन्य बंदरगाह भी इस प्रणाली को लागू करने के लिए आईआईटी मद्रास से बातचीत कर रहे हैं। स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन का एक प्रमुख लाभ यह है कि सरकार के पास इसके स्रोत कोड, डेटाबेस और समाधान के विभिन्न पहलुओं पर पूरा रणनीतिक नियंत्रण होता है।

गाजा संघर्ष विराम के दूसरे चरण पर त्रिपक्षीय बातचीत

काहिरा। तुर्की के खुफिया प्रमुख ने काहिरा में अपने मिस्र समकक्ष और कतर के प्रधानमंत्री-सह-विदेश मंत्री से गाजा संघर्ष विराम समझौते के दूसरे चरण पर चर्चा की। बातचीत का मुख्य ध्यान संघर्ष विराम को बनाए रखने तथा इसके आगे उल्लंघन को रोकने के लिए आने वाली बाधाओं को दूर करने पर रहा। मिस्र के मीडिया के अनुसार, अधिकारियों ने इजराइल के सिविल-मिलिट्री कोऑर्डिनेशन सेंटर के साथ समन्वय बढ़ाने पर सहमति जताई तथा उल्लंघनों को रोकने और अनुपालन को मजबूत करने के उपायों पर विचार किया।

चीन की हरकत संबंधों को सामान्य बनाने में बाधक

- भारतीय महिला को रोके जाने पर विदेश मंत्रालय सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने अरूणाचल प्रदेश की रहने वाली एक भारतीय महिला के साथ शंघाई हवाई अड्डे पर वीजा और पासपोर्ट को लेकर की गई हरकत पर सख्त रूख अपनाते हुए कहा है कि इस तरह की हरकतें दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने में मददगार नहीं होगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अरूणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और इस तरह की हरकतों से हकीकत नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा कि भारत पहले भी कई बार यह स्पष्ट कर चुका है कि भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखाना जरूरी शर्त है। प्रवक्ता ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली भारतीय नागरिक के साथ चीन की मनमानी हरकतें दोनों पक्षों द्वारा परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशों में मददगार नहीं हैं।

नेपाल में चुनाव लड़ेंगे 106 दल

काठमांडू। नेपाल में 106 राजनीतिक दलों ने अगले साल पांच मार्च को होने वाले आम संसदीय चुनाव में लड़ने के लिए पंजीकरण कराने के वास्ते आवेदन किया है। चुनाव आयोग ने पहले राजनीतिक दलों के लिए चुनाव पंजीकरण दाखिल करने की अंतिम तिथि 26 नवंबर निर्धारित की थी। बाद में इसे बढ़ाकर 30 नवंबर कर दिया गया।

चुनाव आयोग के प्रवक्ता सुमन अधिकारी ने बताया कि आयोग में पंजीकृत 134 दलों में से 106 ने प्रतिनिधि सभा के आगामी चुनाव में भाग लेने के लिए आवेदन जमा किए हैं। पात्र दलों की अंतिम सूची छह दिसंबर को प्रकाशित होगी।

यूक्रेन-रूस युद्ध खात्मे की योजना तैयार

- राष्ट्रपति ट्रंप ने पुतिन और यूक्रेनी अधिकारियों के पास भेजे दूत

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध समाप्त कराने की उनकी योजना तैयार है और वह अपने दूत स्टीव विटकॉफ को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तथा सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल को यूक्रेनी अधिकारियों से बातचीत के लिए भेज रहे हैं।

ट्रंप ने संकेत दिया कि वह भी पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर सकते हैं, लेकिन वार्ता में पर्याप्त प्रगति होने पर। उन्होंने कहा कि वह उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, युद्ध मंत्री पीट

हेगसेथ और ट्रंप के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी वाइल्स के साथ प्रगति की जानकारी लेंगे। ट्रंप की यह टिप्पणी तब आई जब सेना सचिव ड्रिस्कॉल ने सोमवार देर रात और मंगलवार को अबू धाबी में रूसी अधिकारियों से बातचीत की।

कीव पर रात भर बरसीं मिसाइलें

बातचीत जारी रहने के बीच रूस ने कीव पर रातभर मिसाइल हमले किए, जिनमें सात लोग मारे गए जबकि यूक्रेन के हमले में दक्षिणी रूस में तीन लोगों की मौत हुई। पिछले सप्ताह सामने आई ट्रंप की शांति योजना रूस के पक्ष वाली बताई गई है जिसके बाद जेलेंस्की तुरंत अमेरिकी वार्ताकारों से मिले। यूरोपीय देशों ने भी इस पर अपनी चिंताएं जतायी हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि शांति प्रयास महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं और गति पकड़ रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 28 नवंबर 00 .29 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

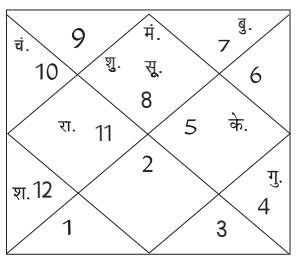

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।

चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।

ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- धनिष्ठा 28 नवंबर 02 .32 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष: आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। युवाओं को नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता रहेगी। अपने विरोधियों पर अधिक विश्वास न करें।

वृष: आज आप भविष्य को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय करने का विचार बनाएंगे। बड़े भाई-बहनों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। कारोबार में बड़े ऑर्डर मिलने के योग बन रहे हैं। प्रतिष्ठित लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे।

मिथुन: आज जल का पर्याप्त मात्रा में सेवन करें। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। दूसरों के सामने अपनी छवि को लेकर अत्यंत चिंतित हो सकते हैं। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। विरोधी आपको परेशान करने का प्रयास करेंगे।

कर्क: आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा। शाम के समय आपके कुछ काम अटक सकते हैं। आर्थिक मामलों को लेकर समस्या दूर होगी। पारिवारिक सुख का भरपूर आनंद लेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं।

सिंह: आज अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से लाभ होगा। व्यापारियों को धन उधार देने से बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में मनमानी भरे रवैये के कारण नुकसान हो सकता है। अपने काम के अलावा दूसरे कार्यों में अधिक फोकस कर सकते हैं।

कन्या: आज बेवजह दूसरे लोगों से सलाह न लें। प्रतियोगी परीक्षा में आप बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। आप अत्यंत ऊर्जवान महसूस करेंगे। गृहस्थ जीवन में सावधानी रखें। प्रेमी जन के साथ तेज आवाज में बात न करें।

तुला: आज अनावश्यक खर्चों से आपको बचना चाहिए। क्रोधपूर्ण व्यवहार के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से काम करें। कंसल्टेंसी से जुड़े कार्यों में लाभ होगा। पुराने मित्रों से चर्चा हो सकती है। साझेदारी वाले व्यवसाय में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक: आज पूरा दिन आपके लिए अत्यंत उत्तम रहने वाला है। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रेरणा लेंगे। आय के नए स्रोत विकसित होने के योग बन रहे हैं। अपने आत्मविश्वास के बलबूते उलझे मामलों को सुलझाने में सफलता मिलेगी।

धनु: आज प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। आपको पर्याप्त आराम अवश्य करना चाहिए। साझेदारी वाले व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। इंटरनेट का सावधानी पूर्वक प्रयोग करें। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें।

मकर: आज दिन का प्रारंभिक भाग बहुत अच्छा रहेगा। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। रुके हुए कार्य दोबारा शुरू होने के योग बन रहे हैं। जॉब को लेकर स्थान-परिवर्तन हो सकता है। आप घरेलू कार्यों में व्यस्त रहेंगे।

कुंभ: आज अपनी गलत आदतों को सुधारने का प्रयास करें। जिद्दी स्वभाव के कारण आपके नजदीकी लोग नाराज हो सकते हैं। अपशब्दों का प्रयोग कम से कम करें। कारोबार में कठिनाई होगी। ज्यादा मेहनत के कारण मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या होगी।

मीन: आज व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होने की संभावना है। विपरीत लिंग के लोगों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। दैनिक दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार और सहयोग अच्छा रखें। घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सुडोकू-173

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2							
				5				
		5		1				
								4
					6			
	1							
	4				3			
							6	

सुडोकू - 172 का हल

1	8	5	2	6	9	3	7	4
4	9	7	5	8	3	6	1	2
2	3	6	7	4	1	8	5	9
3	6	4	1	9	5	7	2	8
9	7	1	6	2	8	5	4	3
8	5	2	4	3	7	1	9	6
7	2	9	3	1	6	4	8	5
6	1	8	9	5	4	2	3	7
5	4	3	8	7	2	9	6	1

भारत को राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी वर्ष 2030 खेलों की मेजबानी मिलने पर हर्षित हूं। देशवासियों और खेल तंत्र को बधाई । यह हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता और खेलभावना है जिसने भारत को वैश्विक खेल मानचित्र पर मजबूती से रखा है।

-नरेंद्र मोदी

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार ,27 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

असलांका की छिन सकती है कप्तानी

कोलंबो : श्रीलंका के कप्तान चरित असलांका का पाकिस्तान का दौरा बीच में छोड़ना देश के क्रिकेट बोर्ड को नागवार गुजरा है जिससे अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनकी कप्तानी खतरे में पड़ गई है। उनकी जगह दासुन शनाका को कप्तान नियुक्त किया गया है। असलांका पाकिस्तान में द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज में टीम की कप्तानी कर रहे थे। वह दौरा बीच में रद्द करने के पक्ष में थे और उन्होंने इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती बम विस्फोट के बाद कथित तौर पर अपने कुछ साथियों को टूर्नामेंट से हटने और स्वदेश लौटने के लिए प्रोत्साहित किया था। यह बात श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) को रास नहीं आई और उसने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

चेल्सी ने बार्सिलोना को 3-0 से रौंदा

लंदन : टीम में बदलाव, गलतियों और रक्षात्मक चूक के कारण मैनचेस्टर सिटी और बार्सिलोना को चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में हार का सामना करना पड़ा। मैनचेस्टर सिटी कोच के रूप में पेप गार्डियोला के चैम्पियंस लीग में 100वें मैच में उनकी टीम बायर लेवरकुसेन से 2-0 से हार गई, जबकि बार्सिलोना को चेल्सी के खिलाफ 3-0 की हार में आत्मघाती गोल और रेड कार्ड का सामना करना पड़ा। गार्डियोला ने शनिवार को प्रीमियर लीग में न्यूकैसल से मिली हार के बाद अपनी शुरुआती लाइनअप में 10 बदलाव किए, जिसमें एर्लिंग हालैंड को बेंच पर रखा गया, लेकिन इसका विपरीत प्रभाव पड़ा। एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो ने 23वें मिनट में लेवरकुसेन की तरफ से पहला और पैट्रिक स्किच ने 54वें मिनट में दूसरा गोल किया।

उप्र ने गोवा को छह विकेट से दी मात

कोलकाता : गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आर्यन जुयाल (नाबाद 93) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर उत्तर प्रदेश ने बुधवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मुकाबले में गोवा को 10 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में कप्तान करण शर्मा (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बल्लेबाजी करने आये प्रियम गर्ग ने आर्यन जुयान के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 71 रन जोड़े। उत्तर प्रदेश ने 18.2 ओवर में चार विकेटपर 173 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से अपने नाम कर लिया।

अजलन शाह कप : भारत ने मलेशिया को हराया

इपोह : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान अजलन शाह कप में बुधवार को मेजबान मलेशिया को 4-3 से हराया। भारत के लिये सेल्वम कार्ति (सातवां मिनट), सुखजीत सिंह (21वां), अमित रोहिदास (39वां) और संजय (53वां) ने गोल किया। वहीं फैजल सारी (13वां), फितरी सारी (36वां) और मरहान जलील (45वां) ने मलेशिया के लिये गोल दागे। भारत ने आक्रामक शुरूआत की और मेजबान को दबाव में ला दिया। भारत के लिये पहला गोल सातवें मिनट में सुखजीत सिंह के पास पर कार्ति ने किया। भारतीयों ने दबाव बनाये रखा लेकिन बीच में यशदीप सिवाच को गलती पर ग्रीन कार्ड और मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला।

भारत की सबसे बड़ी हार, दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप

गुवाहाटी टेस्ट में भारत को रिकॉर्ड 408 रनों से मिली मात, अपनी धरती पर तीसरी बार सूपड़ा साफ हुआ

गुवाहाटी, एजेंसी

ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने कौशल और दृढ़ संकल्प की कमी वाले भारतीय बल्लेबाजों को फिर से दिन में तारे दिखाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में 408 रन की रिकॉर्ड जीत दर्ज करके दो मैच की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। यह हार भारत के टेस्ट इतिहास में एक और शर्मनाक अध्याय है क्योंकि रन के लिहाज़ से यह उसकी सबसे बड़ी हार है। यह तीसरा अवसर है जबकि किसी टीम ने भारत का उसकी धरती पर सूपड़ा साफ किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने 2000 में 2-0 से जबकि पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3-0 से सीरीज जीती थी।

इस पराजय से भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। भारत के सामने 549 रन का असंभव लक्ष्य था और उसकी पूरी टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन 140 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारतीय टीम 201 रन पर आउट हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में, भारत अब तक घरेलू मैदान पर न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टेस्ट हार चुका है।

पिछले 66 वर्षों में यह पहला अवसर है जबकि भारतीय टीम सात महीनों के अंतराल में पांच टेस्ट हार गई। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ही कुछ संघर्ष कर पाए। उन्होंने 87 गेंदों में 54 रन बनाए। हार्मर ने पिच मुझे मिल रहे उछाल और टर्न का पूरा फायदा उठाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 रन देकर छह विकेट तथा मैच में कुल नौ विकेट लिए।

एडेन मार्करम ने नौ कैच लेकर एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक कैच का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने भारत के अजिंक्य रहाणे के 2015 में लिए गए आठ कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। भारत ने सुबह दो विकेट पर 27 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई जिसके बाद हार्मर ने अपने टर्न और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने पहले सत्र में नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव (05), ध्रुव जुरेल (02) और कप्तान ऋषभ पंत (13) को पवेलियन की राह दिखाई। बारसापारा की पिच हाल के समय में उपलब्ध कराई गई सर्वश्रेष्ठ भारतीय पिचों में से एक थी, जिसमें उचित तकनीक और अभ्यास से बल्लेबाज रन बनाने में सक्षम थे। इस पिच पर अपनी लेंथ को जानने वाले तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हार्मर ने सुबह के सत्र में आधे घंटे की कड़ी मेहनत के बाद कुलदीप के डिफेंस में सेंध लगाई और फिर इसी ओवर में जुरेल को भी पवेलियन की राह दिखाई। जुरेल ने पहली स्लिप में खड़े मार्क्रम को कैच का अभ्यास कराया। पंत ने केशव महाराज पर छक्का लगाया लेकिन हार्मर की उछाल लेती एक गेंद उनके बल्ले को चूमती हुई स्लिप में मार्क्रम के सुरक्षित हाथों में चली गई। साई सुदर्शन ने 139 गेंदों में 14 रन बनाए लेकिन वह छह बार आउट होने से बचे थे और ऐसा लग रहा था कि वह हर गेंद पर आउट हो जाएंगे। भारत के अन्य बल्लेबाज नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर भी स्पिनरों के सामने बगलें झांकते हुए नजर आए। कोलकाता में पहला टेस्ट मैच 30 रन से गंवाने वाली भारतीय टीम की तैयारी में कमी स्पष्ट नजर आ रही थी।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी : 489 रन
भारत पहली पारी : 201 रन
दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी : 260/5

भारत

140/10 (दूसरी पारी) (63.5 ओवर)

यशस्वी का वेरेन्ने बो यानसेन	13
केएल राहुल बो हार्मर	06
साइ सुदर्शन नाबाद	14
कुलदीप यादव बो हार्मर	05
ध्रुव जुरेल का माक्रम बो हार्मर	02
ऋषभ पंत का माक्रम बो हार्मर	13
जडेजा स्ट वेरेन्ने बो महाराज	54
सुंदर का माक्रम बो हार्मर	16
नीतिश रेड्डी का वेरेन्ने बो हार्मर	00
जसप्रीत बुमराह नाबाद	01
सिराज का यानसेन बो महाराज	00

गेंदबाजी : यानसेन 15-7-23-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 23-6-37-6, महाराज 12.5-1-37-2, मार्करम 2-0-2-0, मुथुसामी 7-1-21-1

रवींद्र जडेजा के स्टंप आउट होने के साथ ही भारत की उम्मीदें भी टूट गईं। एजेंसी

हमें बेहतर बनने की जरूरत है : ऋषभ पंत

- बोले-आप क्रिकेट को हल्के में नहीं ले सकते

गुवाहाटी, एजेंसी

कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को स्वीकार किया कि भारत को टेस्ट टीम के रूप में बेहतर बनने की जरूरत है और कहा कि सिर्फ घरेलू हालात में खेलने से नतीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे टेस्ट मैच में भारत को 408 रन से हराकर श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया।

पंत ने मैच के बाद कहा यह थोड़ा निराशाजनक है। एक टीम के तौर पर हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हमें विरोधी टीम को श्रेय देना होगा। उन्होंने पूरी श्रृंखला में दबदबा बनाया लेकिन घरेलू धरती पर खेलने से आप क्रिकेट को हल्के से नहीं ले सकते हैं। पंत ने कहा कि भारत को इस श्रृंखला से सीख लेनी होगी और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा हमें इससे सीख लेकर एक टीम के रूप में आगे बढ़ना होगा। हमें अपनी मानसिकता स्पष्ट रखनी होगी। हमें इससे सीखना होगा और बेहतर बनना होगा। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका ने पूरी श्रृंखला में बेहतर क्रिकेट खेली।

यह बहुत बड़ी उपलब्धि है : तेम्बा बावुमा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा श्रृंखला में जीत से खुश हैं। उन्होंने कहा यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। आप हर समय भारत में आकर श्रृंखला नहीं जीत सकते। एक टीम के रूप में हमने भी खराब दिन देखे हैं और ऐसे में पूरा श्रेय खिलाड़ियों को जाता है। हम जैसा करना चाहते हैं उसको लेकर हमारी सोच में बड़ा बदलाव आया है। हमारी तैयारी शानदार थी और हमारे खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मैदान पर उतरते हैं। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और उन्होंने कहा कि वह यहां से सुखद यादें लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा जैसा कि मैंने पिछले टेस्ट में कहा था, यह एक लंबा सफ़र रहा है। मैं 10 साल बाद भारत में खेल रहा था और यह बिल्कुल एक अलग तरह का एहसास है। मैं यहां से सुखद यादें लेकर जाऊंगा। भारतीय टीम वास्तव में बहुत अच्छी है और उसे हराना बड़ी उपलब्धि है।

मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई के हाथ में : गंभीर

गुवाहाटी, एजेंसी

- बोले-लेकिन मेरी सफलताओं को मत भूलना

लोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में मिली करारी हार के बाद उनके भविष्य पर फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को करना है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि उनके कार्यकाल में टीम ने कितनी सफलता हासिल की है। गंभीर बुधवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रन से मिली शर्मनाक हार के बाद बोल रहे थे, जिससे मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली।

गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई को करना है। मैने अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस में भी कहा था जब मैं मुख्य कोच बना था । भारतीय क्रिकेट अहम है, मैं नहीं । आज भी मैं वही बात कह रहा हूं । उन्होंने कहा लोग भूल

जाते हैं लेकिन मैं वही व्यक्ति हूं जिसने युवा टीम के साथ इंग्लैंड में आपको अनुकूल परिणाम दिलाए । मुझे यकीन है कि आप जल्दी ही भूल जाओगे क्योंकि अधिकांश लोग न्यूजीलैंड (पिछले महीने भारत में 0.3 से मिली हार) के बारे में बात करते रहते हैं । मैने चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में भी जीत दिलाई है ।

गंभीर ने दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से मिली हार के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा दोष सभी का है और इसकी शुरुआत मुझसे होती है। हमें बेहतर खेल दिखाना होगा। पहली पारी में एक समय हमारा स्कोर एक विकेट पर 95 रन था जो सात विकेट पर 122 रन हो गया। यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा आप किसी एक व्यक्ति या किसी ख़ास शॉट को दोष नहीं दे सकते। दोष सबका है। मैंने कभी किसी एक व्यक्ति को दोष नहीं दिया और आगे भी ऐसा नहीं करूंगा। हमें बेहतर खेलना होगा । एक विकेट पर 95 रन से सात विकेट पर 122 रन स्वीकार्य नहीं है। गंभीर के कोच रहते भारत ने 18 टेस्ट मैचों में से 10 में हार का सामना किया है, जिसमें पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली हार भी शामिल है। गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हार टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। उन्होंने कहा टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए आपको बेहद तेज़तर्रार और प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की ज़रूरत नहीं है।

भारत ने जीता एक रजत और एक कांस्य पदक

नई दिल्ली : भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने रोमानिया में आयोजित आईटीटीएफ विश्व युवा चैम्पियनशिप में दमदार पदार्पण करते हुए अंडर -19 लड़कों और अंडर -15 लड़कियों की टीम स्पर्धाओं में क्रमशः एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया।

अंडर -19 लड़कों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई लेकिन उन्हें जापान से 0-3 से हार का सामना कर दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अंकुर भट्टाचार्य ने रयूसेई कावाकामी को कड़ी चुनौती दी , लेकिन 17-15, 6-11, 12-10, 4-11, 11-13 से हार गए। जापान के कजाकी योशियामा ने अभिनंद को 11-7, 11-8, 11-6 से हराया। फिर तामितो ने प्रणुज भट्टाचार्य को 11-9, 11-7, 11-3 से मात देकर जापान को स्वर्ण पदक दिलाया। अंडर -15 लड़कियों की टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक पहुंचकर कांस्य हासिल किया। टीम ने क्वार्टरफाइनल में जर्मनी को 3-1 से हराया।

डब्ल्यूटीसी तालिका में 5वें स्थान पर खिसका भारत

- दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद हुआ नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका से दोनों टेस्ट मैच में हार झेलने के बाद भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है जिससे उसकी फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है।

बुधवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट में 408 रन से मिली हार, पारंपरिक पांच दिवसीय प्रारूप में रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी हार है। इस साल के शुरू में इंग्लैंड में श्रृंखला बराबर करने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद पाकिस्तान से नीचे पांचवें स्थान पर खिसक गई है और उसका पीसीटी (प्रतिशत) 48.15 पर आ गया है। भारत ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में नौ टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से चार जीते, चार हारे और एक ड्रॉ रहा। भारतीय टीम अब अगले साल अगस्त में दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर में न्यूज़ीलैंड

के खिलाफ श्रृंखला खेलेगी। दूसरी तरफ भारत में 25 वर्ष में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने वाले दक्षिण अफ्रीका ने तालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका चार टेस्ट मैचों में 36 अंकों के साथ शीर्ष पर चल रहे ऑस्ट्रेलिया के ठीक पीछे दूसरे स्थान पर है। उसका पीसीटी 66.67 से बढ़कर 75 हो गया है।न्यूजीलैंड ने अभी तक मौजूदा चक्र में एक भी श्रृंखला नहीं खेली है, जबकि श्रीलंका और पाकिस्तान ने एक-एक सीरीज खेली है। शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें 2027 में होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

सोचा नहीं था कि भारत वापस आऊंगा : हार्मर

गुवाहाटी : साइमन हार्मर ने 2017 में इंग्लिश काउंटी टीम एसेक्स की ओर से खेलने के लिए 'कोलपैक' करार पर हस्ताक्षर किया था तब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट मैच खेलने की उम्मीद छोड़ दी थी। इस ऑफ स्पिनर के लिए भारत में 2015 में औसत प्रदर्शन के बाद इस देश में एक और टेस्ट मैच खेलने की उनकी संभावना धूमिल हो गयी थी।

हार्मर ने भारत के मौजूदा दौरे पर अपने शानदार प्रदर्शन से टीम को दो मैचों की सीरीज में 2-0 की जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। हार्मर ने दूसरे टेस्ट में 408 रन की बड़ी जीत दर्ज करने के बाद बुधवार को कहा लाखों सालों में भी नहीं (भारत में 2015 के बाद दोबारा खेलने के बारे में) और इसलिए यह अवास्तविक लगता है। कोलपैक समझौता यूरोपीय न्यायालय का एक फैसला था जिसने दक्षिण अफ्रीका जैसे यूरोपीय संघ समझौते वाले देशों के नागरिकों को यूरोपीय संघ के किसी भी देश में वहां के नागरिक के समान अधिकारों के साथ काम करने की अनुमति दी थी।

शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति अगले दौर में

लखनऊ, एजेंसी

शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा और सीनियर खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और एच एस प्रणय बुधवार को आसान जीत दर्ज करते हुए भारत के कई अन्य खिलाड़ियों के साथ सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे।

हुड्डा ने हमवतन आकर्षि कश्यप को 21-13, 21-18 से हराया जबकि इस साल की शुरुआत में मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले श्रीकांत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए बाबू बनारसी दास इंडोर स्टेडियम में कविन थंगम को 21-13, 21-10 से शिकस्त दी। वहीं 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने शाश्वत दलाल को पराजित किया। अब उनका सामना हमवतन मनराज सिंह से होगा। मिथुन

महिला सिंगल्स के दौरान शॉट लगातीं भारत की उन्नति हुड्डा। एजेंसी

मंजूनाथ को दिमित्रि पनारिन को 21-18 12-21 21-10 से हराने में मशक्कत करनी पड़ी जबकि छठे वरीय तरूण मानेपल्ली ने सतीश करूणाकरन को 21-7 21-9 से हराया। मंजूनाथ अब दूसरे दौर में मानेपल्ली के सामने होंगे। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सातवीं वरीयता प्राप्त रक्षिता श्री संतोष रामराज ने महिला एकल में श्रेया लेले पर 21-12, 21-14 से जीत के साथ आगाज किया।

किरण जॉर्ज ने भी पुरुष एकल वर्ग में इजराइल के डेनियल डुबोवेंको को 21-17, 21-9 से हराकर आगे बढ़े और अब उनका सामना हांगकांग के जेसन गुनावान से होगा। घुटने की चोट से उबरने के

- पूर्व चैंपियन श्रीकांत सैयद मोदी इंटरनेशनल में आगे बढ़े

बाद पांच महीने में अपना पहला मैच खेल रहे प्रियांशु राजावत ने मीराबा लुवांग मैसनाम को 21-18, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई, जहां उनका सामना एक अन्य भारतीय बीएम राहुल भारद्वाज से होगा।

भारद्वाज ने हमवतन तरुण रेड्डी कटम को 18-21, 21-16, 23-21 से हराया। अलाप मिश्रा, सिद्धांत गुप्ता पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंच गए, जबकि देविका सिहाग, मानसी सिंह, इशारानी बरुआ, तान्या हेमंत और अनुपमा भी आगे बढ़े। मिश्रित युगल वर्ग में विश्व जूनियर पदक विजेताओं के बीच हुए मुकाबले में सी लालरामसांगा और तारिणी सूरी की जोड़ी ने भव्या छाबड़ा और विशाखा टोप्पो को 25-23, 21-14 से हराया।

खेलमंत्री ने जताया हर्ष | अहमदाबाद में वर्ष 2030 में होगा आयोजन

राष्ट्रमंडल खेल की मेजबानी मिलना गर्व की बात

नई दिल्ली, एजेंसी

अहमदाबाद को राष्ट्रमंडल खेल 2030 का मेजबान चुने जाने को देश के लिये गर्व का पल बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि भारत 2047 तक खेलों में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में अपना नाम दर्ज कराना चाहता है ।

ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा के दौरान अहमदाबाद को 2030 खेलों की मेजबानी के अधिकार औपचारिक रूप से प्रदान किए गए जिससे दो दशकों के बाद इस आयोजन के भारत में वापसी का रास्ता साफ हो गया। राष्ट्रमंडल खेलों के सौ साल भी इस अवसर पर पूरे होंगे जो पहली बार 1930 में कनाडा में आयोजित

हुए थे। मांडविया ने मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर हरे पटाखों से आतिशबाजी और लेजर शो के बीच कहा राष्ट्रमंडल खेलों के सौवे साल में इन खेलों का आयोजन भारत में होना हमारे लिये गौरव की बात है। राष्ट्रमंडल खेल परिषद के लिये ये खेल बहुत महत्वपूर्ण है और इनके भारत में आयोजन की मुझे खुशी भी है और गर्व भी। उन्होंने कहा मोदी जी के नेतृत्व में देश बदल रहा है । पिछले एक दशक में खेलों में देश के अलग अलग 18 से अधिक शहरों में 22 से अधिक बड़े टूर्नामेंटों का आयोजन किया गया । कुछ दिन पहले ही मुक्केबाजी विश्व कप, पैरा एथलेटिक्स विश्व चैम्पियनशिप, हॉकी विश्व कप का आयोजन हुआ ।यह दर्शा रहा है कि यह देश बड़े टूर्नामेंटों के आयोजन के लिये तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को 2029 विश्व पुलिस खेलों की मेजबानी का अवसर मिलना भी गर्व की बात है । उन्होंने कहा भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी का इच्छुक है । हम पदक तालिका में भी लगातार आगे बढते जा रहे हैं । खेलों भारत नीति और खेल प्रशासन अधिनियम उसमें मजबूती प्रदान कर रहा है ।

10 साल के लिए खेल नीति तैयार

मांडविया ने कहा कि सरकार का दीर्घकालिन लक्ष्य भारत को 2047 में आजादी के सौवें साल में खेलों में शीर्ष पांच देशों में लाना है। आने वाले दस साल के लिये हमने दीर्घकालिन नीति तैयार की है जिसके तहत काम चल रहा है । मुझे यकीन है कि भारत अगले दस साल में शीर्ष दस खेल देशों में स्थान हासिल करेगा और 2047 में जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मनायेगा ,तब हम दुनिया के शीर्ष पांच खेल देशों में होंगे। ऐसे बड़े खेलों के आयोजन से देश के युवा खिलाड़ियों को मौका मिलता है। देश का खेलों में प्रदर्शन दिखता है। भारत की उभरती हुई खेल ताकत को हम 2030 में देख पायेंगे।